तृतीय वार्षिक रिपोर्ट

एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड

(एनएसआईसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)

2022-2023

सीआईएन नं. यू65990डीएल2020जीओई1368828

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	**श्री विपुल गोयल** (01 जुलाई, 2023 से) **सुश्री मर्सी एपाओ** (01 जनवरी 2023 से 30 जून, 2023 तक) **श्री गौरांग दीक्षित** (01 अगस्त 2022 से 31 दिसंबर, 2022 तक) **श्री पी. उदयकुमार** (20 जून, 2022 से 31 जुलाई, 2022 तक) **सुश्री अलका नागिया अरोड़ा** (1 जून, 2022 तक)
मुख्य कार्यकारी निदेशक	श्री सरवण कुमार अनणथन
निदेशक	• श्री अतीश कुमार सिंह सरकारी नामित निदेशक • डॉ. इशिता गागुंली त्रिपाठी सरकारी नामित निदेशक (08 जुलाई, 2022 से) • श्री गौरव गुलाटी, निदेशक (14.06.2023 से) • श्री सरवण कुमार अनणथन, निदेशक
कंपनी सचिव	सुश्री निष्ठा गोयल
संविधिक लेखापरीक्षक	मैसर्स देवन्द्र कुमार जैन, एसोसिएट्स
मुख्य बैंकर	स्टैट बैंक ऑफ इंडिया
पंजीकृत कार्यालय	एनएसआईसी भवन ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट नई दिल्ली– 110 020
कॉर्पोरेट वेबसाइट	www.nvcfl.co.in

निदेशक मंडल



श्री विपुल गोयल, अध्यक्ष (डीआईएन : 10229523)

श्री विपुल गोयल भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय में संयुक्त सचिव (एआरआई प्रभाग) हैं, जो खादी और ग्रामोद्योग आयोग, कॉयर बोर्ड और महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिकीकरण संस्थान (एमजीआईआरआई) के कार्यों को देखते हैं। उन्हें 1 जुलाई, 2023 से एनएसआईसी के अध्यक्ष–एवं–प्रबंध निदेशक के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

वह विभिन्न घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर नीति निर्माण और एमएसएमई को जोड़ने में अग्रणी रहे हैं। वह हारकोर्ट बटलर टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट, कानपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार में बी.टेक हैं और भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियर्स सेवा (आईआरएसएसई) – 1992 बैच के अधकिारी है। उनके पास पूरे भारत में विभिन्न रेलवे जोन/मंडलों में विभिन्न क्षमताओं में तैनात रहते हुए रेलवे सिग्नलिंग और दूरसंचार प्रणालियों के रखरखाव, निर्माण/परियोजना, रेलवे सिग्नलिंग उपकरणों के डिजाइन और विकास, ईपीसी अनुबंधों की हैंडलिंग, सामग्री प्रबंधन में व्यापक कार्य अनुभव है। उन्होनें रेलवे सिग्नलिंग और दूरसंचार प्रणालियों के रखरखाव/निर्माण में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। डीडीयू डिवीजन में सिग्नलिंग प्रणाली के रखरखाव में उल्लेखनीय सुधार के लिए उन्हें जीएम वार्षिक पुरस्कार 2002 से सम्मानित किया गया है।

वह एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड (एनएसआईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) के बोर्ड के पदेन अध्यक्ष भी हैं।



श्री अतीश सिंह, सरकारी नामिति निदेशक (डीआईएन : 06789077)

श्री अतीश सिंह, संयुक्त सचिव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय – सिविल सेवा को नागरिक प्रशासन, नीति निर्माण और कार्यान्वयन, संस्थागत विनियमन और उत्पाद विकास में 25 से अधिक वर्षों का अनुभव है (1997–2021)।

उन्होंने भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। उन्होंने एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के विभिन्न मामलों पर कार्य किया है जैसे कि एमएसएमई क्रेडिट के लिए नीति निर्माण और निष्पादन, विश्व बैंक के साथ बातचीत, 4 बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं (ईएपी) हेतु एमएसएमई क्षेत्र में वित्तीय सहायता के लिए केएफडब्ल्यू और राष्ट्रीय विकास बैंक, शिकायत निवारण/समाधान और प्रारंभिक सहायता हेतु चैंपियन पोर्टल की शुरुआत, जेड प्रमाणन पर सुधारित एमएसएमई योजना का विकास और निष्पादन, लीन प्रक्रियाएँ, ऊष्मायन, आईपीआर और डिजाइन आदि। वे देश भर में पीपीपी मोड पर 20 नए प्रौद्योगिकी केंद्रों और 100 विस्तार केंद्रों की स्थापना का हिस्सा थे। उन्होंने ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (टीआरईडीएस) पर ब्लॉक चेन प्रक्रियाओं को विकसित करने के लिए वित्त मंत्रालय और आरबीआई के साथ समन्वय किया। उन्होंने आरबीआई, राज्य सरकारों, निजी क्षेत्र और वित्त मंत्रालय के समन्वय से फिनटेक निकायों में अभिनव उत्पाद विकास किया है। उन्होंने मंत्रालय में सामान्य प्रशासन, सतर्कता और स्थापना से संबंधित मामलों से संबंधित कार्यों को भी संभाला। वह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चिकित्सा सेवा प्रदाताओं को कोविड प्रबंधन में संसाधन प्रदान करने के लिए एक पोर्टल covidwarriors.gov.in के संचालन और प्रबंधन का हिस्सा थे।

श्री अतीश सिंह को दिनांक 28 अगस्त 2020 से एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड (एनवीएफसीएल) के बोर्ड में सरकारी नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था, जो एनएसआईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।



डॉ. इशिता गांगुली त्रिपाठी, सरकारी नामिति निदेशक (डीआईएन : 09661006)

डॉ. इशिता गांगुली त्रिपाठी, अतिरिक्त विकास आयुक्त, विकास आयुक्त कार्यालय (एमएसएमई) भारतीय आर्थिक सेवा 1999 बैच की एक अधिकारी हैं। पिछले 23 वर्षों में, उन्होंने वित्त मंत्रालय, योजना आयोग, सड़क परिवहन मंत्रालय और वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। उन्होंने अर्थशास्त्र और जनसंख्या अध्ययन विषयों में दो स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है और उन्होंने आईआईटी दिल्ली से प्रबंधकीय अर्थशास्त्र में पीएचडी पूर्ण किया है।

डॉ. इशिता गांगुली त्रिपाठी को दिनांक 8 जुलाई, 2022 से एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड (एनवीएफसीएल) के बोर्ड में सरकारी नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था, जो एनएसआईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।



श्री सरवण कुमार अनणथन, निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (डीआईएन : 09769378)

श्री सरवण कुमार अनणथन आईआईएम–बैंगलोर से स्नातकोत्तर हैं, उनके पास बी.ई. की डिग्री है, और वे जीएआरपी–यूएसए से जोखिम प्रबंधन कार्यक्रम, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकर्स से सीएआईआईबी की डिग्री धारक हैं और उन्होंने न्यूयॉर्क में मेरिल लिंच ग्लोबल मुख्यालय में प्रबंधन विकास कार्यक्रम में भाग लिया। उनके पास वेंचर कैपिटल, प्राइवेट इक्विटी, एआईएफ, एमएसएमई सेक्टर, फाइनेंस एंड अकाउंट्स, रिस्क मैनेजमेंट, रिसोर्स मोबिलाइजेशन, ट्रेजरी मैनेजमेंट और कॉरपोरेट नियोजन में 32 वर्ष से ज्यादा का पेशेवर अनुभव है।

श्री अनणथन को 17 अक्टूबर 2022 को श्री फंड (एमएसएमई के लिए भारत सरकार की फंड ऑफ फंड स्कीम) को लागू करने के लिए एनवीसीएफएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने आईसीआईसीआई वेंचर्स और आईसीआईसीआई बैंक में एक वरिष्ठ प्रबंधन पेशेवर के रूप में कार्य किया और एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, एलआईसी नोमुरा फंड्स मैनेजमेंट आदि में मुख्य निवेश अधिकारी के रूप में कार्य किया है।

वे विभिन्न परामर्शदात्री कार्य समूह समिति के सदस्य थे, जैसे (क) 2011 में जीवन बीमा क्षेत्र के लिए निवेश के पुनर्गठन पर आईआरडीएआई हेतु, (ख) एआईएफ फंड विकसित करने पर सेबी हेतु, और (ग) 2010 और 2013 के बीच अमेरिकन इंटरनेशनल एश्योरेंस (एआईए)–हांगकांग की कोर निवेश समिति के सदस्य रहे। उन्होंने मार्च 2013 में लंदन स्टॉक एक्सचेंज से सर्वश्रेष्ठ एआईएफ फंड के लिए व्यक्तिगत रूप से 'विश्व वित्त' पुरस्कार प्राप्त किया था। 'विश्व वित्त', अर्थात् यूके आधारित निवेश प्रकाशन ने उपरोक्त पुरस्कार प्रदान किया था।



श्री गौरव गुलाटी, निदेशक (डीआईएन : 10144109)

श्री गौरव गुलाटी एक विशिष्ट पेशेवर पृष्ठभूमि रखते हैं, उन्हें इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के फेलो सदस्य का दर्जा प्राप्त है, साथ ही वे एक अर्हक लागत लेखाकार (आईसीएआई) और कंपनी सचिव (आईसीएसआई) भी हैं। अपनी प्रभावशाली शैक्षणिक योग्यताओं के अलावा, श्री गुलाटी के पास व्यापार प्रशासन में स्नातकोत्तर डिग्री भी है।

25 वर्षों से अधिक की व्यापक पेशेवर यात्रा के साथ, श्री गुलाटी ने एनबीसीसी (आई) लिमिटेड, एनटीपीसी, सेल और इंडसइंड बैंक जैसे प्रमुख संगठनों से समृद्ध अनुभव अर्जित किया है, जहां उन्होंने विभिन्न पदों पर कार्य किया। उनकी विशेषज्ञता में वित्त और लेखा, अनुबंध प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, आंतरिक लेखापरीक्षा, बजटीय नियंत्रण, वित्तीय स्वीकृति और सैप कार्यान्वयन सहित विविध क्षेत्र शामिल हैं।

एनएसआईसी में गौरव गुलाटी को 09 मई, 2023 से निदेशक (वित्त) के रूप में नियुक्त किया गया।

एनएसआईसी में कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व, (धारक कंपनी एनवीसीएफएल) उन्होंने निदेशक (वित्त) के रूप में कार्य किया और क्षेत्रीय व्यापार समूह प्रमुख के रूप में एनबीसीसी (आई) लिमिटेड में रियल एस्टेट वर्टिकल का नेतृत्व किया।

अपने उल्लेखनीय संगठनात्मक कौशल और रणनीतिक आयोजना प्रखरता के साथ, श्री गुलाटी ने अपनी वर्तमान भूमिका में एनएसआईसी के भीतर आवश्यक सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, विशेष रूप से आंतरिक नियंत्रण को बढ़ाने के अलावा योजनाओं के लिए नीतियों और दिशानिर्देशों को तैयार और सुदृढ़ करके कंपनी के एनबीएफसी कार्यक्षेत्र को मजबूत किया है।

इसके अलावा, श्री गुलाटी की उपलब्धियाँ उनके पेशेवर करियर से भी आगे फैली हुई हैं। वह न केवल उस टीम के प्रमुख सदस्य रहे हैं, जिसने ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए) द्वारा आयोजित बिजनेस सिमुलेशन प्रतियोगिता, नेशनल मैनेजमेंट गेम्स (एनएमजी) में दो बार जीत हासिल की, बल्कि 2011 में कीव, यूक्रेन में ग्लोबल मैनेजमेंट चैलेंज (जीएमसी) में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया।

श्री गुलाटी की व्यापक वित्तीय प्रखरता, नेतृत्व और रणनीतिक क्षमताएं उन्हें एनएसआईसी के लिए एक मूल्यवान संपत्ति बनाती हैं और उनकी असाधारण उपलब्धियां और समर्पण संगठन की सफलता और वित्तीय स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

उन्हें एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड (एनएसआईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) में निदेशक के रूप में भी नियुक्त किया गया है।

अध्यक्ष महोदय का संदेश



प्रिय शेयरधारकों,

''एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड (एनवीसीएफएल)'' की तीसरी वार्षिक आम बैठक में आपका स्वागत करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए आपकी कंपनी की बोर्ड की रिपोर्ट और उसके लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण, लेखापरीक्षक की रिपोर्ट और उस पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ आपके पास हैं। आपकी अनुमति से मैं इन्हें पढ़ा हुआ मानता हूं।

एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड (एनवीसीएफएल) को भारत के माननीय वित्त मंत्री द्वारा घोषित आत्मनिर्भर भारत पैकेज के भाग के रूप में एमएसएमई के लिए 10,000 करोड़ रुपये की फंड ऑफ फंड्स योजना अर्थात आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड को निष्पादित करने के लिए राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एनएसआईसी) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में अधिनिगमित किया गया था।

एसआरआई फंड को 1 सितंबर, 2021 को नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ श्रेणी ।। वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ) के रूप में पंजीकृत किया गया है। बाद में, एंकर निवेशक (एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार), प्रायोजक (एनएसआईसी), एआईएफ कंपनी (एनवीसीएफएल) और निवेश प्रबंधक (एसबीआईसीएपी वेंचर्स लिमिटेड – एसवीएल)) के मध्य योगदान समझौता निष्पादित किया गया था।

एसआरआई फंड मदर फंड – डॉटर फंड संरचना में संचालित होता है, जिसमें, एसआरआई फंड को मदर फंड के रूप में जाना जाता है जो विभिन्न डॉटर फंडों (सेबी के साथ श्रेणी । या श्रेणी ।। फंड के रूप में पंजीकृत निजी इक्विटी फंड) को पूंजी प्रतिबद्धता प्रदान करता है। भारत सरकार द्वारा अनुमोदित योजना के अनुसार, मदर फंड – डॉटर फंड संरचना के अंतर्गत, एसआरआई फंड द्वारा निवेश की गई प्रत्येक यूनिट के लिए, डॉटर फंड को 4 यूनिटों का निवेश करना आवश्यक है। इस प्रकार, कुल 5 यूनिटों का डॉटर फंड के माध्यम से एमएसएमई में निवेश किया जाएगा।

वर्ष 2022–2023 के दौरान, कंपनी ने प्रचालन से अपना राजस्व 413.12 लाख रुपए और लाभ (कर पूर्व) 405.63 लाख रुपए और कर पश्चात लाभ 303.66 लाख रुपए सूचित किया है। वर्ष के लिए, कंपनी का निवल मूल्य पिछले वर्ष 729.17 लाख रुपए की तुलना में 975.75 लाख रुपए था। 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए प्रति शेयर आय (ईपीएस) पिछले वर्ष के 31.17 रुपये की तुलना में 50.61 रुपए थी।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि निदेशक मंडल ने वित्तीय वर्ष 2022–2023 के लिए 91.10 लाख रुपये (कर पश्चात लाभ का 30 प्रतिशत) के लाभांश की सिफारिश की है जो इस वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है।

30 नवम्बर, 2023 तक कुल 48 डॉटर निधियों को एसआरआई फंड (मदर फंड) के साथ पैनलबद्ध किया गया है और इन डॉटर निधियों ने 382 संभावित एमएसएमई को 5,870 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धता के माध्यम से सहायता प्रदान की है जिसमें से डॉटर फंड्स ने एसआरआई फंड से 951 करोड़ रुपए निकाले हैं। इन एमएसएमई की भारत के कम आय वाले राज्यों और आकांक्षी जिलों सहित पूरे भारत में मौजूदगी है। उन्होंने 54,430 रोजगार उत्पन्न करने में सहायता की है जिनमें से 20 प्रतिशत महिला रोजगार है।

एमएसएमई के बीच जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए, फंड और मंत्रालय ने विभिन्न आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए थे, जिसमें विचारों, अंतर्दृष्टि और अनुभवों के आदान–प्रदान को सुकर बनाने के लक्ष्य के साथ, प्रवाह नामक एक एलपी–जीपी कार्यक्रम शामिल है। एमएसएमई मंत्रालय द्वारा राजकोट, गुजरात में एक और कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें गुजरात के उद्यमियों के बीच वित्तपोषण के वैकल्पिक स्रोत के रूप में एसआरआई फंड पर चर्चा की गई थी। भारत के आठ उत्तर पूर्व राज्यों के एमएसएमई के लिए नागालैंड के दीमापुर में एसआरआई फंड हेतु एक आउटरीच कार्यक्रम बिजएम्प भी आयोजित किया गया था।

एसआरआई फंड के पास निर्धारित भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के साथ एसआरआई फंड सलाहकार बोर्ड, एनवीसीएफएल बोर्ड और निवेश समिति (स्वतंत्र आईसी सदस्य सहित) द्वारा देखरेख की जाने वाली एक मजबूत शासन रूपरेखा है। साथ ही, साइड लेटर के अंतर्गत आवश्यकतानुसार प्रत्येक डॉटर फंड को अपनी निवेशिती

कंपनियों के लिए एक पर्यावरणीय, सामाजिक और शासन मानक (''ईएसजी'') नीति/ढांचा विकसित करना और यह सुनिश्चित करना होता है कि वित्तीय जोखिम प्रबंधन और पर्यावरण और सामाजिक रक्षोपाय प्रबंधन प्रणालियाँ मौजूद हैं।

मैं निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन के लिए एमएसएमई मंत्रालय, सेबी, डीपीई, एनएसआईसी लिमिटेड (धारक कंपनी) का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। मैं एमएसएमई के विकास को सुकर बनाने और बढ़ावा देने की इस पहल में उनके योगदान के लिए हमारे सभी हितधारकों को अपना हार्दिक धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं सी एंड एजी, सांविधिक लेखापरीक्षकों और कंपनी से जुड़े अन्य पेशेवरों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं इस अवसर का उपयोग कंपनी के बोर्ड में अपने सहकर्मियों और सभी अधिकारियों को उनके सर्वसम्मत समर्थन के लिए धन्यवाद करना चाहता हूँ। मैं एनवीसीएफएल से जुड़े सभी कर्मचारियों का उनके अथक समर्थन के लिए भी अपना आभार व्यक्त करता हूं।

ह./–
(विपुल गोयल)
अध्यक्ष
डीआईएन नं. : 10229523

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 11 दिसंबर, 2023

बोर्ड की रिपोर्ट

प्रिय शेयरधारक,

आपके निदेशक वित्तीय वर्ष 2022–2023 के लिए कंपनी के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण के साथ बोर्ड की तीसरी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्न हैं।

1. संचालन अवलोकन

एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड (एनवीसीएफएल) एनएसआईसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जिसे एसआरआई फंड को बढ़ावा देने के लिए 28 अगस्त, 2020 को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) कंपनी के रूप में शामिल किया गया था। .आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड एनवीसीएफएल की पहली योजना है।

एसआरआई फंड का उद्देश्य एमएसएमई को इक्विटी/इक्विटी जैसे वित्तपोषण में वृद्धि करने और एमएसएमई व्यवसायों के तीव्र विकास का समर्थन करने के लिए इक्विटी या अर्ध–इक्विटी के स्वरुप में विकास पूंजी के रूप में डॉटर फंड के माध्यम से एमएसएमई को वित्तपोषण की सहायता प्रदान करना है और इसके द्वारा अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों का निर्माण करना है।

एनवीसीएफएल भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (वैकल्पिक निवेश कोष) विनियम, 2012 ('विनियम') के तहत श्रेणी– II वैकल्पिक निवेश कोष के रूप में पंजीकृत है। 1 सितंबर 2021 को अपनी पहली योजना आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड के लिए। एसआरआई फंड मदर/डॉटर फंड का एक संयोजन है। भारत सरकार एकमात्र एंकर निवेशक है और चरणबद्ध तरीके से मदर फंड को 10,000 करोड़ रुपये की प्रारंभिक बजटीय सहायता प्रदान करती है।

एसआरआई फंड के लिए योगदान समझौते पर 12 अक्टूबर, 2021 को एंकर निवेशक (भारत सरकार), प्रायोजक (एनएसआईसी), एआईएफ कंपनी (एनवीसीएफएल) और निवेश प्रबंधक (एसबीआईसीएपी वेंचर्स लिमिटेड) के बीच हस्ताक्षर किए गए। अपनी स्थापना के बाद से 31 मार्च 2023 तक फंड इस प्रकार है:

	डॉटर निधि की संख्या	कीमत
डाटर फंड के लिए प्रारंभिक आईसी अनुमोदन प्राप्त हुआ	51	रु. 6,310 करोड़
डाटर फंड के लिए अंतिम आईसी अनुमोदन प्राप्त हुआ	46	रु. 5,910 करोड़
सूचीबद्ध डॉटर निधि	42	रु. 5,420 करोड़

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, कुल 42 सहायक निधियों को एसआरआई फंड (मदर फंड) के साथ सूचीबद्ध किया गया है और इन सहायक निधियों ने इन एमएसएमई में 4,187 करोड़ रुपये के निवेश के माध्यम से 315 संभावित एमएसएमई को सहायता प्रदान की है, जिसमें से सहायक निधियों ने रु. 31 मार्च 2023 तक एसआरआई फंड से 566 करोड़ रुपये निकाले। इन एमएसएमई की भारत के कम आय वाले राज्यों और आकांक्षी जिलों सहित पूरे भारत में उपस्थिति है। उन्होंने 37,500 से अधिक नौकरियाँ पैदा करने में मदद की है, जिनमें से ~20% महिला रोजगार है।

वर्ष के दौरान, फंड ने दो आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए थे: 1) फंड की एक वर्ष की सालगिरह के पूरा होने पर बैंगलोर में कार्यक्रम और 2) प्रवाह, एक एलपी–जीपी कार्यक्रम, जिसका लक्ष्य विचारों, अंतर्दृष्टि के आदान–प्रदान को सुविधाजनक बनाना था। और अनुभव. ये कार्यक्रम एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र में प्रमुख हितधारकों – सरकार, उद्यमियों और निवेशकों के बीच बातचीत को सक्षम करने और फंड द्वारा की गई पहलों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करते हैं। 3) एमएसएमई मंत्रालय द्वारा राजकोट, गुजरात में एक और कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें गुजरात के उद्यमियों के बीच वित्तपोषण के वैकल्पिक स्रोत के रूप में एसआरआई फंड पर चर्चा की गई थी।



एमएसएमई के माननीय कैबिनेट मंत्री श्री नारायण तातु राणे ने 23 जनवरी, 2023 को आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड के एक कार्यक्रम ''प्रवाह'' का उद्घाटन किया।

2. वित्तीय अवलोकन

वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान, कंपनी ने परिचालन से अपना राजस्व रु. 413.12 लाख और लाभ (कर से पहले) रु. 405.63 लाख.

पिछले वित्तीय वर्ष के साथ, वित्तीय वर्ष 2022–23 के लिए कंपनी के अंकेक्षित वित्तीय विवरणों का सारांश निम्नानुसार दिया गया है:–

(ईपीएस को छोड़कर रुपये लाख में)

क्र. सं.	विवरण	31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष	31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष
1.	प्रचालनों से राजस्व	413.12	201.60
2.	अन्य आय	39.78	69.37
3.	व्यय	47.27	40.03
4.	कर पूर्व लाभ / (हानि)	405.63	230.94
5.	कर व्यय	101.97	40.67
6.	कर पश्चात लाभ / (हानि)	303.66	190.27
7.	कुल मूल्य	975.75	729.17
8.	प्रति शेयर आय (रुपयों में)	50.61	31.71

3. लाभांश

निदेशक मंडल ने 28 अगस्त, 2023 को हुई अपनी बैठक में सिफारिश की है कि वित्तीय वर्ष 2022–23 के लिए रु. 91.10 लाख (पीएटी का 30 प्रतिशत) के लाभांश की संस्तुति की है। अनुशंसित लाभांश वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है।



सीईओ, एनवीसीएफएल ने एनएसआईसी के सीएमडी श्री विपुल गोयल को वर्ष 2022–23 के लिए लाभांश चेक प्रस्तुत किया। इस अवसर पर श्री कार्तिकेय सिन्हा, निदेशक (पी एंड एम) और श्री गौरव गुलाटी, निदेशक (वित्त) एनएसआईसी भी उपस्थित थे।

4. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3) (जे) के संदर्भ में आरक्षित निधि में स्थानांतरण

आपके निदेशक किसी भी राशि को आरक्षित निधि में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव नहीं करते हैं।

5. जमा राशि

आपकी कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 73 के अंतर्गत आने वाले नियमों के साथ पढ़ी गयी किसी भी जमा राशि को स्वीकार नहीं किया है।

6. व्यवसाय की प्रकृति में परिवर्तन

कंपनी के कारोबार की प्रकृति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

7. धारा 186 के अंतर्गत ऋण, गारंटी या निवेश के विवरण

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 के अंतर्गत, कोई ऋण नहीं दिया है या कोई गारंटी नहीं दी है या कोई सुरक्षा प्रदान नहीं की है और/या कोई निवेश नहीं किया है और इसलिए उक्त प्रावधान लागू नहीं होते है। इसके अतिरिक्त, कंपनी द्वारा किए गए निवेश के विवरण नोट वर्ष 2022–23 के लिए अंकेक्षित वित्तीय विवरणों के लेखों की टिप्पणियों में से टिप्पणी 7 में उल्लिखित किया गया है।

8. शेयर पूंजी

कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी रु. 10 करोड़ है और कंपनी की प्रदत्त (पेड–अप) शेयर पूंजी रु. 6 करोड़ रुपये है जिसे रु. 100/– प्रत्येक के दर से 6,00,000 इक्विटी शेयरों में विभाजित किया गया है और संपूर्ण प्रदत्त शेयर पूंजी राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (धारक कंपनी) और उसके नामांकित व्यक्तियों ने अपने पास रोक रखा है।

9. प्रबंधक वर्ग की चर्चा और विश्लेषण

प्रबंधक वर्ग की चर्चा और विश्लेषण पर एक पृथक रिपोर्ट इस रिपोर्ट के **'अनुबंध –क'** के रूप में संलग्न है।

10. मानव संसाधन प्रबंधन

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, श्री सरवण कुमार अनणथन ने कंपनी के बोर्ड में मुख्य कार्यकारी अधिकारी और निदेशक के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया है। इसके अलावा, होल्डिंग कंपनी यानी एनएसआईसी लिमिटेड ने कंपनी के परिचालन सुविधा और दिन–प्रतिदिन के मामलों के प्रबंधन के लिए अपने कुछ कर्मचारियों को अंशकालिक/पूर्णकालिक आधार पर तैनात किया है, जो पेशेवर हैं और वित्तीय विशेषज्ञता रखते हैं।

कंपनी ने निदेशकों या प्रबंधन या उनके रिश्तेदारों या कंपनियों और प्रतिष्ठानों आदि के साथ किसी भी सामग्री, वित्तीय या वाणिज्यिक लेनदेन नहीं किया है, जिसमें वे प्रत्यक्ष रूप से या अपने रिश्तेदारों के माध्यम से निदेशक और/या भागीदार के रूप में रुचि रखते हैं।

11. कर्मचारियों के विवरण

कंपनी का कोई भी कर्मचारी कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम 5(2) के अंतर्गत, निर्धारित सीमा से अधिक पारिश्रमिक प्राप्त नहीं कर रहा था।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 के प्रावधान और उसके अंतर्गत बनाए गए नियम सरकारी कंपनियों पर लागू नहीं होते हैं।

12. ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, अवशोषण और विदेशी मुद्रा आय और व्यय का संरक्षण

आपकी कंपनी में कोई निर्माण गतिविधि नहीं है, इसलिए ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और अवशोषण के संरक्षण पर कोई खर्च नहीं होता है। इसके अतिरिक्त, समीक्षाधीन अवधि के दौरान कंपनी की कोई विदेशी मुद्रा आय और व्यय के लेनदेन नहीं है।

13. संबंधित पक्षों के साथ किए गए अनुबंधों और व्यवस्थाओं के विवरण

वित्तीय वर्ष के दौरान, संबंधित पक्षों के साथ व्यवस्थाएं/लेन–देन व्यापार के सामान्य क्रम में और आमने–सामने बातचीत के आधार पर थे। कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(2) के अनुसार निर्धारित प्रपत्र एओसी–2 में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188(1) में संदर्भित संबंधित पार्टी लेनदेनों के रहस्योद्घाटन और अनुबंधों या व्यवस्थाओं के विवरण इस रिपोर्ट के लिए **"अनुबंध–"ख"** के रूप में संलग्न हैं।

14. सांविधिक लेखापरीक्षक

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक ने मैसर्स देविंदर कुमार. जैन एंड एसोसिएट्स को वित्तीय वर्ष 2022–23 के लिए सांविधिक लेखापरीक्षक नियुक्त किया है। वैधानिक लेखा परीक्षकों ने वित्तीय वर्ष 2022–2023 के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों पर अपनी रिपोर्ट दी है। इस प्रकार से, अंकेक्षित वित्तीय विवरण, नकदी प्रवाह का विवरण और आवश्यक अनुबंधों के साथ लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट वार्षिक रिपोर्ट का एक भाग है।

कंपनी के वित्तीय विवरणों पर वैधानिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में कोई प्रतिकूल टिप्पणी, अवलोकन या आपत्ति नहीं है।

31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों पर सी एंड एजी की टिप्पणियाँ, यदि कोई हो, वार्षिक रिपोर्ट का एक भाग होंगी।

15. आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली और उनकी पर्याप्तता

कंपनी के संचालनों को प्रभावशाली ढंग से नियंत्रित करने के लिए कंपनी आंतरिक नियंत्रण और प्रक्रियाओं की एक उपयुक्त प्रणाली बनाए रखती है। आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड की निवेश प्रक्रिया को कुशल और पारदर्शी तरीके से और एमएसएमई मंत्रालय द्वारा जारी संचालनीय दिशानिर्देशों के पूर्ण अनुपालन में लागू करने के लिए कंपनी के पास बोर्ड द्वारा अनुमोदित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) है। विवरण का उल्लेख रिपोर्ट के साथ संलग्न प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट में भी किया गया है।

16. वार्षिक विवरणी

कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार, निर्धारित प्रारूप में वार्षिक विवरणी http://www.nvcfl.co.in/AnnualReport वेबसाइट लिंक पर उपलब्ध है।

17. जोखिम प्रबंधन

कंपनी ने एसआरआई फंड (कंपनी की पहली योजना) से जुड़े जोखिमों की पहचान करने के लिए एक सुपरिभाषित जोखिम प्रबंधन नीति निर्धारित की है। वार्षिक रिपोर्ट में प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट में अधिक विवरण दिए गए हैं। कंपनी की जोखिम प्रबंधन नीति को Risk_Mgmt_Policy_30082022.pdf (nvcfl.co.in) पर देखा जा सकता है।

18. निदेशक मंडल

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान और आज तक निदेशक मंडल में निम्नलिखित परिवर्तन हुए हैं:–

क) श्री विपुल गोयल को 06 जुलाई 2023 से कंपनी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।

ख) श्री गौरव गुलाटी को 14 जून 2023 से कंपनी के अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

ग) सुश्री मर्सी एपाओ 30 जून, 2023 तक अध्यक्ष और निदेशक के रूप में कार्यभार संभाल रही थीं।

घ) श्री गौरांग दीक्षित को दिनांक 01.12.2016 से कंपनी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। 1 अगस्त, 2022 से उनके पास अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख यानी 31 दिसंबर, 2022 तक एनवीसीएफएल के अध्यक्ष का प्रभार है।

ङ) श्री सरवण कुमार अनणथन को कंपनी के बोर्ड में निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। 19 अक्टूबर, 2022 से वह कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी हैं।

च) डॉ. इशिता गांगुली त्रिपाठी को 8 जुलाई, 2022 से श्री राजीब कुमार सेन के स्थान पर एनवीसीएफएल के बोर्ड में सरकारी नामित निदेशकों में से एक के रूप में नियुक्त किया गया है।

छ) श्री. पी. उदयकुमार को 20 जून, 2022 को कंपनी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्होंने अपनी सेवानिवृत्ति की तिथि, अर्थात 31 जुलाई, 2022 तक एनवीसीएफएल के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला है।

ज) 23 सितंबर 2021 को श्रीमती अल्का नांगिया अरोड़ा को कंपनी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्होंने 20 जून, 2022 तक एनवीसीएफएल के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला है।

वर्ष 2022–23 के दौरान निदेशक मंडल की छह बैठकें आयोजित की गई थी। बैठकों का विवरण कॉरपोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट में दिया गया है जो इस रिपोर्ट के **"अनुबंध–ग"** के रूप में संलग्न है।

19. निदेशकों का दायित्व संबंधी विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(ग) के अपेक्षाओं के अनुसरण में निदेशक मंडल इस बात की पुष्टि करता है कि:

- अनुसरण में 2022–23 वार्षिक लेखे तैयार करते समय, सारवान विपथनों से संबंधित उपयुक्त स्पष्टीकरणों के साथ–साथ लागू होने वाले लेखांकन मानकों का पालन किया गया है;
- निदेशकों ने ऐसी लेखांकन नीतियों का चयन किया है और उनको लगातार लागू किया है और ऐसे निर्णय और आकलन किए हैं जो तर्कसंगत एवं विवेकपूर्ण हैं, ताकि वित्त वर्ष के अंत में कारपोरेशन की अद्यतन तथा उस अवधि में निगम के लाभ या हानि की सही और उचित तस्वीर प्रस्तुत की जा सके;
- निदेशक मंडल ने निगम की परिसंपत्तियों की रक्षा करने के लिए और कपट तथा अन्य अनियमितताओं का पता लगाने और उनकी रोकथाम करने के लिए इस अधिनियम के उपबंधों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकार्डों के रख–रखाव के लिए उपयुक्त और पर्याप्त सावधानी बरती है;
- वित्तीय विवरण, सतत कारोबार के आधार पर तैयार किए गए हैं;
- निदेशकों ने लागू होने वाले सभी कानूनों के उपबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणालियाँ तैयार की और यह प्रणालियाँ पर्याप्त थीं और प्रभावी ढंग से कार्य कर रही हैं।

20. सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान "सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005" (आरटीआई) के अंतर्गत कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

21. नियामकों / न्यायालयों / न्यायाधिकरणों द्वारा पारित महत्वपूर्ण और विशेष आदेश

कंपनी के खिलाफ नियामकों/अदालत/न्यायाधिकरणों द्वारा भविष्य में आपकी कंपनी की चालू प्रतिष्ठान की स्थिति और संचालन को प्रभावित करने वाला कोई आदेश पारित नहीं किया गया है।

22. कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले भौतिक परिवर्तन और प्रतिबद्धताएं, यदि कोई हों, जो कंपनी के वित्तीय वर्ष के अंत के बीच हुई हैं, जिससे वित्तीय विवरण संबंधित हैं और रिपोर्ट की तारीख

जिस वित्तीय वर्ष से ये वित्तीय विवरण संबंधित हैं उसकी समाप्ति और इस रिपोर्ट की तारीख के बीच कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाला कोई भी महत्वपूर्ण परिवर्तन या प्रतिबद्धता नहीं हुई।

23. आभार

आपके निदेशक एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार, सेबी, एमसीए के प्रति उनके दिशा–निर्देश और समर्थन के लिए आभारी हैं। निदेशक भी एनएसआईसी लिमिटेड (धारक कंपनी) को उनके निरंतर समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं। कंपनी वैधानिक लेखा परीक्षकों, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, निवेश प्रबंधक, कानूनी सलाहकार के प्रति उनके महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए भी आभार व्यक्त करती है। निदेशक कंपनी के दीर्घस्थायी प्रदर्शन को सुनिश्चित करने में कंपनी के सभी हितधारकों के बहुमूल्य योगदान और प्रयासों के लिए भी उनकी ईमानदारी से सराहना और धन्यवाद करते हैं।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

ह./–
(विपुल गोयल)
अध्यक्ष
डीआईएन नं. : 10229523

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 11 दिसंबर, 2023

प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण

(i) उद्योग संरचना और हालिया विकास

भारत की अर्थव्यवस्था ने अपने मजबूत मैक्रो–इकोनॉमिक फंडामेंटल्स और सरकार और आरबीआई की त्वरित नीति कार्रवाई के कारण वित्तीय वर्ष 2022–23 में अपनी विकास गति को बरकरार रखा है। वित्तीय वर्ष 2022–23 में भारत की वास्तविक जीडीपी में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो कि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है, जो कि रूस–यूक्रेन संघर्ष सहित सीओवीआईडी महामारी और भू–राजनीतिक विकास से उत्पन्न बाधाओं और चुनौतियों पर काबू पाती है।

वित्तीय वर्ष 2022–23 में घरेलू मांग में सुधार हुआ है और मजबूती से आगे बढ़ी है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था तिमाही उत्पादन के काफी करीब पहुंच गई है, अगर महामारी ने प्रतिकूल प्रभाव नहीं डाला होता। महामारी के बाद, उपभोग और निवेश के त्रैमासिक प्रक्षेपवक्र पहले ही अपने महामारी–पूर्व पथ को पार कर चुके हैं। इसके अलावा, भारत के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023–24[1] में भारत की जीडीपी वृद्धि 6% से 6.8% रहेगी।

भारत में लगभग 6.3 करोड़ सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) हैं, जिनमें से उद्यम पंजीकरण पोर्टल पर पंजीकृत एमएसएमई की संख्या 1.62 करोड़ इकाई थी। अधिकांश पंजीकृत एमएसएमई सेवा उद्यम हैं, लगभग 67%, जबकि शेष 33% विनिर्माण से जुड़े हैं। इसके अलावा, लगभग 95.88% पंजीकृत उद्यम सूक्ष्म–उद्यम हैं, इसके बाद 3.36% छोटे उद्यम और 32%[2] मध्यम आकार के उद्यम हैं।

एमएसएमई के सामने आने वाली संरचनात्मक चुनौतियों से निपटने के लिए सुधार हाल के वर्षों में देश की औद्योगिक नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। महामारी के दौरान एमएसएमई के लिए आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) और आत्मनिर्भर भारत के दायरे में एमएसएमई की परिभाषा में संशोधन के रूप में सहायता उपाय पेश किए गए, जिससे एमएसएमई को संकट के झटके को बेहतर तरीके से सामना करने में मदद मिली। ईसीएलजीएस से, विशेष रूप से, पिछले दो वर्षों में एमएसएमई को 1.14 करोड़ रु. का लाभ हुआ है। जिन्होंने 2.38 लाख करोड़. रुपये की राशि का संपार्श्विक–मुक्त ऋण लिया है। आगे के उपाय, जैसे एमएसएमई के लिए विलंबित भुगतान को संबोधित करने के लिए टीआरईडीएस पर नए सिरे से जोर, खुदरा और थोक व्यापारियों को एमएसएमई के रूप में शामिल करना, और एमएसएमई की स्थिति में ऊपर की ओर बदलाव के मामले में तीन साल के लिए गैर–कर लाभ का विस्तार ने एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए एक लचीली सहायता प्रणाली बनाई है। एमएसएमई को अपनी मार्केटिंग जरूरतों और आसान भुगतान के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म तक पहुंच से भी फायदा हुआ है। डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपननेटवर्क एमएसएमई के लिए ई–कॉमर्स तकनीक तक पहुंचने और अपने लक्षित बाजारों में विविधता लाने के अवसर पैदा कर रहा है, जिससे यह प्रवृत्ति और मजबूत होगी। इसके अलावा, जीएसटीएन को अकाउंट एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म पर वित्तीय सूचना प्रदाता के रूप में शामिल करने से एमएसएमई के लिए ऋण तक पहुंच के रास्ते खुल जाएंगे। एमएसएमई क्षेत्र में अवसरों और उत्पादकता को बढ़ाने से एक लचीले उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र पर बड़े पैमाने पर प्रभाव पड़ता है, जिससे उद्योग और समग्र रूप से अर्थव्यवस्था की विकास संभावनाएं मजबूत होती हैं।[3]

(ii) उद्योग क्षेत्र का महत्त्व (एमएसएमई)

एमएसएमई क्षेत्र, विनिर्माण और सेवाएँ दोनों, अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और देश के सामाजिक–आर्थिक विकास में एक प्रमुख योगदानकर्ता हैं। भारत की 6.3 करोड़ एमएसएमई संस्थाएँ निम्नलिखित के लिए उत्तरदायी हैं[4] –

- देश के कुल विनिर्माण उत्पादन का लगभग 40 प्रतिशत;
- सभी निर्यात का लगभग 42 प्रतिशत; तथा
- राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 33 प्रतिशत।

भारतीय अर्थव्यवस्था में उनके शानदार योगदान के बाद भी,

[1] स्रोत: पीआईबी आर्थिक सर्वेक्षण

[2] स्रोत: भारत में एमएसएमई उद्योग – बाजार में हिस्सेदारी, रिपोर्ट, विकास और कार्यक्षेत्र। आईबीईएफ

[3] स्रोत: https://www.indiabudget.gov.in/economicsurvey/

[4] स्रोत: https://www.forbes.com/advisor/in/business/msme-statistics/

भारत में एमएसएमई को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे कि तेजी से बदलती प्रौद्योगिकियों के साथ तालमेल बिठाना, उनकी बौद्धिक संपदा की सुरक्षा के मुद्दे और अंत में ऋण और इक्विटी दोनों के वित्त के स्रोतों की उपलब्धता और पहुंच।

"भारत के एमएसएमई का वित्तपोषण" 2018[5] पर आईएफसी की रिपोर्ट का अनुमान है कि एमएसएमई द्वारा ऋण और इक्विटी वित्त दोनों की कुल मांग लगभग 87.7 ट्रिलियन रुपये होने का अनुमान है, जिसमें 69.3 ट्रिलियन रुपये का ऋण और 18.4 ट्रिलियन रूपए की इक्विटी सम्मिलित है।

बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म जो असंगठित क्षेत्र से एसएमई को एक विनियमित और संगठित क्षेत्र में सूचीबद्ध करने में सक्षम बनाता है, द्वारा सूचित किया गया कि 452 सूचीबद्ध एसएमई कंपनियों ने उनके प्लेटफार्म का उपयोग करके 5,499.96 करोड़ रूपये की फंडिंग की गई है।[6]

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर, इमर्ज एसएमई कंपनियों के लिए एक नया मंच है जो कि बहुत आवश्यक विकास पूंजी जुटाने, परिपक्व होने और बाद में एनएसई के मुख्य बोर्ड में स्थानांतरित करने के लिए प्रारंभिक चरण के उपक्रमों और गुणवत्तायुक्त छोटी कंपनियों को प्रस्ताव देता है। वित्तीय वर्ष 2022–2023 में, इमर्ज ने 54 एमएसएमई की सूची देखी, जिन्होंने रु. 1180.31 करोड़ जुटाया था।[7] हालाँकि, जुटाई गई धनराशि की ये राशि एमएसएमई क्षेत्र के लिए वित्त पोषण की कुल आवश्यकता से कम है और अंतर को पाटने के प्रयास जारी हैं।

(iii) इस क्षेत्र में विकास

इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कि घरेलू व्यापार को एक सुदृढ़ वित्तीय प्रोत्साहन की आवश्यकता है, जैसे कि भारत सरकार द्वारा एमएसएमई क्षेत्र में बड़े मूल्य के निवेश को वापस लाने की प्रत्याशा में कई उपायों की घोषणा की गई। शुरू किए गए महत्वपूर्ण उपाय इस प्रकार हैं:

- स्टार्ट–अप इंडिया कार्यक्रम के तहत, सरकार ने XIV और XV वित्त आयोग की अवधि में स्टार्ट–अप के लिए फंडिंग सहायता प्रदान करने के लिए स्टार्ट–अप के लिए फंड ऑफ फंड्स (FFS) बनाया।
- भारत सरकार ने एमएसएमई के लिए फंड ऑफ फंड्स स्कीम बनाई, ताकि विभिन्न प्रकार के फंडों को कम सेवा वाले एमएसएमई की ओर मोड़ा जा सके और व्यावहारिक एवं उच्च विकास वाले एमएसएमई की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। इस योजना को आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड योजना का नाम दिया गया और इसे राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) द्वारा एक स्पेशल पर्पस व्हीकल अर्थात् एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड के माध्यम से प्रशासित किया जाना था।

एमएसएमई को विशेष रूप से सरकारी ई–मार्केटप्लेस (जीईएम) के माध्यम से अपने उत्पादों को ई–कॉमर्स साइट पर बेचने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सरकार ने वित्त वर्ष 2023–24 के बजट में एमएसएमई क्षेत्र के लिए लगभग 22,140 करोड़ रुपये, आबंटित किए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 42% की वृद्धि है। यह आवंटन एमएसएमई की मदद के लिए कई कर प्रोत्साहनों और सब्सिडी के साथ–साथ ऋण, प्रौद्योगिकी उन्नयन और बुनियादी ढांचे के विकास तक आसान और किफायती पहुंच प्रदान करने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करने की दिशा में जाएगा।

ख) आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड

आत्मनिर्भर भारत पैकेज के एक हिस्से के रूप में, वित्त मंत्री ने 2021–2022 के बजट भाषण में, एमएसएमई के लिए एक फंड ऑफ फंड योजना की घोषणा की थी, जिसे भारत सरकार द्वारा रुपये के योगदान के साथ वित्त पोषित किया जाएगा। 10,000 करोड़, और जिसे निजी भागीदारी के माध्यम से 5 गुना बढ़ाकर योजना के माध्यम से रु. 50,000 करोड़ की धनराशि जुटाई जानी थी।

एमएसएमई मंत्रालय (एमओएमएसएमई) को कार्यान्वयन मंत्रालय के रूप में नामित किया गया और आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) के रूप में नामित फंड ऑफ फंड को एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के माध्यम से सहारा दिया जाना था। एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड (एनवीसीएफएल), एनएसआईसी की पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी, और कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी

[5] स्रोत: नवंबर 2018 को जापान सरकार की साझेदारी में अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी), भारत के एमएसएमई को वित्त पोषण – भारत में एमएसएमई की ऋण आवश्यकता का अनुमान।

[6] स्रोत: https://www.bsesme.com/index.aspx

[7] स्रोत: https://nsearchives.nseindia.com/s3fs-public/inline-files/Emerge%20Brochure.pdf

आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड को लागू करने के लिए निर्मित एक एसपीवी है।

"आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड" एनवीसीएफएल की पहली योजना है जो 1 सितंबर, 2021 को श्रेणी II वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) के रूप में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ पंजीकृत है। एमएसएमई क्षेत्र को विकास पूंजी प्रदान करने के उद्देश्य से 'फंड ऑफ फंड्स' को संचालित करने के लिए एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड "(निवेश प्रबंधक)" को निवेश प्रबंधक के रूप में नियुक्त किया गया है।

यह फंड इक्विटी, अर्ध–इक्विटी और ऋण के माध्यम से एमएसएमई को विकास पूंजी के रूप में आगे के प्रावधान के लिए डॉटर फंड को धनराशि की सहायता प्रदान करना है, जिसे सेबी के सम्बंधित दिशानिर्देशों के अंतर्गत अनुमति प्रदान की जा सकती है। एसआरआई फंड द्वारा डॉटर फंड को बैक–एंडेड आधार पर उपलब्ध कराई गई धनराशि की प्रत्येक इकाई के लिए डॉटर फंड अपने स्वयं के स्रोतों से चार इकाई फंड जुटाएगा। इस प्रकार से, भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए रु. 10,000 करोड़ के कोष में वृद्धि करते हुए रु. 50,000 करोड़ की धनराशि एमएसएमई को सहायता के रूप में प्रदान की जाएगी।

एसआरआई फंड के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

1. एमएसएमई को सेबी के सम्बंधित दिशानिर्देशों के अंतर्गत, प्राप्त अनुमति के अनुसार इक्विटी, अर्ध इक्विटी और ऋण वित्तपोषण में वृद्धि करना;
2. एमएसएमई के व्यवसायों में तीव्र वृद्धि को समर्थन प्रदान करना और इस प्रकार से अर्थव्यवस्था में जान फूँकना और रोजगार के अवसर पैदा करना;
3. ऐसे उद्यमों का समर्थन करना जिनमें एमएसएमई वर्ग से आगे निकल कर सक्षम होने और राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय चैंपियन बनने की क्षमता है; तथा
4. ऐसे एमएसएमई का समर्थन करना जो सम्बंधित प्रौद्योगिकियों, वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करके भारत को आत्मनिर्भर बनाने में सहायता करते हैं।

ग) परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन

12 अक्टूबर, 2021 को एंकर इन्वेस्टर (भारत सरकार), प्रायोजक (एनएसआईसी), एआईएफ कंपनी (एनवीसीएफएल) और निवेश प्रबंधक (एसबीआईसीएपी वेंचर्स लिमिटेड) के बीच एसआरआई फंड के लिए योगदान समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

एसआरआई फंड की स्थापना से लेकर 31 मार्च, 2023 तक की प्रगति इस प्रकार है:

	डॉटर फण्ड की संख्या	मूल्य
डॉटर फंड के लिए प्रारंभिक आईसी अनुमोदन प्राप्त हुआ	51	रु. 6,300 करोड़
डॉटर फंड के लिए प्राप्त अंतिम आईसी अनुमोदन	46	रु. 5,910 करोड़
पैनलबद्ध डॉटर फंड	42	रु. 5,420 करोड़

यह उल्लेख करना उचित है कि एआईएफ में फंड की तैनाती सूचीबद्ध डॉटर फंड द्वारा उठाई गई मांगों के अनुसार चरणों में होती है। डॉटर फंड्स ने 31 मार्च 2023 तक एसआरआई फंड से 566 करोड़ रुपये निकालने का अनुरोध किया।

घ) मानव संसाधन में सामग्री विकास

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, श्री सरवण कुमार अनणथन ने कंपनी के बोर्ड में मुख्य कार्यकारी अधिकारी और निदेशक के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया है। इसके अलावा, होल्डिंग कंपनी यानी एनएसआईसी लिमिटेड ने कंपनी के परिचालन सुविधा और दिन–प्रतिदिन के मामलों के प्रबंधन के लिए अपने कुछ कर्मचारियों को अंशकालिक/पूर्णकालिक आधार पर तैनात किया है, जो पेशेवर हैं और वित्तीय विशेषज्ञता रखते हैं।

कंपनी ने निदेशकों या प्रबंधन या उनके रिश्तेदारों या कंपनियों और फर्मों आदि के साथ कोई भी भौतिक, वित्तीय या वाणिज्यिक लेनदेन नहीं किया है, जिसमें वे सीधे या अपने रिश्तेदारों के माध्यम से निदेशक और/या भागीदार के रूप में रुचि रखते हैं

ङ) जोखिम, चिंताएँ और खतरे

एनवीसीएफएल और इसके निवेश प्रबंधक ने एसआरआई फंड के लिए जोखिम के आकलन, निगरानी और प्रबंधन के लिए एक सुदृढ़ ढाँचे को अपनाया है। यह ढाँचा एक जोखिम मैट्रिक्स प्रदान करता है जो किसी फण्ड के लिए जोखिम की सभी श्रेणियों, जोखिम के विवरण, प्रत्येक जोखिम के घटित होने की संभावना, परिणाम; यदि जोखिम वास्तव में घटित होता है, जोखिम रेटिंग, जोखिम शमन तंत्र और जोखिम की निगरानी की आवधिकता को सूचीबद्ध करता है।

एसआरआई फंड के लिए निगरानी किए जाने वाले प्रमुख जोखिम हैं – प्रतिबद्धता जोखिम, वितरण जोखिम, पोर्टफोलियो जोखिम, पुनर्निवेश जोखिम, अनुपालन जोखिम, फंड स्तर पर एकाग्रता जोखिम, फंड स्तर पर विदेशी मुद्रा जोखिम, फंड और डॉटर फंड स्तर पर लीवरेज जोखिम, फंड और डॉटर फंड स्तर पर वसूली जोखिम, डॉटर फंड स्तर पर रणनीति जोखिम, डॉटर फंड स्तर पर प्रतिष्ठा जोखिम, फंड और डॉटर फंड स्तर पर पर्यावरणीय, सामाजिक और कॉर्पोरेट प्रशासन जोखिम।

एसआरआई फंड द्वारा डॉटर फंड के लिए प्रतिबद्ध राशि को पूर्ण राशि के रूप में और साथ ही डॉटर फंड द्वारा जुटाए जाने वाले लक्षित कोष के प्रतिशत के रूप में, जो भी कम हो, दोनों में व्यक्त किया जाता है। एक पैनलबद्ध डॉटर फंड के लक्षित कोष की राशि को बढ़ाने में असमर्थ होने की स्थिति में, गिरावट राशि प्रतिशत क्लॉज द्वारा बाधित हो जाएगी और तदनुसार, एसआरआई फंड से गिरावट कम होगी और यह पूर्ण रूप से व्यक्त की गई प्रतिबद्धता की राशि के बराबर नहीं हो सकती।

निवेश प्रबंधक और कानूनी सलाहकार के परामर्श से एनवीसीएफएल फंड के संचालन में उत्पन्न होने वाले जोखिमों को कम करने के लिए नियंत्रण के विभिन्न उपायों को अपना रहा है, जैसा कि नीचे सूचीबद्ध है:

क) फंड के लिए एक व्यापक निवेश नीति अपनाई गई है;

ख) डॉटर फंड में निवेश करने के लिए एक व्यापक निवेश प्रक्रिया को अनुमोदित किया गया है;

ग) बोर्ड द्वारा एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) टेम्प्लेट तैयार और अनुमोदित किया गया है, जिसके आधार पर विभिन्न पक्ष फंड के संबंध में अपनी भूमिका और उत्तरदायित्वों का निर्वहन करती हैं।

घ) डॉटर फंड के मनोनयन के लिए पात्रता मापदंड बोर्ड द्वारा विकसित और अनुमोदित किया गया है;

ङ) संचालन दिशानिर्देशों के अनुरूप प्रत्येक डॉटर फण्ड में अधिकतम एक्सपोजर की सीमा निर्धारित की गई है;

च) जहाँ पर हितों के टकराव की सूचना मिलती है, वहाँ पर प्रस्तावों के लिए बोर्ड का अनुमोदन माँगा जाता है;

छ) सीएजी द्वारा स्वतंत्र लेखापरीक्षक की नियुक्ति की गई है;

ज) स्वतंत्र लेखा परीक्षक को बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करनी चाहिए। एनएसआईसी/एनवीसीएफएल की खरीद नीति (जैसा लागू हो) में उल्लिखित प्रक्रियाओं के माध्यम से की जानी चाहिए, और विचलन, यदि कोई हो, तो बोर्ड को सूचित किया जाना चाहिए;

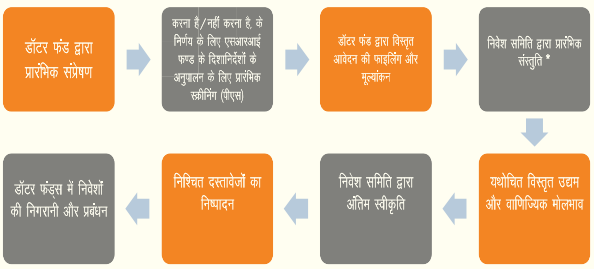
झ) उचित कानूनी परामर्श लेकर संरचनागत जोखिमों को कम किया जाता है;

ञ) विभिन्न जोखिमों को कवर करने वाली उपयुक्त बीमा पॉलिसियाँ लागू की जा रही हैं

एसआरआई फंड में परिभाषित भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों के साथ, एसआरआई फंड एडवाइजरी बोर्ड, एनवीसीएफएल बोर्ड और निवेश समिति (स्वतंत्र आईसी सदस्य सहित) की देखरेख में एक सुदृढ़ प्रशासन ढाँचा है। साथ ही, प्रत्येक डॉटर फंड, जैसा कि साइड लेटर के अंतर्गत आवश्यक है, अपनी निवेश प्राप्तकर्ता कंपनियों के लिए एक पर्यावरण, सामाजिक और प्रशासन मानकों ("ईएसजी") नीति/ढांचे को विकसित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि वित्तीय जोखिम प्रबंधन और पर्यावरण एवं सामाजिक सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियाँ विद्यमान हैं। इसके अतिरिक्त, उन्हें किसी भी भौतिक उल्लंघन और भ्रष्टाचार विरोधी/धन–शोधन विरोधी, पर्यावरण, सामाजिक एवं व्यावसायिक प्रामाणिकता के पहलुओं पर रिपोर्ट करना आवश्यक है।

च) आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनकी पर्याप्तता

एसआरआई फंड अच्छी तरह से परिभाषित एक पारदर्शी निवेश प्रक्रिया का अनुसरण करता है जिसे विस्तृत एफएक्यू के एक भाग के रूप में एनवीसीएफएल और एसवीएल वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाता है। निवेश प्रक्रिया को नीचे दिए गए चित्र में दर्शाया गया है:



* हितों के टकराव के प्रकरण में, इस तरह के टकराव के लिए बोर्ड प्राधिकरण द्वारा पालन किया जाएगा

स्वतंत्र पेशेवर एजेंसी द्वारा किए गए यथोचित विस्तृत उद्यम के निष्कर्षों पर विचार करने के बाद निवेश समिति को अंतिम अनुमोदन प्रदान किया गया है – यथोचित विधिक उद्यम, यथोचित वित्तीय उद्यम और यथोचित कर उद्यम।

छ) दृष्टिकोण

एसआरआई फंड ने एसआरआई फंड से फंडिंग के लिए संभावित डॉटर फंड की एक मजबूत पाइपलाइन बनाई है। निधियों का परिनियोजन सहायक निधियों की निवेश अवधि के दौरान चरणों में होगा।

एसआरआई फंड स्तर (इसके योगदानकर्ताओं के लिए) और डॉटर फंड स्तर (एसआरआई फंड के लिए) पर विभिन्न रिपोर्टिंग आवश्यकताओं के साथ एक नया फंड प्लेटफॉर्म स्थापित किया जा रहा है और वर्तमान में आईएम द्वारा आयोजित सभी पूर्व–निवेश गतिविधियों को टेक प्लेटफॉर्म पर नियंत्रित किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2023–24 के अंत तक फंड के सभी पहलुओं को कवर करते हुए टेक प्लेटफॉर्म पूरी तरह से तैनात कर दिया जाएगा।

इच्छित प्रभाव पैदा करने के लिए, एसआरआई फंड उपयुक्त उद्योग मंचों के साथ बातचीत करेगा और उनकी प्रतिक्रिया मांगेगा।

झ) सावधानीपूर्ण वक्तव्य

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण में कंपनी के उद्देश्यों, अनुमानों, अपेक्षाओं, अनुमानों का वर्णन करने वाले विवरण वर्तमान कारोबारी माहौल पर आधारित हैं। वास्तविक परिणाम सरकारी नीति निर्णयों और भविष्य के आर्थिक माहौल के आधार पर व्यक्त या निहित परिणामों से भिन्न हो सकते हैं। कंपनी बाद की घटनाओं या विकास के आधार पर ऐसे बयानों को संशोधित करने या संशोधित करने के लिए किसी भी तरह से कोई जिम्मेदारी नहीं लेती है।

ह./–
(विपुल गोयल)
अध्यक्ष
डीआईएन नं. : 10229523

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 11 दिसंबर, 2023

फॉर्म - एओसी-2
वार्षिक अनुपालन से संबंधित पक्ष के लेनदेन

(अधिनियम की धारा 134 की उप–धारा (3) के खंड (एच) और कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8 (2) के अनुसार)

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188 की उप–धारा (1) में संदर्भित संबंधित पक्षों के साथ कंपनी द्वारा किए गए अनुबंधों/व्यवस्थाओं के विवरण के प्रकटीकरण के लिए प्रपत्र जिसमें उनके प्रावधान के अंतर्गत, आमने–सामने के कुछ लेन–देन सम्मिलित हैं

1. अनुबंध या व्यवस्था या लेन–देन का विवरण जो हाथ की लंबाई के आधार पर नहीं है: वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान कंपनी द्वारा किसी भी संबंधित पार्टी के साथ कोई सामग्री अनुबंध या व्यवस्था या लेनदेन दर्ज नहीं किया गया था।

2. वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान, आमने–सामने संपन्न हुए भौतिक अनुबंधों या व्यवस्थाओं या लेन–देनों का विस्तृत विवरण:

क्र. सं.	संबंधित पक्ष का नाम और संबंध की प्रकृति	अनुबंधों/व्यवस्थाओं/लेनदेनों की प्रकृति	अनुबंधों/व्यवस्थाओं/लेनदेनों की अवधि	अनुबंधों या व्यवस्थाओं या लेनदेनों की मुख्य शर्तें; मूल्य सहित, यदि कोई हो:	बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि, यदि कोई हो:	अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि, यदि कोई हो:
1.	राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (धारक कंपनी)	एनवीसीएफएल की ओर से जनशक्ति समर्थन लागत, मुद्रण और स्टेशनरी, यात्रा, संवहन एवं वाहन शुल्क और धारक कंपनी द्वारा उठाए गए मनोरंजन व्यय की प्रतिपूर्ति। (करों को छोड़कर)	जारी लेनदेन	जनशक्ति समर्थन लागत – रु. 60.26 लाख प्रिंटिंग और स्टेशनरी, यात्रा, संवहन एवं वाहन शुल्क और मनोरंजन – रु. 3.83 लाख (सभी राशियाँ वास्तविक आधार पर)	प्रयोजनीय नहीं है, क्योंकि अनुबंध व्यापार के सामान्य क्रम में और आमने–सामने बातचीत के आधार पर किया गया था।	शून्य
2.	राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (धारक कंपनी)	एनएसआईसी को भुगतान किया गया किराया (करों को छोड़कर)		किराया रु. 5.93 लाख		

ह./–
(विपुल गोयल)
अध्यक्ष
डीआईएन नं. : 10229523

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 11 दिसंबर, 2023

कॉर्पोरेट प्रशासन पर रिपोर्ट

एनवीसीएफएल हमेशा कॉरपोरेट गवर्नेंस की सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करने के लिए समर्पित है। एनवीसीएफएल अपनी पहली योजना यानी आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड के माध्यम से इक्विटीध्अर्ध–इक्विटीध्इक्विटी जैसे संरचित उपकरणों के माध्यम से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को विकास पूंजी प्रदान कर रहा है। सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर जारी दिशानिर्देशों की आवश्यकताओं के अनुरूप एक रिपोर्ट निदेशक की रिपोर्ट के एक भाग के रूप में नीचे दी गई है, साथ ही अनुपालन के संबंध में एक प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव द्वारा जारी प्रमाण पत्र भी दिया गया है। कॉर्पोरेट प्रशासन के प्रावधान.

1. निदेशक मंडल

एनवीसीएफएल राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एनएसआईसी) की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है। एसआरआई फंड योजना एनवीसीएफएल की पहली योजना है। एमएसएमई मंत्रालय द्वारा अनुमोदित आत्मनिर्भर भारत निधि दिशानिर्देशों के अनुसार, कंपनी के पास एक स्वतंत्र बोर्ड होगा जिसमें सीएमडी एनएसआईसी इसके अध्यक्ष, दो सरकारी नामित निदेशक, एक एनएसआईसी नामित निदेशक और एक पेशेवर सीईओ होंगे।

31 मार्च, 2023 को बोर्ड में निम्नलिखित निदेशक शामिल थे:

क्र. सं.	निदेशक पहचान संख्या (डीआईएन)	निदेशक का नाम	पदनाम
1	09331424	सुश्री मर्सी एपाओ	अध्यक्ष
2	09661006	डॉ. इशिता गागुंली	निदेशक
3	06789077	श्री अतीश कुमार सिंह	निदेशक
4	09769378	श्री सरवण कुमार अनणथन	निदेशक एण्ड सीईओ

सुश्री मर्सी एपाओ 30 जून, 2023 तक अध्यक्ष और निदेशक के रूप में कार्यभार संभाल रही थीं।

एसआरआई दिशानिर्देशों के संदर्भ में, श्री विपुल गोयल को 6 जुलाई, 2023 से कंपनी के पदेन अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।

2. निदेशक मंडल की संरचना में परिवर्तन

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान और आज तक निदेशक मंडल में निम्नलिखित परिवर्तन हुए हैं:–

क) श्री विपुल गोयल को 06 जुलाई 2023 से कंपनी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।

ख) श्री गौरव गुलाटी को 14 जून 2023 से कंपनी के अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

ग) सुश्री मर्सी एपाओ 30 जून, 2023 तक अध्यक्ष और निदेशक के रूप में कार्यभार संभाल रही थीं।

घ) श्री गौरांग दीक्षित को दिनांक 1 अगस्त, 2022 से कंपनी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। उनके पास अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख यानी 31 दिसंबर, 2022 तक एनवीसीएफएल के अध्यक्ष का प्रभार है।

ङ) श्री सरवण कुमार अनणथन को कंपनी के बोर्ड में निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। वह कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी हैं।

च) डॉ. इशिता गांगुली त्रिपाठी को 8 जुलाई, 2022 से श्री राजीब कुमार सेन के स्थान पर एनवीसीएफएल के बोर्ड में सरकारी नामित निदेशकों में से एक के रूप में नियुक्त किया गया है।

छ) श्री. पी. उदयकुमार को 20 जून, 2022 को कंपनी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्होंने अपनी सेवानिवृत्ति की तिथि, अर्थात 31 जुलाई, 2022 तक एनवीसीएफएल के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला है।

ज) 23 सितंबर 2021 को श्रीमती अल्का नांगिया अरोड़ा को कंपनी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्होंने 20 जून, 2022 तक एनवीसीएफएल के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला है।:

3. बोर्ड के बैठकों की संख्या, बोर्ड की बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, कंपनी के निदेशक मंडल की सात (7) बैठकें आयोजित की गईं। i) 8 जुलाई, 2022, ii)

28 जुलाई, 2022, iii) 19 अक्टूबर, 2022, iv) 16 दिसंबर, 2022, v) 17 जनवरी, 2023 और vi) 30 जनवरी, 2023 और vii) 16 मार्च, 2023.

वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान, निदेशक मंडल की बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति और निदेशकों द्वारा आयोजित अन्य निदेशकों की संख्या का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	बोर्ड बैठक			31 मार्च, 2023 तक अन्य निदेशकों की संख्या (एनवीसीएफएल के अतिरिक्त)
		कार्यकाल के दौरान आयोजित	बोर्ड की बैठकों की संख्या जिसमें भाग लिया गया	16/12/2022 को आयोजित एजीएम में उपस्थिति	
1.	सुश्री मर्सी एपाओ	3	3	लागू नहीं	एनएसआईसी, डीएसआईआईडीसी और आईटीपीओ
2.	श्री गौरांग दीक्षित	4	4	हां	एनएसआईसी
3.	श्री पी. उदयकुमार	2	2	लागू नहीं	एनएसआईसी
4.	डॉ. इशिता जी. त्रिपाठी	7	7	हां	वैश्विक नवप्रवर्तन एवं प्रौद्योगिकी गठबंधन (जीआईटीए) दिनांक 15.3.2022 से
5.	श्री अतीश कुमार सिंह, निदेशक	7	6	हां	लागू नहीं
6.	श्री सरवण कुमार अनणथन	5	5	हां	लागू नहीं

4. निदेशकों का पारिश्रमिक

श्री सरवण कुमार अनणथन को छोड़कर सभी निदेशक कंपनी से किसी भी पारिश्रमिक के हकदार नहीं हैं, क्योंकि वे होल्डिंग कंपनी में अपने पदेन पदों के अनुसार निदेशक पद संभाल रहे हैं और/या एमएसएमई मंत्रालय द्वारा नामित हैं। वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान भुगतान किये गये पारिश्रमिक का विवरण इस प्रकार है:–

क्र. सं.	पारिश्रमिक का विवरण	मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सरवण कुमार अनणथन दिनांक 17.10.2022 से 31.03.2023 (लाख रुपये में)
1	सकल वेतन (आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(1) में निहित प्रावधानों के अनुसार)	17.38
2	भंडार विकल्प	-
3	उद्यम इक्विटी	-
4	लाभ के % के रूप में कमीशन; अन्य (निर्दिष्ट करें	-
5	अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें (नियोक्ता पीएफ और पेंशन पर निर्भर है)	7.40
	कुल	**24.78**

5. लेखा परीक्षा समिति की बैठक

यह कंपनी, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 की उप–धारा (1) में निर्दिष्ट किसी भी मापदंड के अंतर्गत नहीं आती है, इसके लिए एक लेखा परीक्षा समिति के गठन की कोई आवश्यकता नहीं है।

6. कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर)

चूंकि, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 की उप–धारा (1) में निर्दिष्ट किसी भी मापदंड के अंतर्गत नहीं आती है, इसलिए कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व ("सीएसआर") समिति का गठन करने की आवश्यकता नहीं है।

7. संबंधित पक्षकारों के साथ अनुबंधों और व्यवस्थाओं का विवरण

वित्तीय वर्ष के दौरान, संबंधित पक्षों के साथ व्यवस्थाएँ/लेन–देन व्यापार के सामान्य क्रम में और आमने–सामने के आधार पर थे। कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(2) के अनुसार निर्धारित प्रपत्र एओसी–2 में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188(1) में संदर्भित संबंधित पक्ष के लेनदेनों और अनुबंधों या व्यवस्थाओं के प्रकटीकरण बोर्ड की रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

8. सामान्य निकाय की बैठक

कंपनी के गठन के बाद से आयोजित कंपनी की वार्षिक आम बैठकों का विवरण इस प्रकार है:

वित्तीय वर्ष	तारीख	समय	कार्यक्रम का सीन	विशेष व्यवसाय (यदि कोई हो)
2021-22	16/12/2022	प्रातः 11.00 बजे	कंपनी का पंजीकृत कार्यालय	क) कंपनी के निदेशक के रूप में अतिरिक्त निदेशक, डॉ. इशिता जी. त्रिपाठी (डीआईएन–09661006) का नियमितीकरण। ख) कंपनी के निदेशक के रूप में अतिरिक्त निदेशक, श्री सरवण कुमार अनणथन (डीआईएन नंबर–09769378) का नियमितीकरण।
2020-21	26/11/2021	प्रातः 11.00 बजे		कंपनी के निदेशक के रूप में अतिरिक्त निदेशक, सुश्री अलका नांगिया अरोड़ा (डीआईएन नंबर–03165567) का नियमितीकरण।

वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान सदस्यों की कोई असाधारण आम बैठक आयोजित नहीं की गई।

वित्तीय वर्ष 2022–23 के लिए वार्षिक आम बैठक 11 दिसंबर, 2023 को आयोजित की जाएगी।

9. कारपोरेट सुशासन संबंधी सरकारी उद्यम विभाग के दिशानिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुपालन के विवरण

केंद्र सरकारी क्षेत्र उद्यमों के लिए कारपोरेट सुशासन संबंधी सरकारी उद्यम विभाग के दिशानिर्देशों की अपेक्षाओं का कंपनी द्वारा विधिवत पालन किया गया है। इस बारे में मैसर्स कुमार वाधवा एण्ड कंपनी, प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिवों द्वारा जारी किया गया प्रमाण–पत्र इस रिपोर्ट के साथ "अनुबंध –I" के रूप में संलग्न है, जिसमें कारपोरेट सुशासन संबंधी सरकारी उद्यम विभाग के दिशानिर्देशों के अधीन निर्धारित शर्तों के अनुपालन की पुष्टि की गई है।

10. कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण परिवर्तन और प्रतिबद्धताएँ

इस रिपोर्ट में प्रकटीकरण यदि कोई हो के अलावा, कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले ऐसे कोई महत्त्वपूर्ण परिवर्तन और प्रतिबद्धताएं नहीं हैं, जो कंपनी के उस वित्तीय वर्ष के अंत, जिनसे वित्तीय विवरण संबंधित हैं और जिस तारीख की यह रिपोर्ट है, के बीच हुई हों।

ह./–
(विपुल गोयल)
अध्यक्ष
डीआईएन नं. : 10229523

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 11 दिसंबर, 2023

कॉरपोरेट सुशासन अनुपालन प्रमाण-पत्र

सेवा में,

सदस्यगण

एनएसआईसी वेंचर कैपीटल फंड लिमिटेड

रजि. पताः एनएसआईसी ओखला इंडस्ट्रीयल एस्टेट फेज–III

नई दिल्ली–110020

हमने, भारी उद्योग और सरकारी उद्यम मंत्रालय, लोक उद्यम विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी किए गए केंद्र सरकारी क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसईज) के लिए कॉरपोरेट सुशासन संबंधी दिशानिर्देशों में उल्लिखित, 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के संबंध में **एनएसआईसी वेंचर कैपीटल फंड लिमिटेड,** सीआईएनः U65990DL2020GOI368828 के कॉरपोरेट सुशासन की शर्तों के अनुपालन की जांच की है।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम सूचना के अनुसार तथा प्रबंधकवर्ग द्वारा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार हम प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने उक्त दिशानिर्देशों में उल्लिखित कॉरपोरेट सुशासन की शर्तों का अनुपालन किया है।

कॉरपोरेट सुशासन प्रणाली की शर्तों का अनुपालन करना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जांच, भारी उद्योग और सरकारी उद्यम मंत्रालय, सरकारी उद्यम विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी किए गए केंद्र सरकारी क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) के लिए कॉरपोरेट सुशासन संबंधी दिशानिर्देशों में उल्लिखित कॉरपोरेट सुशासन की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अंगीकृत प्रक्रियाओं और उनके कार्यान्वयन की समीक्षा करने तक सीमित थी। यह न तो कंपनी के वित्तीय विवरणों पर लेखापरीक्षा है और न ही इन पर राय की कोई अभिव्यक्ति।

हम यह भी उल्लेख करते हैं कि इस प्रकार का अनुपालन, न तो कंपनी की भावी व्यवहार्यता के बारे में या उस दक्षता या प्रभावकारिता के बारे में कोई आश्वासन है, जिससे प्रबंधक वर्ग ने कंपनी के कारोबार का संचालन किया है।

कृते कुमार वाधवा एण्ड कंपनी
कंपनी सचिव

ह./–
(पीसीएस संजय कुमार)
प्रबंधन साझेदार
सदस्यता सं.: 9211
सी.पी. सं.: 7027
यूडीआईएनः एफ009211ई001714475

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 7 नवंबर, 2023

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में,

सदस्य

एनएसआईसी वेंचर कैपीटल फंड लिमिटेड

वित्तीय विवरणों की लेखा–परीक्षा पर रिपोर्ट

अभिमत

हमने, **एनएसआईसी वेंचर कैपीटल फंड लिमिटेड** ('कंपनी') के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च, 2023 को यथास्थिति तुलन–पत्र और उसी तिथि को समाप्त लाभ एवं हानि विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तन विवरण और नकदी प्रवाह विवरण तथा महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियों सहित वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियाँ और ऐसी अन्य व्याख्यात्मक सूचना शामिल हैं ('वित्तीय विवरण')।

हमारे अभिमत में और हमारी सर्वोत्तम सूचना के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपर्युक्त उक्त वित्तीय विवरण, यथा अपेक्षित तरीके से, कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') द्वारा अपेक्षित सूचना देते हैं और 31 मार्च, 2023 को यथास्थिति निगम के कारोबार की, उसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय, सहित इसकी हानियों इक्विटी में परिवर्तन तथा इसके नकदी प्रवाह की, भारत में आमतौर पर स्वीकार किए गए अन्य लेखाकंन मानकों के अनुरूप सच्ची और सही तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

मूल अभिमत

हमने अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखापरीक्षा मानक (एसए) के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की है। उन मानकों के अंतर्गत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारियाँ में वर्णित हैं। हम, नैतिकता अपेक्षाओं, जो अधिनियम और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के उपबंधों के अंतर्गत वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा से सुसंगत हैं, के साथ–साथ भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी की गई नैतिकता संहिता के अनुसार कंपनी से स्वतंत्र हैं और हमने इन अपेक्षाओं और नैतिकता संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियाँ पूरी की हैं। हम विश्वास करते हैं कि जो लेखापरीक्षा साक्ष्य हमने प्राप्त किया है, वह हमारी मूल अभिमत उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त और समुचित है।

महत्वपूर्ण विषय

हम, वित्तीय विवरणों पर नोट 35 की ओर भी ध्यान आकर्षित करते हैं, जो एक एआईएफ योजना के रूप में एसआरआई निधि की स्थापना के संबंध में तथ्यों की व्याख्या करता है, जो कंपनी द्वारा शुरू की गई है और एक अलग उपक्रम है स्वतंत्र वित्तीय ऑडिट के अधीन और वित्तीय विवरणों में वर्णित राशि की भी व्याख्या करती है जो संबंधित अंशदाताओं द्वारा एसआरआई निधि में अंशदान के रूप में प्राप्त की गई थी, लेकिन ऐसी राशि जो कंपनी के बैंक खाते में प्राप्त हुई थी।

उपर्युक्त मामले के संबंध में हमारा अभिमत सीमित नहीं है।

वित्तीय विवरणों और उन पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अलावा सूचना

कंपनी का निदेशक मंडल अन्य सूचना तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। अन्य सूचना में, बोर्ड रिपोर्ट के अनुबंधों सहित बोर्ड रिपोर्ट में शामिल की गई सूचना शामिल है परंतु इसमें वित्तीय विवरण और उन पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट शामिल नहीं है।

वित्तीय विवरणों पर हमारे अभिमत में अन्य सूचना शामिल नहीं की गई है और हम उस पर किसी भी रूप में कोई आश्वासन निष्कर्ष व्यक्त नहीं करते हैं।

वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी, ऊपर पहचान की गई अन्य सूचना को पढ़ना है और ऐसा करने में, यह विचार करना कि क्या अन्य सूचना एकल अकेले वित्तीय विवरणों के या लेखापरीक्षा में प्राप्त की गई हमारी जानकारी के साथ सारवान रूप से असंगत है या अन्यथा सारवान रूप से गलत विवरण देने के रूप में प्रतीत होती है। यदि जो कार्य हमने किया है, यदि उसके आधार पर हम यह निष्कर्ष देते हैं कि इस अन्य सूचना का कोई सारवान मिथ्या विवरण है तो हमारे लिए उस तथ्य की सूचना देना आवश्यक है। इस संबंध में हमें कुछ भी सूचित नहीं करना है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारियाँ

ये वित्तीय विवरण, जो अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखाकंन मानकों सहित भारत में आमतौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार कंपनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय कार्य–निष्पादन, की सही और सच्ची तस्वीर प्रस्तुत करते हैं, तैयार करने के संबंध में कंपनी अधिनियम की धारा 134(5) में उल्लिखित मामलों के लिए कंपनी का निदेशक मंडल जिम्मेदार है। इस जिम्मेदारी में कंपनी की परिसंपत्तियों की रक्षा करने के लिए और धोखाधड़ी तथा अन्य अनियमिताओं का पता लगाने और उनकी रोकथाम के लिए, समुचित लेखांकन नीतियों के चयन और अनुप्रयोग ऐसे निर्णय लेने और अनुमान लगाने, जो तर्कसंगत और विवेकपूर्ण हों, ऐसे उपयुक्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के डिज़ाइन, कार्यान्वयन तथा अनुरक्षण,

जो वित्तीय विवरण तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए सुसंगत लेखांकन रिकार्डों की परिशुद्धता और परिपूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रचालरत हों, जो सच्ची और सही तस्वीर प्रस्तुत करते हों और सारवान मिथ्याकथन, चाहे धोखाधड़ी के कारण या गलती के कारण, से मुक्त हों, अधिनियम के उपबंधों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकार्ड का रखरखाव भी शामिल है।

वित्तीय विवरण तैयार करने में, प्रबंधन एक चलते रहने वाले प्रतिष्ठान के रूप में जारी रखे जाने की कंपनी की योग्यता का मूल्यांकन करने, चलते रहने वाले प्रतिष्ठान से संबंधित मामलों के प्रकटीकरण, जैसा लागू हो और लेखांकन के चलते रहने वाले आधार का उपयोग करने, जब तक प्रबंधन के परिसमापन करने की या प्रचालन बंद करने की मंशा न रखे या उसके पास ऐसा करने के अलावा कोई अन्य वास्तविक विकल्प न हो, के लिए भी जिम्मेदार है।

यह निदेशक मंडल, कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की निगरानी करने के लिए भी जिम्मेदार है।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारियाँ

हमारे उद्देश्य, इस बारे में तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या पूरे वित्तीय विवरण, सारवान मिथ्याकथन से मुक्त हैं, चाहे वे धोखाधड़ी के कारण हों या गलती के कारण और लेखापरीक्षा रिपोर्ट जारी करना है, जिसमें हमारा अभिमत शामिल हो। तर्कसंगत आश्वासन, आश्वासन का एक उच्च स्तर है परंतु यह गारंटी नहीं है कि लेखांकन मानकों के अनुसार की गई लेखापरीक्षा, सदैव किसी सारवान मिथ्या कथन का पता लगा लेगी, जब यह मौजूद हो। मिथ्या कथन, धोखाधड़ी या गलती से उत्पन्न हो सकता है और उसे सारवान तभी माना जाता है यदि अलग–अलग या स्वीकृत रूप से उनसे, इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक विषयों को प्रभावित करने की संभावना हो।

लेखांकन मानकों के अनुसार लेखापरीक्षा के भाग के रूप में, हम व्यावसायिक निर्णय का उपयोग करते हैं और पूरी लेखापरीक्षा के दौरान व्यावसायिक संदेह बनाए रखते हैं। हम निम्नलिखित भी करते हैं:

- वित्तीय विवरणों के सारवान मिथ्या कथन के जोखिमों की पहचान करना और उनका मूल्यांकन करना, चाहे वे धोखाधड़ी के कारण हों या गलती के कारण और, इन जोखिमों के प्रति लेखापरीक्षा प्रक्रियाएँ तैयार करना और लागू करना तथा ऐसे लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करना, जो हमारे अभिमत के लिए एक आधार उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त और समुचित है। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप किसी सारवान मिथ्या कथन का पता न लगाए जाने का जोखिम गलती के परिणामस्वरूप होने वाले जोखिम की तुलना में उच्चतर होता है, क्यों कि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर की गई चूकें, मिथ्य निरूपण या आंतरिक नियंत्रणों का अधिक्रमण शामिल हो सकता है।
- ऐसी लेखापरीक्षा प्रक्रियाएँ तैयार करने की दृष्टि से, जो परिस्थितियों में समुचित हों, लेखापरीक्षा से सुसंगत आंतरिक नियंत्रण की समझबूझ प्राप्त करना। कंपनी अधिनियम की धारा 143 (3)(i) के अंतर्गत, हम इस पर भी अपना अभिमत व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार हैं कि क्या निगम के पास वित्तीय विवरणों के संदर्भ में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण और उन नियंत्रणों का प्रचालनरत प्रभावीपन मौजूद हैं।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और लेखांकन अनुमानों तथा प्रबंधन द्वारा किए गए संबंधित प्रकटीकरणों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करना।
- लेखांकन के चल रहे प्रतिष्ठान आधार के प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष देना और प्राप्त किए गए लेखापरीक्षा साक्ष्य के आधार पर यह पता लगाना कि क्या घटनाओं या शर्तों से संबंधित कोई सारवान अनिश्चितता मौजूद है, जो चल रहे प्रतिष्ठान के रूप में जारी रखे जाने की निगम की योग्यता पर महत्त्वपूर्ण संदेह उत्पन्न कर सकती है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि कोई सारवान अनिश्चितता मौजूद है तो हमारे लिए यह आवश्यक होगा कि हम अपनी लेखापरीक्षा रिपोर्ट में, वित्तीय विवरणों में संबंधित विगोपनों की ओर ध्यान आकर्षित करें या यदि ये प्रकटीकरण हमारा अभिमत संशोधित करने के लिए अपर्याप्त हैं। हमारे निष्कर्ष हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त किए गए लेखापरीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। तथापि, भावी घटनाएँ या स्थितियाँ निगम के लिए चल रहे प्रतिष्ठान के रूप में जारी न रहने का कारण बन सकती हैं।
- प्रकटीकरणों सहित वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतिकरण, संरचना और विषय–वस्तु का मूल्यांकन करना और क्या वित्तीय विवरण, किसी ऐसे तरीके से, जो उचित प्रस्तुतिकरण प्राप्त करता है, से अंतर्निहित लेन–देनों और घटनाओं को प्रदर्शित कर रहा है।

हम अन्य मामलों के साथ–साथ लेखापरीक्षा के नियोजित दायरे और समय तथा आंतरिक नियंत्रण में किसी महत्त्वपूर्ण कमी, जिसका पता हम अपनी लेखापरीक्षा के दौरान लगाते हैं, सहित सारवान लेखापरीक्षा निष्कर्षों के संबंध में अभिशासन के प्रभार वाले व्यक्तियों के साथ पत्र–व्यवहार करते हैं।

हम अभिशासन के प्रभार वाले व्यक्तियों को एक विवरण भी उपलब्ध कराते हैं, जो हमने स्वतंत्रता के संबंध में सुसंगत नैतिक अपेक्षाओं के साथ संकलित किया है और उनके साथ पत्र व्यवहार करने के लिए सभी संबंध और अन्य मामले, जो हमारी स्वतंत्रता के संबंध में तर्क संगत समझे जाते हैं और जहाँ लागू हों, संबंधित रक्षोपाय भी उपलब्ध कराते हैं।

अन्य विधिक और विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

1. जैसाकि अधिनियम की धारा 143 की उप–धारा (11) के अनुसार भारत सरकार द्वारा जारी किए गए कंपनी (लेखापरीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ('आदेश') द्वारा अपेक्षित है, हम उक्त आदेश के पैरा 3 और 4 में विनिर्दिष्ट मामलों पर लागू सीमा तक एक विवरण "अनुबंध–क" देते हैं।

2. जैसा कि अधिनियम की धारा 143(3) द्वारा अपेक्षित है, हम लागू सीमा तक यह सूचित करते हैं कि:

   (क) हमने वे सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन से आवश्यक थे।

   (ख) हमारे अभिमत में कंपनी ने कानून द्वारा यथा अपेक्षित उचित लेखा–बहियाँ रखी गई हैं, जैसाकि लेखा–बहियों की जांच करने से हमें पता चला है।

   (ग) इस रिपोर्ट से संबंधित अन्य व्यापक आय सहित तुलन–पत्र, लाभ और हानि विवरण इक्विटी में परिवर्तन विवरण नकद प्रवाह विवरण लेखा बहियों से मेल खाते हैं।

   (घ) हमारे अभिमत में, वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट भारतीय लेखांकन मानक (Ind AS), जैसा भी लागू हो, का अनुपालन करते हैं।

   (ङ) कारपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी की गई अधिसूचना संख्या सा. का. नि. (जीएसआर) 463 (ई) दिनांक 5 जून 2015 के अनुसार, इस अधिनियम की धारा 164(2) के प्रावधान इस कंपनी पर लागू नहीं होते हैं, क्योंकि यह एक सरकारी कंपनी है।

   (च) कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों के प्रचालनात्मक प्रभावीपन के संबंध में अनुबंध–ख के रूप में हमारी पृथक रिपोर्ट देखें;

   (छ) कारपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी की गई दिनांक 5 जून, 2015 की अधिसूचना सं. जीएसआर 463 (ई) के अनुसार, अधिनियम की धारा 197 के उपबंध, एक सरकारी कंपनी होने के कारण, इस कंपनी पर लागू नहीं होते।

   (ज) अधिनियम की धारा 143(5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार रिपोर्ट के संबंध में, अनुबंध–ग में हमारी पृथक रिपोर्ट का संदर्भ लें;

   (झ) कंपनी (लेखापरीक्षा एवं लेखापरीक्षकों) नियमावली, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारे अभिमत में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार:

      i. कंपनी में कोई ऐसे लंबित मुकदमे नहीं है जिनका वित्तीय स्थिति पर प्रभाव होगा।

      ii. कंपनी के पास व्युत्पत्ति संविदाओं सहित कोई ऐसी दीर्घावधि संविदा नहीं था, जिनके लिए कोई महत्त्वपूर्ण अनुमानित हानियाँ थी।

      iii. कोई ऐसी राशियाँ नहीं थीं, जिन्हें कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि में अंतरित किया जाना अपेक्षित था।

      iv. पिछले वर्ष के लिए घोषित लाभांश के संबंध में कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान भुगतान किया गया अंतिम लाभांश कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 123 के अनुसार है, यह लाभांश के भुगतान पर लागू होता है।

      जैसा कि वित्तीय विवरणों के नोट 37 में कहा गया है, कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए अंतिम लाभांश का प्रस्ताव दिया है जो आगामी वार्षिक आम बैठक में सदस्यों के अनुमोदन के अधीन है। घोषित लाभांश अधिनियम की धारा 123 के अनुसार है, यह लाभांश की घोषणा पर लागू होता है।

      v. (क) प्रबंधन ने दर्शाया है कि, अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा कोई भी धनराशि उन्नत या उधार या निवेश नहीं की गई है (या तो उधार ली गई धनराशि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या किसी प्रकार के फंड से)

या विदेशी संस्थाओं ("मध्यस्थ") सहित किसी भी अन्य व्यक्ति या संस्थाओं में, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में या अन्यथा दर्ज किया गया हो, कि मध्यस्थ यह करेगा:

- प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कंपनी द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों अथवा संस्थाओं में ("अंतिम लाभार्थियों") उधार देगा या निवेश करेगा; अथवा
- अंतिम लाभार्थियों को या उनकी ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की कोई प्रतिभूति प्रदान करेगा।

(ख) प्रबंधन ने प्रतिवेदित किया है, कि अपने सर्वोत्तम संज्ञान और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा किसी भी व्यक्ति या संस्थाओं से कोई धन प्राप्त नहीं किया गया है, जिसमें विदेशी संस्थाएं ("वित्त पोषक पार्टियां") शामिल हैं, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में प्रलेखित किया गया हो या अन्यथा, कि कंपनी:

- प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से वित्त पोषक पार्टियों द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों अथवा संस्थाओं में ("अंतिम लाभार्थियों") उधार देगा या निवेश करेगा; अथवा
- अंतिम लाभार्थियों को या उनकी ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की कोई प्रतिभूति प्रदान करेगा

(ग) ऐसी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, जैसा कि उन परिस्थितियों में उचित और उपयुक्त माना गया, हमारे संज्ञान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमें यह विश्वास हो कि उपखंड (डी)(i) और (डी)(ii) के तहत अभ्यावेदन में शामिल किसी भी सामग्री व विषयवस्तु में कोई गलत या त्रुटिपूर्ण उल्लेख किया गया हो।

vi. कंपनी (खाता) नियम, 2014 के नियम 3(1) के प्रावधान के अनुसार लेखांकन सॉफ्टवेयर का उपयोग करके खाते की किताबें बनाए रखने के लिए जिसमें ऑडिट ट्रेल (लॉग संपादित करें) को रिकॉर्ड करने की सुविधा है, 1 अप्रैल 2023 से लागू है, नियम के तहत रिपोर्टिंग कंपनी (ऑडिट और ऑडिटर) नियम, 2014 का 11(जी) 31 मार्च 2023 का समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए लागू नहीं है।

देवन्द्र कुमार जैन एण्ड एसोसिएट्स के लिए
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.: 007799एन

ह./–
सीए डी.के. जैन
साझेदार
सदस्यता सं. : 083417
यूडीआईएन: 23083417बीजीएक्सएचसीजे2856

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.08.2023

31 मार्च, 2023 को समाप्त अवधि के लिए एनएसआईसी वेंचर कैपीटल फंड लिमिटेड के सदस्यों को हमारी स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में उल्लिखित अनुबंध क

उपरोक्त वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी (लेखा परीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2020 पर रिपोर्ट

(i) (क) (क) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने संपत्ति, संयंत्र और उपकरण संबंधी मात्रात्मक विवरणों और अवस्थिति सहित पूर्ण विवरण दर्शाते हुए समुचित प्रलेखों का अनुरक्षण किया है।

(ख) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने अमूर्त संपत्तियों का पूर्ण विवरण दर्शाते हुए समुचित प्रलेखों का अनुरक्षण किया है।

(ख) जैसा कि हमें स्पष्टीकरण दिया गया है, प्रबंधन द्वारा अपनाए गए सत्यापन के वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार, अवधि के दौरान प्रबंधन द्वारा स्थिर परिसंपत्तियों का वास्तविक सत्यापन किया गया है, जो हमारे अभिमत में, उचित अंतरालों पर सभी स्थिर परिसंपत्तियों को वास्तविक सत्यापन उपलब्ध कराता है। हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार इस सत्यापन पर कोई सारवान विसंगति जानकारी में नहीं आई है।

(ग) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी के स्वामित्व में कोई अचल संपत्ति नहीं है।

(घ) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के प्रलेखों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी किसी भी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त संपत्ति का पूर्नमूल्यांकन नहीं किया है।

(ङ) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के प्रलेखों की हमारी जांच के आधार पर, बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध अधिनियम, 1988 और इसके अधीन बनाए गए नियम के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही प्रक्रियाधीन या लंबित नहीं है।

(ii) (क) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी के व्यवसाय में कोई भौतिक माल–सूची शामिल नहीं है और तदनुसार आदेश के अनुच्छेद 3 (ii) (ए) में निर्दिष्ट आवश्यकताएं कंपनी पर लागू नहीं होती हैं।

(ख) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के प्रलेखों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी को वर्तमान संपत्तियों की प्रतिभूति सुरक्षा के आधार पर बैंकों या वित्तीय संस्थानों से कोई कार्यशील पूंजी सीमा स्वीकृत नहीं की गई है। तदनुसार, आदेश का अनुच्छेद 3 (ii) (बी) कंपनी पर लागू नहीं होता है।

(iii) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के प्रलेखों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने वर्ष के दौरान कंपनियों, फर्मों, सीमित देयता भागीदारों या किसी अन्य पक्ष को कोई गारंटी या प्रतिभूति सुरक्षा प्रदान नहीं की है।

कंपनी ने एक निधि में निवेश किया है और ऐसी निधि को एक प्रतिभूति–रहित ऋण प्रदान किया है, जिसके संबंध में:

(क) हमारे द्वारा की गई ऑडिट प्रक्रियाओं के आधार पर और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने कंपनी के एक निदेशक को अग्रिम राशि प्रदान की है। कंपनी ने वर्ष के दौरान उन्हें उपलब्ध कराए गए परिवहन के लिए वसूली के कारण 0.12 लाख रुपये की अग्रिम राशि दी है और समीक्षाधीन अवधि के अंत तक 0.12 लाख रुपये की शेष राशि बकाया है। वर्ष के दौरान किसी अन्य पार्टी को कोई अन्य ऋण या अग्रिम नहीं दिया गया है।

(ख) हमारी राय में, एसआरआई फंड में किए गए निवेश, भारत सरकार और कंपनी की होल्डिंग कंपनी (द नेशनल स्मॉल इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) के साथ कंपनी द्वारा स्थापित पहली एआईएफ योजना, एसआरआई फंड में योगदानकर्ता के रूप में और अग्रिम अनुदान निदेशक के प्रति, प्रथम दृष्टया, कंपनी के हित के प्रति प्रतिकूल नहीं हैं।

(ग) कंपनी द्वारा दिए गए ऋण के संबंध में, मूलधन के पूर्नभुगतान और ब्याज के भुगतान की कोई विशिष्ट अनुसूची निर्धारित नहीं की गई है।

(घ) कंपनी द्वारा दिए गए ऋणों के संबंध में, तुलन पत्रों की तिथि के अनुसार कोई अतिदेय राशि बकाया नहीं है।

(ङ) कंपनी द्वारा दिया गया कोई भी ऋण, जो वर्ष के दौरान देय हो गया है, का नवीनीकरण या विस्तार नहीं किया गया है, या उसी पार्टी को दिए गए मौजूदा ऋणों के अतिदेय को निपटाने के लिए कोई नए ऋण नहीं दिए गए हैं।

(च) जैसा कि ऊपर अनुच्छेद (iii)(क) में उल्लिखित है, कंपनी के निदेशक और संबंधित पक्ष श्री सरवण कुमार अनणथन को 0.12 लाख रुपये की अग्रिम राशि दी है। संबंधित अनुषंगी पार्टी को इस तरह का अग्रिम, मांग पर चुकाने योग्य है और यह कंपनी द्वारा दिए गए कुल ऋण या अग्रिम के सौ प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। किसी भी प्रमोटर को कोई ऋण या अग्रिम प्रदान नहीं किया गया है और ऐसी किसी भी पार्टी को कोई ऋण और अग्रिम नहीं दिया गया है जहाँ चुकौती की शर्तें या अवधि निर्दिष्ट नहीं है।

(iv) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने ऋणों, निवेशों, गारंटियों और प्रतिभूतियों के संबंध में लागू होने की सीमा तक, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 185 और 186 के उपबंधों का पालन किया है।

(v) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए निर्देशों और कंपनी अधिनियम, 2013 धारा 73 से 76 तक के उपबंधों और अन्य सुसंगत उपबंधों तथा उनके अंतर्गत बनाए गए नियमों में यथा उल्लिखित कोई जमा राशियाँ स्वीकार नहीं की हैं। तदनुसार, आदेश का पैरा 3(v) कंपनी पर लागू नहीं होता।

(vi) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार, केन्द्र सरकार ने, कंपनी द्वारा किए गए क्रियाकलापों में से किसी क्रियाकलाप के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 की उप–धारा (1) के अंतर्गत लागत रिकार्डों का रखरखाव विनिर्धारित नहीं किया है। तदनुसार, आदेश का पैरा 3(vi) लागू नहीं है।

(vii) (क) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार और कंपनी के रिकार्डों को हमारी जांच के आधार पर, आय कर और अन्य सारवान सांविधिक देय धनराशियों सहित अवविवादित सांविधिक देय धनराशियों के संबंध में लेखा बहियों में काटी गई/उपर्जित धनराशियाँ आमतौर पर कंपनी द्वारा समूचित प्राधिकरणों के पास नियमित रूप से जमा की गई हैं।

हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार, 31 मार्च, 2023 को यथास्थिति कोई अविवादित भुगतानयोग्य धनराशियाँ, भुगतान योग्य होने की तारीख से 6 महीने से अधिक की अवधि तक बकाया नहीं थी।

(ख) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार, ऐसे आयकर, बिक्रीकर, वस्तु एवं सेवाकर और उप–कर सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और मूल्य वृद्धित कर कोई देय धनराशि नहीं है, जो किसी विवाद के कारण समुचित प्राधिकरणों के पास जमा नहीं की गई हैं।

(viii) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के प्रलेखों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने आय कर अधिनियम, 1961 के तहत कर निर्धारण में किसी भी लेनदेन को वर्ष के दौरान आय के रूप में अभ्यर्पण या खुलासा नहीं किया है, जो पहले खाता बहियों में आय के रूप में दर्ज नहीं किया गया था।

(ix) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसारः

(क) कंपनी ने किसी भी ऋणदाता से कोई ऋण या अन्य उधार नहीं लिया है। इसलिए, आदेश के अनुच्छेद 3(ix)(क) के तहत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं है।

(ख) कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान, या सरकार, या किसी सरकारी प्राधिकरण द्वारा

जानबूझकर या इरादतन चूककर्ता घोषित नहीं किया गया है।

(ग) कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई सावधि ऋण नहीं लिया है और वर्ष की शुरुआत में कोई बकाया सावधि ऋण नहीं है और इसलिए, आदेश के अनुच्छेद 3(ix)(ग) के तहत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं है।

(घ) कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच पर, अल्पावधि के आधार पर जुटाई गई धनराशि का, प्रथम दृष्टया तौर पर, कंपनी द्वारा दीर्घकालिक उद्देश्यों के लिए, वर्ष के दौरान उपयोग नहीं किया गया है।

(ङ) कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच पर, कंपनी ने सहायक कंपनियों, सहयोगियों या संयुक्त उद्यमों के किसी भी दायित्व को पूरा करने के लिए किसी भी इकाई, फर्म या व्यक्ति से कोई धन नहीं लिया है।

(च) कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई ऋण नहीं लिया है और इसलिए आदेश के खंड 3(ix)(च) पर रिपोर्टिंग कंपनी लागू नहीं है।

(x) (क) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने इस अवधि के दौरान सार्वजनिक प्रस्ताव या अगला सार्वजनिक प्रस्ताव (ऋण निवेशों सहित) आरंभ करके कोई धनराशि नहीं जुटाई। तदनुसार आदेश का पैरा 3(x)(क) कंपनी पर लागू नहीं होता।

(ख) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के प्रलेखों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने इस अवधि के दौरान शेयरों का कोई अधिमान्य आवंटन या निजी तौर पर नियोजन या पूर्ण या आंशिक या वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर नहीं किया है। तदनुसार, आदेश का अनुच्छेद 3(x)(ख) कंपनी पर लागू नहीं होता है।

(xi) (क) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, इस अवधि के दौरान कंपनी पर या कंपनी द्वारा कोई धोखाधड़ी नहीं देखी गई अथवा प्रतिवेदित नहीं की गई है।

(ख) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, अधिनियम की धारा 143 की उप–धारा (12) के तहत कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम 2014 के नियम 13 के अधीन निर्दिष्ट प्रपत्र एडीटी–4 में केंद्र सरकार कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है।

(ग) जैसा कि प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत किया गया है, वर्ष के दौरान कंपनी को कोई मुखबिर शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

(xii) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार, कंपनी एक निधि कंपनी नहीं है। तदनुसार, आदेश का पैरा 3(xii) कंपनी पर लागू नहीं होता।

(xiii) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार, कंपनी पर लागू होने वाली सीमा तक अधिनियम की धारा 177 और 188 का अनुपालन किया है और ऐसे लेनदेनों के ब्यौरे, लागू होने वाले लेखाकंन मानकों द्वारा यथा अपेक्षित, वित्तीय विवरणों में प्रकट किए गए हैं।

(xiv) (क) हमारे अभिमत में और हमारी जांच के आधार पर, कंपनी के पास आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली नहीं है और अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली रखे जाने की आवश्यकता नहीं है।

(ख) हमारे अभिमत में और हमारी जांच के आधार पर, कंपनी के पास लेखापरीक्षा की जाने वाली अवधि के लिए आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली मौजूद नहीं थी और तदनुसार किसी आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्ट पर विचार नहीं किया गया है।

(xv) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार, कंपनी ने, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 192 द्वारा कवर किए गए निदेशकों या उनसे संबंधित व्यक्ति के साथ कोई गैर–नकदी लेनदेन नहीं किए हैं।

(xvi) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी को भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45–आईए के तहत पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इसने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से एक वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) की स्थापना के लिए प्रमाण पत्र दिनांक 1 सितंबर 2021 के माध्यम से आवश्यक नियामक अनुमोदन प्राप्त कर लिया है और मास्टर निर्देश – आरबीआई अधिनियम 1934 के प्रावधानों से छूट के अनुसार, जैसा कि समय–समय पर अद्यतन किया गया है, भारतीय रिजर्व बैंक ने विशेष रूप से (एआईएफ) को भारतीय रिजर्व बैंक के साथ

पंजीकरण से छूट दी है। तदनुसार, अनुच्छेद 3 (xvi) कंपनी पर लागू नहीं होता है।

(xvii) कंपनी को चालू वित्त वर्ष में कोई नकद घाटा नहीं हुआ है।

(xviii) वर्ष के दौरान कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा कोई त्यागपत्र नहीं दिया गया है।

(xix) वित्तीय अनुपात, काल प्रभावान और वित्तीय परिसंपत्तियों का प्रापण तथा वित्तीय देनदारियों के भुगतान की अपेक्षित तारीखों के आधार पर, वित्तीय विवरणों के साथ अन्य जानकारी व निदेशक मंडल और प्रबंधन योजनाओं के बारे में हमारी जानकारी के अनुसार और समर्थक साक्ष्यों की हमारी जांच के आधार पर हमारे ध्यान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है, जो हमें यह विश्वास दिलाता है कि लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की तिथि के अनुसार कोई भी भौतिक अनिश्चितता मौजूद है और जो यह दर्शाता हो कि कंपनी तुलन पत्रों की तिथि पर मौजूद अपनी देनदारियों को पूरा करने में सक्षम नहीं है तथा जब कभी वे तुलन पत्र की तिथि से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय हो जाते हैं। हालांकि, हम कहते हैं कि यह कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के संबंध में कोई आश्वासन नहीं है। हम आगे उल्लेख करते हैं कि हमारी रिपोर्टिंग लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की तिथि तक के तथ्यों पर आधारित है और हम न तो कोई गारंटी देते हैं और न ही कोई आश्वासन देते हैं, कि तुलन पत्रों की तिथि से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय सभी देनदारियों को कंपनी द्वारा, जब कभी भी वे देय हों, अदायगी कर दी जाएगी।

(xx) हमारे अभिमत में और हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, अधिनियम की धारा 135 के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं। तदनुसार, आदेश का अनुच्छेद 3(xx) कंपनी पर लागू नहीं होता है।

देवन्द्र कुमार जैन एण्ड एसोसिएट्स के लिए
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.: 007799एन

ह./–
सीए डी.के. जैन
साझेदार
सदस्यता सं. : 083417

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.08.2023

31 मार्च, 2023 को समाप्त अवधि के लिए एनएसआईसी वेंचर कैपीटल लिमिटेड के सदस्यों को हमारी स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में उल्लिखित अनुबंध ख

कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') की धारा 143 की उप–धारा 3 के खंड (i) के अधीन आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2023 तक "कंपनी" की स्थिति के अनुसार एनएसआईसी वेंचर कैपीटल फंड लिमिटेड के वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतारिक वित्तीय नियंत्रणों रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की उस तारीख को समाप्त वर्ष के कंपनी के वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के साथ मिलाकर लेखापरीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के संबंध में प्रबंधक–वर्ग की जिम्मेदारी

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान ('आईसीएआई') द्वारा जारी किए गए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा संबंधी दिशा–निर्देश टिप्पणी में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मापदंड पर आंतरिक नियंत्रण पर आधारित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए कंपनी का प्रबंधक–वर्ग जिम्मेदार होता है। इस जिम्मेदारी में ऐसा पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण तैयार करना, लागू करना और बनाए रखना भी शामिल है जो इसके कारोबार का विधिवत और प्रभावी रूप से संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से कार्य कर रहा हो। इसमें निगम की नीतियों, इसकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा, कपट और त्रुटि का निवारण तथा पता लगाना, लेखाकरण अभिलेखों की यथार्थता और पूर्णता तथा अधिनियम के अधीन अपेक्षित विश्वसनीय वित्तीय सूचना समय पर तैयार करना भी शामिल है।

लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखापरीक्षा पर आधारित कंपनी के आंतारिक वित्तीय विवरणों पर अपना अभिमत व्यक्त करना है। हमने अपनी लेखापरीक्षा वित्तीय रिपोर्टिंग की लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शक टिप्पणी ("मार्गदर्शक टिप्पणी") तथा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा, दोनों पर प्रयोज्य सीमा तक लागू आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा एवं कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(10) के अधीन निर्धारित माने जाने वाले भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए लेखापरीक्षा के मानकों के अनुसार की है। इन मानकों और मार्गदर्शक टिप्पणी द्वारा यह अपेक्षित है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का पालन करें और लेखापरीक्षा का नियोजन इस प्रकार करें, जिनसे यह उपयुक्त आश्वासन प्राप्त हो कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण स्थापित किए गए हैं और उनका संचालन किया गया एवं क्या ऐसे नियंत्रण प्रभावी रूप से कार्य कर रहे हैं।

हमारी लेखापरीक्षा में, वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता और उसकी प्रचालन प्रभावोत्पादकता के बारे में लेखापरीक्षा संबंधी साक्ष्य प्राप्त करने की निष्पादन प्रक्रियाएँ अपनाना शामिल है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की जानकारी प्राप्त करने, जोखिम, जिनसे महत्त्वपूर्ण हानि होती है, का निर्धारण तथा निर्धारित जोखिम के आधार पर आंतरिक वित्तीय प्रणाली की प्रचालन प्रभावोत्पादकता की जांच तथा मूल्यांकन एवं निरूपण शामिल है। चयन की प्रक्रियाएँ लेखापरीक्षणों के निर्णयों पर आधारित होती हैं, जिनमें वित्तीय विवरणों की महत्त्वपूर्ण गलतबयानी, चाहे वह धोखाधड़ी हो या त्रुटि हो, के जोखिमों का निर्धारण भी शामिल करना है।

हम विश्वास करते हैं कि हमने जो लेखापरीक्षा संबंधी साक्ष्य प्राप्त किया है, वह वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की हमारी लेखापरीक्षा की अर्हक मूल अभिमत उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त और समुचित है।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण से तात्पर्य

वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है, जो वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के बारे में उचित आश्वासन देने और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार बाह्य प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए बनाई गई है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं, जो (1) अभिलेखों को उचित विवरणों, यथार्थता से बनाए रखने से संबंधित हों और जिनमें निगम की परिसंपत्तियों के लेन–देन या निपटान को सही तरीके से दर्शाया गया हो, (2) इस संबंध में उचित आश्वासन दे कि सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए आवश्यक लेन–देनों को दर्ज किया गया है और कंपनी की प्राप्तियों और व्यय को निगम के प्रबंधक वर्ग और निदेशकों के प्राधिकार के अनुसार ही किया जाता है और (3) अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग

या निगम की परिसंपत्तियों के निपटान का निवारण करने या समय पर पता लगाने के बारे में उचित आश्वासन देता है, जिनका वित्तीय विवरणों पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की निहित सीमाएँ

प्रबंधन की मिलीभगत की संभावना या अनुचित प्रबंधन द्वारा नियंत्रण अधिभावी करने सहित वित्तीय रिपोर्टिंग पर निगम के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की निहित सीमाओं से त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण महत्त्वपूर्ण मिथ्या कथन किया जा सकता हो और जिसका पता नहीं लग पाया हो, शामिल है। इसके अलावा, वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर किसी मूल्यांकन को भविष्य में दर्शाना, जिससे जोखिम हो सकता है और जो वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के संबंध में बदली हुई स्थितियों में अपर्याप्त हो सकता है या जिनसे नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुपालन की मात्रा में गिरावट आ सकती हो।

अभिमत

हमारे अभिमत में, कंपनी के पास सभी भौतिक मामलों हेतु वित्तीय विवरणों के संदर्भ में एक पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और वित्तीय विवरणों के संदर्भ में ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण, 31 मार्च 2023 तक प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे और जो इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर वित्तीय प्रतिवेदन हेतु मार्गदर्शन नोट में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए, कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय विवरण मानदंड के संदर्भ में आंतरिक नियंत्रण पर आधारित हैं।

देवन्द्र कुमार जैन एण्ड एसोसिएट्स के लिए
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.: 007799एन

ह./–
सीए डी.के. जैन
साझेदार
सदस्यता सं. : 083417

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.08.2023

31 मार्च, 2023 को समाप्त अवधि के लिए एनएसआईसी वेंचर कैपीटल लिमिटेड के सदस्यों को हमारी स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में उल्लिखित अनुबंध ग

31 मार्च, 2023 को समाप्त अवधि के लिए एनएसआईसी वेंचर कैपीटल फंड लिमिटेड के वित्तीय विवरणों के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143(5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा जारी किए गए निर्देशों पर रिपोर्ट।

क्र. सं.	निर्देश	उत्तर
I	क्या कंपनी में सभी लेखांकन लेन–देन आईटी प्रणाली के जरिए प्रोसेस करने की प्रणाली विद्यमान है? यदि हाँ तो वित्तीय प्रभावों, यदि कोई हैं, के साथ–साथ लेखाओं के एकीकरण पर आईटी प्रणाली के बाहर लेखांकन लेन–देनों की प्रसंस्करण के प्रभावों का उल्लेख किया जाए।	हाँ, कंपनी में सभी लेखांकन लेन–देन आईटी प्रणाली के जरिए प्रोसेस करने के लिए प्रणाली विद्यमान है। कंपनी लेखांकन के लिए टेली, सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रहा है। लेखापरीक्षा प्रक्रिया के आधार पर और हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार आईटी प्रणाली के बाहर कोई लेखांकन लेन–देन प्रोसेस नहीं किया गया है/ना ही बाहर लेकर गए हैं।
II	क्या ऋण की अदायगी के लिए कंपनी की देयता के कारण, कंपनी को ऋणदाताओं द्वारा दिए गए कर्जों/ऋणों/ब्याज आदि की छूट/बट्टेखाते डालने के मामलों या मौजूद ऋण की कोई पुनर्संरचना की गई है? यदि हाँ, तो वित्तीय प्रभाव का उल्लेख किया जाए।	हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा रिकार्डों की हमारी जांच के आधार पर किसी मौजूदा ऋण या कंपनी ने इस अवधि के दौरान ऋण दाताओं से कोई ऋण स्वीकार नहीं किया है।
III	क्या केंद्र/राज्य सरकार की एजेंसियों से विशिष्ट स्कीमों के लिए प्राप्त/प्राप्य निधियों को उचित ढंग से लेखे में लिया गया है/शर्तों एवं निबंधनों के अनुसार उनका उपयोग किया गया है? विपथन के मामलों की सूची दें।	हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और प्रलेखों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी को 12 अक्टूबर 2021 के योगदान समझौते के अनुसार, एसआरआई फंड में अपने योगदान के रूप में केंद्र सरकार से धनराशि प्राप्त हुई है। एसआरआई फंड की ओर से कंपनी द्वारा किए गए खर्चों की प्रतिपूर्ति को छोड़कर, इसका समुचित लेखा–जोखा रखा है और एक अलग बैंक खाते में रखा गया है तथा तुलन–पत्र की तिथि के अनुसार इसका उपयोग नहीं किया गया है।

देवन्द्र कुमार जैन एण्ड एसोसिएट्स के लिए
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.: 007799एन

ह./–
सीए डी.के. जैन
साझेदार
सदस्यता सं. : 083417

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.08.2023

अनुपालन संबंधी प्रमाणपत्र

हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा जारी किए गए निर्देशों के अनुसार एनएसआईसी वेंचर कैपीटल फंड लिमिटेड के 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लेखाओं की लेखापरीक्षा की है और प्रमाणित किया जाता है कि हमने, हमें जारी किए गए सभी निर्देशों/उप–निर्देशों का पालन किया है।

देवन्द्र कुमार जैन एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
आईसीएआई फर्म पंजीकरण संख्या : 007799एन

ह./–
सीए डी.के. जैन
साझेदार
सदस्यता सं. : 083417
यूडीआईएनः 23083417बीजीएक्सएचसीजे2856

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.08.2023

टिप्पणियाँ, जो 31 मार्च, 2023 को समाप्त अवधि के लिए वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

टिप्पणी – 1 : कॉरपोरेट सूचना एवं लेखांकन का आधार

क. कंपनी सूचना

एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड ('एनवीसीएफएल' या 'कंपनी'), एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी है, जो भारत में अवस्थित है और कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत 28 अगस्त, 2020 को निगमित की गई है। कंपनी भारत सरकार के एक उद्यम राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड ('एनएसआईसी'), के अंतर्गत एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और इसका पंजीकृत कार्यालय एनएसआईसी भवन, ओखला औद्योगिक एस्टेट, फेस–III, नई दिल्ली–110020 (भारत) में स्थित है। दिनांक 1 सितंबर 2021 से, एनवीसीएफएल को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ('सेबी') के साथ भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (वैकल्पिक निवेश कोष) विनियम, 2012 ('विनियम') के तहत आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड ("योजना" या "निधि") नामक इसकी पहली योजना के लिए श्रेणी II वैकल्पिक निवेश कोष के रूप में पंजीकृत किया गया और पंजीकरण संख्या IN/AIF2/21-22/0924 प्राप्त हुई है। इस योजना में भारत सरकार, एनएसआईसी और कंपनी इसके योगदानकर्ता हैं और इसे एक अलग 'एसोसिएशन ऑफ पर्सन' (व्यक्तियों का संघ) के रूप में माना गया है। इस योजना का उद्देश्य इक्विटी, अर्ध–इक्विटी और ऋण के माध्यम से एमएसएमई को विकास पूंजी के रूप में सहायता के प्रावधान के लिए संतति/अनुषंगी निधियों (डॉटर फंड) को वित्त पोषण सहायता प्रदान करना है।

ख. लेखांकन का आधार

I. अनुपालन कथन

कंपनी अधिनियम, 2013 ("एक्ट") के प्रावधानों के अंतर्गत भारतीय लेखाकरण मानकों का अनुपालन करते हुए वित्तीय विवरण तैयार किया जाएगा। यथासंशोधित कंपनी (भारतीय लेखाकरण मानक) नियमावली 2015 और इस अधिनियम के अन्य संबन्धित प्रावधानों का अनुपालन करते हुए भारतीय लेखाकरण मानकों का निर्धारण अधिनियम के अनुच्छेद 133 अंतर्गत किया गया है।

II. तैयार करने और प्रस्तुत करने का आधार

भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरण एक चल रहे प्रतिष्ठान के रूप में उपार्जित आधार पर और ऐतिहासिक लागत परंपरा के अंतर्गत तैयार किए गए हैं, सिवाय कुछ वित्तीय परिसंपत्तियों के और वित्तीय देयताओं, जिन्हें सुसंगत भारतीय लेखांकन मानकों के अंतर्गत यथापेक्षित रिपोर्ट की प्रत्येक तिथि के अंत में उचित मूल्य पर मापा जाता है। इन नीतियों को वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत सभी अवधियों / समय के लिए लगातार लागू किया गया है।

हालांकि, मास्टर निदेश – आरबीआई अधिनियम, 1934 के प्रावधानों से छूट के अनुसार कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक के साथ गैर–बैंकिंग वित्त कंपनियों (एनबीएफसी) के रूप में पंजीकरण से छूट दी गई है, जैसा कि समय–समय पर अद्यतन किया जाता है, दिनांक 31 मार्च, 2023 को समाप्त अवधि के लिए अपने वित्तीय विवरणों को तैयार करते समय कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III की डिवीजन III का पालन किया है। डिवीजन III एनबीएफसी पर लागू होता है जैसा कि कंपनियों (भारतीय लेखा मानक नियम) 2015 में परिभाषित किया गया है, जिसमें उद्यम पूंजी निधि कंपनियाँ शामिल हैं और कंपनी को एआईएफ की स्थापना के विशिष्ट उद्देश्य के साथ एक उद्यम पूंजी निधि कंपनी के रूप में स्थापित किया गया है।

III. निर्णयों और अनुमानों का उपयोग

कम्पनी की लेखांकन नीतियों के अनुरूप वित्तीय विवरण तैयार करने में प्रबंधन से यह अपेक्षा की जाती है कि वह ऐसे अनुमान लगाएगा और कल्पना करेगा, जो वित्तीय विवरणों की तिथि को यथास्थिति आकस्मिक देयताओं के विगोपन और परिसंपत्तियों तथा देयताओं की रिपोर्ट की गई धनराशियों, रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान राजस्व और खर्चों की धनराशि तथा वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों को प्रभावित करेगा। हालांकि ये अनुमान प्रबंधन की

वर्तमान कार्यक्रमों और कार्यवाहियों की सर्वोत्तम जानकारी पर आधारित हैं, परंतु वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं। लेखांकन अनुमानों में किए गए किसी संशोधन को उस अवधि में मान्यता दी जाती है, जिसमें ये परिणाम स्पष्ट हो जाएँ।

IV. महत्वपूर्ण लेखांकन अनुमान और प्रबंधन निर्णय

लेखांकन नीतियों के अनुप्रयोग में, कम्पनी के प्रबंधन से यह अपेक्षा की जाती है कि वह परिसंपत्तियों और देयताओं की लागत धनराशियों के बारे में निर्णय करे, अनुमान लगाए और कल्पना करें, जो अन्य स्रोतों से आसानी से स्पष्ट न हो सके। ये अनुमान और कल्पनाएँ ऐतिहासिक अनुभव और अन्य कारकों पर आधारित है, जिन्हें सुसंगत माना जाता है। लेखांकन नीतियाँ, जिनका वित्तीय विवरणों में मान्यता दी गई धनराशियों पर सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, लागू करने में उपयोग किए गए अनुमान, अनिश्चितता और महत्त्वपूर्ण निर्णयों के महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों के बारे में सूचना नीचे दी गई है:

- **संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) अमूर्त परिसंपत्तियाँ:** परिसंपत्तियों के स्वरूप, परिसंपत्ति के अनुमानित उपयोग, परिसंपत्ति की परिचालनात्मक स्थिति, प्रतिस्थापन के पिछले इतिवृत्त और अनुरक्षण सहायता को ध्यान में रखते हुए रिपोर्ट की गई प्रत्येक तिथि को पीपीईज और अमूर्त परिसंपत्तियों के अवशिष्ट मूल्य और अनुमानित उपयोगी जीवनकाल का मूल्यांकन किया जाता है। समीक्षा करने पर प्रबंधन, मूल्यह्रास/मौद्रिकीकरण के परिकलन के लिए दिया गया उपयोगी जीवनकाल और अवशिष्ट मूल्य स्वीकार करता है।

- **आय कर:** भुगतान की जाने वाली प्रत्याशित धनराशि/अनिश्चित कर स्थितियों के लिए वसूल की गई धनराशि सहित आय कर के लिए प्रावधान निर्धारित करने में अनुमान शामिल होते हैं। स्थगित कर परिसंपत्ति का मूल्यांकन करने के लिए प्रत्याशित भावी लाभप्रदाता के संबंध में निर्णय लिए जाते हैं।

- **वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि:** व्यापार प्राप्य और ऋण और अग्रिम सहित वित्तीय साधनों की हानि का मूल्यांकन, प्रत्याशित हानि और चूक के जोखिम के बारे में लगाए गए अनुमानों के आधार पर किया जाता है। हानिकरण के परिकलन के लिए इनपुट का चयन, अनुमान, पिछले इतिवृत्त, बाजार स्थितियों और रिपोर्ट की जाने वाली प्रत्येक तिथि के अंत में भावी अनुमानों पर विचार करते हुए प्रबंधन के निर्णय पर आधारित है।

- **गैर–वित्तीय परिसंपत्तियों का हानिकरण (पीपीई):** गैर–वित्तीय परिसंपत्तियों के हानिकरण का मूल्यांकन उन परिसंपत्तियों की वसूलीयोग्य धनराशि के अनुमान के आधार पर निर्धारित किया जाता है। वसूलीयोग्य धनराशि का परिकलन करने में उपयोग किए गए अनुमान प्रबंधन के निर्णय पर आधारित होते हैं।

- **सुनिश्चित लाभ योजनाएं और अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभ:** वर्तमान में, कंपनी में केवल एक कर्मचारी है, परिभाषित लाभ योजना की लागत और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ और ऐसे दायित्व का वर्तमान मूल्य स्वतंत्र बीमांकिक मूल्यांकनकर्ता द्वारा निर्धारित किया जाता है। बीमांकिक मूल्यांकन में विभिन्न धारणाएँ बनाना शामिल होता है जो वास्तविक से भिन्न हो सकती हैं। प्रबंधन का मानना है कि छूट दर, भविष्य में वेतन वृद्धि, मृत्यु दर और नौकरी छोड़ने की दर के निर्धारण में बीमांकिक द्वारा उपयोग की गई धारणा उचित है।

- **वित्तीय विलेखों का उचित मूल्य मापन:** जब वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं के उचित मूल्य सक्रिय बाजारों में उद्धृत मूल्यों के आधार पर नहीं मापे जा सकते तो ऐसी स्थिति में प्रबंधन इसके उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए अन्य

मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करता है। ये तकनीकें लागू करने के लिए इनपुट, जहां कही संभव हो, अवलोकनयोग्य बाजारों से प्राप्त किए जाते हैं, परंतु जहाँ ऐसा करना व्यवहार्य नहीं है, उचित मूल्य स्थापित करने में निर्णय का उपयोग किया जाता है। इन निर्णयों में परिशोधन जोखिम, क्रेडिट जोखिम और सचलता जैसे इनपुटों पर विचार शामिल हैं।

- **प्रावधान और आकस्मिकताएँ:** अन्य प्रावधानों की मान्यता और मापन, संसाधनों के बहिर्वाह की संभाव्यता के मूल्यांकन और रिपोर्टिंग की तिथि को ज्ञात परिस्थितियों तथा पिछले अनुभव पर आधारित होते हैं। इसलिए, भविष्य की किसी तिथि को संसाधनों का वास्तविक बहिर्वाह, प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में अनुमानित आंकड़ों से भिन्न हो सकता है।

- **निधि द्वारा व्यय की प्रतिपूर्ति:** निधि द्वारा किए गए खर्चों हेतु निधि में से प्रतिपूर्ति की गई राशि, जो निधि की ओर से कंपनी द्वारा वहन की जाती है, निधि दस्तावेजों के अनुसार, निधि के व्यय के सापेक्ष उचित व्यय खाते की प्रस्तुति के 30 (तीस) कैलेंडर दिनों के भीतर, जो उपयुक्त चालान और/या रसीदों द्वारा समर्थित हो, एनवीसीएफएल की विधिवत प्रतिपूर्ति की जाती है और इसे कंपनी के बही खातों में समायोजित किया जाता है।

V. कार्यात्मक और प्रस्तुतिकरण मुद्रा

ये भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरण भारतीय रुपयों, जो भारत की मुद्रा है और कम्पनी की कार्यात्मक मुद्रा है।

टिप्पणी – 2 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

वित्तीय विवरण तैयार करने और प्रस्तुत करने में लागू की गई महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का एक साथ जो नीचे दिया गया है। वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत की गई सभी अवधियों के लिए निरंतर लागू किया गया है।

2.1 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) – मूर्त पीपीईज

2.1.1 आरंभिक मान्यता और मापन

I. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की मदों को आरंभतः लागत आधार पर मान्यता दी जाती है। उत्तरवर्ती मापन से संचित मूल्यह्रास, पट्टा समाप्ति समायोजन और संचित हानिकरण हानियाँ, यदि कोई हैं। घटाकर निकाली गई लागत पर मापन किया जाता है। उक्त लागत में ऐसा व्यय शामिल है जो प्रत्यक्षतः परिसंपत्ति को स्थान तक लाने और इसके अभीष्ट उपयोग के लिए आवश्यक कार्य स्थिति में लाने के कारण हुआ है।

II. जब पीपीई की किसी मद के भागों का उपयोगी जीवनकाल भिन्न होता है तो उन्हें ऐसे संघटकों का पता लगाकर अलग से मान्यता जाती है।

III. उक्त लागत में ऐसा व्यय शामिल है जो प्रत्यक्षतः परिसंपत्ति को स्थान तक लाने और इसके अभीष्ट उपयोग के लिए आवश्यक कार्य स्थिति में लाने के कारण हुआ है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की विनिर्दिष्ट मद के प्रत्यक्षतः कारण उधार लेने की लागतें (उधार ली गई निधियों, यदि कोई हो, के अस्थायी निवेश पर आय घटाने के पश्चात) उन मदों के प्रति पूंजीकृत की जाती है।

2.1.2 उत्तरवर्ती लागतें

उत्तरवर्ती खर्च को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की लागत धनराशि में वृद्धि के रूप में मान्यता दी जाती है, जब यह संभावना हो कि लगाई गई लागत से प्राप्त होने वाले भावी आर्थिक लाभ उद्यम में प्राप्त होंगे और संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की लागत विश्वसनीय ढंग से मापी जा सकती है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की किसी मद के प्रतिस्थापन भाग की लागत को उस मद की लागत धनराशि में मान्यता दी जाती है, यदि यह संभावना हो कि उस भाग के अंदर शामिल भावी आर्थिक लाभ कम्पनी को प्राप्त

होंगे और इसकी लागत विश्वसनीय ढंग से मापी जा सकती है। प्रतिस्थापित भाग की लागत धनराशि का विमान्यताकरण कर दिया जाता है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की दिन–प्रतिदिन की सर्विसिंग की लागतों को लाभ या हुई हानि में मान्यता दी जाती है।

2.1.3 विमान्यताकरण

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को विमान्यताकृत कर दिया जाता है, जब उनके उपयोग से या उनके निपटान पर किसी भावी आर्थिक लाभ की आशा न हो। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की किसी मद के निपटान पर हुए लाभ और हानियाँ संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की लागत धनराशि के साथ निपटान से प्राप्त धनराशि की तुलना करके निर्धारित किए जाते हैं और इन्हें लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी जाती है।

2.1.4 संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण का हानिकरण

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण को हानिकृत के रूप में माना जाता है, जब परिसंपत्तियों की रखाव लागत इसकी वसूलीयोग्य धनराशि से अधिक हो हानिकृत हानि को उस वर्ष में लाभ एवं हानि विवरण में तुरंत मान्यता दी जाती है जिस वर्ष में परिसंपत्ति की पहचान हानिकृत के रूप में की गई हो और संपत्ति की लागत धनराशि इसकी वसूलीयोग्य धनराशि से घटा दी गई हो, जब तक संबंधित परिसंपत्ति पूर्नमूल्यकृत धनराशि पर लाई गई हो, जब हानिकृत हानि को पुनर्मूल्यांकन कमी के रूप में माना गया हो। यदि ऐसा कोई संकेत मिलता है कि पहले मूल्यांकन किया गया हानिकरण हानि अब मौजूद नहीं है तो ऐसी स्थिति में वसूलीयोग्य धनराशि का पूर्नमूल्याकन किया जाता है और परिसंपत्ति को वसूलीयोग्य धनराशि के रूप मे दर्शाया जाता है।

2.1.5 मूर्त परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास

I. कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II के भाग ग में विनिर्दिष्ट उपयोगी जीवनकाल के अनुसार, मोबाइल फोन उपकरण को छोड़कर मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति आधार पर प्रभारित किया जाता है।

क्र. सं.	परिसंपत्तियों के स्वरूप	उपयोगी जीवन	दर	अवशिष्ट मूल्य
1	कंप्यूटर, लैपटाप और प्रोसेसिंग यूनिट्स	3 वर्ष	31.67%	मूल लागत का 5%
2	मोबाइल फोन उपकरण	3 वर्ष	33.33%	रु. 1/–
3	कार्यालय उपकरण	10 वर्ष	9.50%	मूल लागत का 5%

II. वर्ष के दौरान संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण (पीपीई) से घटावों/अभिवृद्धियों पर मूल्यह्रास उस तिथि, जिसको परिसंपत्ति उपयोग/निपटान के लिए उपलब्ध है, से/तक यथा अनुपात आधार पर प्रभारित किया जाता है।

III. 0.10 लाख रूपये तक की लागत की परिसंपत्तियाँ, अवशिष्ट मूल्य के रूप में मूल लागत का 5% रखने के पश्चात खरीद के वर्ष में पूर्णतः मूल्यह्रासित की जाती है, सिवाय मोबाइल फोन उपकरण के, जहाँ 1 रूपये को अवशिष्ट मूल्य के रूप में रखा जाता है।

IV. 0.10 लाख से अधिक मूल्य के मोबाइल फोन उपकरण, अवशिष्ट मूल्य के रूप में 1/– रुपया रखने के पश्चात, उस वर्ष, जिसमें यह प्राप्त किया गया था, से आरंभ करके प्रबंधन के अनुसार उनके उपयोगी जीवन के अनुमान पर विचार करते हुए 3 वर्ष की अवधि में मूल्यह्रासित किया जाता है।

2.2 अमूर्त संपत्तियाँ

2.2.1 प्रारंभिक मान्यता और माप

निगम द्वारा अर्जित की गई अमूर्त संपत्ति, जिनका सीमित उपयोगी जीवनकाल है, किसी भी इकाई द्वारा प्रतिपूर्ति की गई किसी भी लागत से कम के रूप में लागत के आधार पर मान्यता दी जाती

हैं। बाद में माप लागत, कम संचित परिशोधन और संचित क्षति हानि, यदि कोई हो, के आधार पर किया जाता है। लागत में ऐसे कोई भी प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार आकस्मिक व्यय भी शामिल है, जो संपत्ति को उसके इच्छित उपयोग के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, यदि कंपनी द्वारा अमूर्त आस्तियों के विकास द्वारा खर्च की गई राशि की किसी भी इकाई द्वारा पूरी तरह से प्रतिपूर्ति की जाती है, तो अमूर्त परिसंपत्तियों को उसके अस्तित्व को दर्ज करने के लिए खातों की पुस्तकों में रु. 1 के नाममात्र मूल्य पर दर्ज किया जाता है।

2.2.2 अनुवर्ती लागतें

बाद के अनुवर्ती व्यय को परिसंपत्ति की वहन राशि में वृद्धि के रूप में माना जाता है, जब यह संभव हो कि भविष्य में होने वाली लागत से प्राप्त होने वाले आर्थिक लाभ उद्यम में प्रवाहित होंगे और वस्तु की लागत को उसके टिकाऊपन के आधार पर मापा जा सकता है।

2.2.3 विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्तियाँ

कंपनी द्वारा किए गए व्यय जो विशेष रूप से एक अमूर्त परिसंपत्ति के विकास के लिए समर्पित हों और यदि इसमें भारतीय लेखांकन मानक 38 का अनुपालन किया जाता है और विकास पूरा होने पर इनमें मान्यता और माप मानदंडों को पूरा करने की संभावना है तो इसे ''विकास के तहत अमूर्त संपत्ति'' के रूप में पूंजीकृत किया जाता है। कंपनी ने एआईएफ के संचालन के लिए सेबी से एक नियामक अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया पर खर्च किया है और सभी प्रत्यक्ष रूप से समर्पित खर्च, जिसके परिणामस्वरूप आर्थिक लाभ की संभावना है, को पूंजीकृत किया गया है और विकास के तहत अमूर्त संपत्ति के रूप में प्रकट किया गया है और ऐसी संपत्ति सेबी अनुमोदन प्राप्त होने की तिथि से परिशोधित होगी। इसके अलावा, यदि कंपनी द्वारा किए गए किसी भी राशि की प्रतिपूर्ति किसी भी संस्था द्वारा की जाती है, तो विकास के तहत अमूर्त संपत्ति की लागत को खाता बहियों में प्रतिपूर्ति की गई राशि के साथ समायोजित किया जाता है।

2.2.4 अमान्य किया जाना

एक अमूर्त परिसंपत्ति को तब अमान्य कर दिया जाता है, जब उनके उपयोग या उनके निपटान से कोई भविष्य के आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं होती है। अमूर्त संपत्ति की एक वस्तु के निपटान पर लाभ और हानि को अमूर्त परिसंपत्तियों की अग्रणी राशि के साथ निपटान से प्राप्त आय की तुलना करके निर्धारित किया जाता है और लाभ और हानि के विवरण में दर्ज किया जाता है।

2.3 राजस्व मान्यता

राजस्व प्राप्त किए गए और प्राप्तियोग्य प्रतिफल के उचित मूल्य पर मापा जाता है। आय/राजस्व की सभी मदें और व्यय प्रोद्भवन आधार पर लेखे में लिए जाते हैं जहाँ नीचे उल्लिखित वसूली के बारे में निश्चित हो:

2.3.1 ब्याज आय

सावधि जमा पर ब्याज आय समय के आधार पर, बकाया मूलधन और लागू प्रभावी ब्याज दर के संदर्भ में अर्जित की जाती है, यह वो दर है जिस पर प्रारम्भिक पहचान के बाद उस परिसंपत्ति की निवल अग्रणीत राशि पर वित्तीय आस्तियों के अपेक्षित जीवनकाल के माध्यम से अनुमानित भावी नकद प्राप्ति को सटीक रूप से छूट देती है।

2.3.2 प्रबंधन शुल्क

भारत सरकार द्वारा जारी परिचालन दिशा–निर्देशों और निधि के योगदानकर्ताओं के साथ हस्ताक्षरित योगदान समझौते के अनुसार, एनवीसीएफएल द्वारा एक निवेश प्रबंधन शुल्क ('प्रबंधन शुल्क') प्राप्त किया जा सकता है। योगदान समझौते में निर्दिष्ट प्रतिशत के रूप में एनवीसीएफएल द्वारा प्राप्य प्रबंधन शुल्क, वास्तव में निधि के निपटान में रखी गई राशि से है।

2.3.3 व्यय की प्रतिपूर्ति

ऐसी राशि जो एसआरआई फंड की ओर से कंपनी द्वारा खर्च की जाती है, निधि के दस्तावेजों के अनुसार निधि द्वारा प्रतिपूर्ति की जाती है और यह लाभ और हानि खाते में जमा की जाती है।

2.3.4 व्यय का आवंटन

प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष व्यय प्रोद्भवन के आधार पर लाभ और हानि के विवरण के लिए प्रभारित किए जाते हैं।

2.4 कर्मचारी लाभ

कर्मचारी लाभ में वेतन और मजदूरी, भविष्य निधि, पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण और अन्य टर्मिनल लाभ शामिल हैं।

(क) अल्पकालिक कर्मचारी लाभ

अल्पकालिक कर्मचारी लाभों में कर्मचारी लागत जैसे वेतन, भत्ते, वार्षिक अवकाश और बीमार अवकाश शामिल होते हैं जो उस वर्ष के दौरान अर्जित होते हैं जिसमें निगम के कर्मचारियों द्वारा संबंधित सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

अल्पकालिक कर्मचारी लाभों के संबंध में मान्यता प्राप्त देनदारियों को संबंधित सेवाओं के बदले भुगतान किए जाने वाले अपेक्षित लाभों की बिना छूट वाली राशि पर मापा जाता है।

(ख) रोजगार के बाद के लाभ और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

(i) परिभाषित योगदान योजना

परिभाषित योगदान एक रोजगारोत्तर लाभ योजना है जहां निगम विभिन्न संगठनों में निश्चित योगदान का भुगतान करता है और आगे की राशि का भुगतान करने के लिए कोई कानूनी या रचनात्मक दायित्व नहीं होगा। निगम द्वारा भविष्य निधि, पेंशन फंड और सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ (पीआरएमबी) में किए गए योगदान को परिभाषित योगदान योजना के रूप में माना जाता है। वर्ष के दौरान भुगतान/देय ऐसे योगदान को उस वर्ष के लाभ और हानि के विवरण में कर्मचारी लाभ व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है जिसमें संबंधित सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

भविष्य निधि में योगदान का भुगतान एक अलग ट्रस्ट के माध्यम से प्रशासित निधि में किया जाता है और पेंशन निधि में योगदान ट्रस्ट के माध्यम से भारतीय जीवन बीमा निगम को भुगतान किया जाता है। पीआरएमबी के संबंध में, चिकित्सा कोष सार्वजनिक उद्यम विभाग के दिशानिर्देशों के अनुसार बनाया जाता है जिसका उपयोग किया जाता है बीमा कंपनी को प्रीमियम का भुगतान।

(ii) परिभाषित लाभ योजना

एक परिभाषित लाभ योजना, परिभाषित अंशदान योजना के अलावा एक रोजगारोत्तर लाभ योजना है। ग्रेच्युटी, छुट्टी नकदीकरण और अन्य कर्मचारियों के लाभ अर्थात् बीमारी की छुट्टी और टी.ए. के प्रति निगम की देनदारी। सेवानिवृत्ति पर, निगम द्वारा किए गए, परिभाषित लाभ योजना के तहत विचार किए जाते हैं।

ऐसी परिभाषित लाभ योजनाओं के तहत दायित्व का वर्तमान मूल्य अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके वर्ष के अंत में बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित किया जाता है।

उपरोक्त मामलों के संबंध में बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार निर्धारित प्रकटीकरण नीचे दिया गया है: –

योजना देयता

(लाख रुपए में)

विवरण	सीवाई/ पीवाई	उपदान	अर्जित छुट्टी	रुग्णता छुट्टी	सेवानिवृत्ति पर
अवधि के अंत में यथास्थिति दायित्व का वर्तमान मूल्य	सीवाई	0.53	1.06	0.28	-
	पीवाई	0	0	0	0

सेवा लागत

(लाख रुपए में)

विवरण	सीवाई/ पीवाई	उपदान	अर्जित छुट्टी	रुग्णता छुट्टी	सेवानिवृत्ति पर
चालू सेवा लागत	सीवाई	0.53	1.06	0.28	-
	पीवाई	0	0	0	0
कटौती लाभों/ हानियों सहित पिछली सेवा लागत	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0
गैर–नैत्यक करारों पर लाभ या हानियाँ	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0
कुल सेवा लागत	सीवाई	0.53	1.06	0.28	-
	पीवाई	0	0	0	0

निवल ब्याज लागत

(लाख रुपए में)

विवरण	सीवाई/ पीवाई	उपदान	अर्जित छुट्टी	रुग्णता छुट्टी	सेवानिवृत्ति पर
सुनिश्चित लाभ दायित्व पर ब्याज लागत	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0
योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज आय	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0
निवल ब्याज लागत (आय)	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0

लाभ दायित्व में परिवर्तन

(लाख रुपए में)

विवरण	सीवाई/ पीवाई	उपदान	अर्जित छुट्टी	रुग्णता छुट्टी	सेवानिवृत्ति पर
अवधि आरंभ में दायित्व का वर्तमान मूल्य	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0
ब्याज लागत	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0
सेवा लागत	सीवाई	0.53	1.06	0.28	-
	पीवाई	0	0	0	0
लाभ/हानि मे कटौती सहित पिछली सेवा लागत	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0

(लाख रुपए में)

विवरण	सीवाई/ पीवाई	उपदान	अर्जित छुट्टी	रुग्णता छुट्टी	सेवानिवृत्ति पर
भुगतान किए गए लाभ	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0
दायित्व पर कुल बीमांकिक (लाभ)/ हानि	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0
अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	सीवाई	0.53	1.06	0.28	-
	पीवाई	0	0	0	0

दायित्व पर बीमांकिक लाभ/हानि का अलग–अलग विवरण

(लाख रुपए में)

विवरण	सीवाई/ पीवाई	उपदान	अर्जित छुट्टी	रुग्णता छुट्टी	सेवानिवृत्ति पर
जनसांख्यिकीय अनुमान में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/ हानि	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0
वित्तीय अनुमान में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/ हानि	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0
अनुभव समायोजन से उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/ हानि	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0

तुलन–पत्र और संबंधित विश्लेषण

(लाख रुपए में)

विवरण	सीवाई/ पीवाई	उपदान	अर्जित छुट्टी	रुग्णता छुट्टी	सेवानिवृत्ति पर
अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	सीवाई	0.53	1.06	0.28	-
	पीवाई	0	0	0	0
योजनागत परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	सीवाई	-	-	-	-
	पीवाई	-	-	-	-
तुलन–पत्र में अनिधिकृत देयता/ प्रावधान	सीवाई	(0.53)	(1.06)	(0.28)	-
	पीवाई	0	0	0	0

आय विवरण में मान्यताप्राप्त धनराशियाँ

(लाख रुपए में)

विवरण	सीवाई/ पीवाई	उपदान	अर्जित छुट्टी	रुग्णता छुट्टी	सेवानिवृत्ति पर
कुल सेवा लागत	सीवाई	0.53	1.06	0.28	-
	पीवाई	0	0	0	0
निवल ब्याज लागत	सीवाई				
	पीवाई	0	0	0	0
अवधि में मान्यताप्राप्त निवल बीमांकिक (लाभ)/ हानि	सीवाई				
	पीवाई	0	0	0	0
आय विवरण में मान्यताप्राप्त व्यय	सीवाई	0.53	1.06	0.28	-
	पीवाई	0	0	0	0

अन्य व्यापक आय (ओसीआई)

(लाख रुपए में)

विवरण	सीवाई/ पीवाई	उपदान	अर्जित छुट्टी	रुग्णता छुट्टी	सेवानिवृत्ति पर
आरंभिक निवल संचयी गैर–मान्यताप्राप्त बीमांकिक लाभ/(हानि)	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0
पीबीओ पर वर्ष के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि)	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0
परिसंपत्ति पर वर्ष के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि)	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0
अवधि के लिए गैर–मान्यताप्राप्त बीमांकिक लाभ/(हानि)	सीवाई	0	0	0	0
	पीवाई	0	0	0	0

निवल सुनिश्चित लाभ दायित्व में परिवर्तन

(लाख रुपए में)

विवरण	सीवाई/ पीवाई	उपदान	अर्जित छुट्टी	रुग्णता छुट्टी	सेवानिवृत्ति पर
अवधि के आरंभ में निवल सुनिश्चित लाभ देयता	सीवाई	-	-	-	-
	पीवाई	-	-	-	-

(लाख रुपए में)

विवरण	सीवाई/ पीवाई	उपदान	अर्जित छुट्टी	रुग्णता छुट्टी	सेवानिवृत्ति पर
अधिग्रहण समायोजन	सीवाई	-	-	-	-
	पीवाई	-	-	-	-
कुल सेवा लागत	सीवाई	0.53	1.06	0.28	-
	पीवाई	0	0	0	0
निवल ब्याज लागत (आय)	सीवाई	-	-	-	-
	पीवाई	-	-	-	-
पूर्नमापण	सीवाई	-	-	-	-
	पीवाई	-	-	-	-
निधि में भुगतान किया गया अंशदान	सीवाई	-	-	-	-
	पीवाई	-	-	-	-
उद्यम द्वारा प्रत्यक्ष रूप से भुगतान किया गया लाभ	सीवाई	-	-	-	-
	पीवाई	-	-	-	-
अवधि के अंत में निवल सुनिश्चित लाभ देयता	सीवाई	0.53	1.06	0.28	-
	पीवाई	0	0	0	0

वर्तमान और गैर–वर्तमान में वर्ष के अंत में पीबीओ का द्विभाजन

(लाख रुपए में)

विवरण	सीवाई/ पीवाई	उपदान	अर्जित छुट्टी	रुग्णता छुट्टी	सेवानिवृत्ति पर
वर्तमान देयता (एक वर्ष के भीतर राशि)	सीवाई	0.005	0.07	0.04	0
	पीवाई	0	0	0	0
गैर–वर्तमान देयता (एक वर्ष से अधिक राशि)	सीवाई	0.52	0.99	0.24	-
	पीवाई	0	0	0	0
वर्ष के अंत में कुल पीबीओ	सीवाई	0.53	1.06	0.28	-
	पीवाई	0	0	0	0

अगली वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के लिए प्रत्याशित अंशदान

(लाख रुपए में)

विवरण	सीवाई/ पीवाई	उपदान	अर्जित छुट्टी	रुग्णता छुट्टी	सेवानिवृत्ति पर
सेवा लागत	सीवाई	1.31	2.57	0.68	-
	पीवाई	0	0	0	0

(लाख रुपए में)

विवरण	सीवाई/ पीवाई	उपदान	अर्जित छुट्टी	रुग्णता छुट्टी	सेवानिवृत्ति पर
निवल ब्याज लागत	सीवाई	0.04	0.08	0.02	-
	पीवाई	0	0	0	0
अगली वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के लिए प्रत्याशित व्यय	सीवाई	1.35	2.65	0.70	-
	पीवाई	0	0	0	0

बीमांकिक मूल्यांकन के लिए उपयोग किए गए प्रधान अनुमान निम्नलिखित हैं:

(लाख रुपए में)

विवरण	2022–23	2021–22
उपयोग की गई पद्धति	अनुमानित इकाई क्रेडिट पद्धति	अनुमानित इकाई क्रेडिट पद्धति
बट्टा दर	7.38%	लागू नहीं
योजनागत परिसंपत्ति पर लाभ की प्रत्याशित दर	0	लागू नहीं
भावी वेतन में वृद्धि	5.50%	लागू नहीं
मर्त्यता दर	100 प्रतिशत आईएएलएम (2012-14)	लागू नहीं
आयु (आहरण दर) (प्रतिशत)		लागू नहीं
30 वर्ष तक	3	लागू नहीं
31 से 44 वर्ष तक	2	लागू नहीं
44 वर्ष से अधिक	1	लागू नहीं

सुनिश्चित लाभ दायित्व की संवेदनशीलता

(लाख रुपए में)

विवरण	सीवाई/ पीवाई	उपदान	अर्जित छुट्टी	रुग्णता छुट्टी
बट्टा दर में परिवर्तन का प्रभाव				
अवधि के अंत में दायित्व को वर्तमान मूल्य	0.53	1.06	0.28	
0.50 प्रतिशत की वृद्धि के कारण प्रभाव	(.008)	(0.015)	(.004)	-
0.50 प्रतिशत की कमी के कारण प्रभाव	0.007	0.016	0.04	-
वेतन की वृद्धि में परिवर्तन का प्रभाव				
अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य				
0.50 प्रतिशत की वृद्धि के कारण प्रभाव	0.53	1.06	0.28	-
0.50 प्रतिशत की कमी के कारण प्रभाव	0.008	0.016	(0.004)	-
बट्टा दर में परिवर्तन का प्रभाव	(0.008)	(0.016)	0.004	-

सुनिश्चित लाभ दायित्व की परिपक्वता रूपरेखा

(लाख रुपए में)

विवरण	सीवाई/ पीवाई	उपदान	अर्जित छुट्टी	रुग्णता छुट्टी
0 से 1 वर्ष	0.005	0.007	0.004	0
1 से 2 वर्ष	0.005	0.002	0.005	0
2 से 3 वर्ष	0.005	0.002	0.005	0
3 से 4 वर्ष	0.003	0.79	0.20	0
4 से 5 वर्ष	0.46	0.06	0.002	0
5 से 6 वर्ष	0.001	0.03	0.01	0
6 वर्ष से आगे	0.003	0.09	0.01	0

2.5 कराधान

अवधि के खर्चों में, चालू कर और आस्थापित कर शामिल होते हैं। कर को लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी जाती है, सिवाय उस सीमा तक, जिस सीमा तक यह अन्य व्यापक आय या प्रत्यक्ष रूप से इक्विटी में मान्यता प्राप्त मदों से संबंधित है, जहाँ कर को अन्य व्यापक आय या इक्विटी में भी मान्यता दी जाती है।

2.5.1 वर्तमान कर

वर्तमान कर लागू होने वाली कर दरों और आय कर अधिनियम, 1961 तथा लागू होने वाले अन्य कर कानूनों के अनुसार यथानिर्धारित वर्ष के लिए करयोग्य आय पर भुगतानयोग्य कर है।

2.5.2 आस्थगित कर

आस्थगित कर को, वित्तीय विवरणों में परिसंपत्तियों और देयताओं की रखाव धनराशियों के बीच अस्थायी अंतरों के संबंध में मान्यता दी जाती है और तदनुसार धनराशियों का उपयोग, कराधान उद्देश्य के लिए किया जाता है।

I. आस्थगित कर देयताओं को आमतौर पर, सभी करयोग्य अस्थायी अंतरों के लिए मान्यता दी जाती है।

II. आस्थगित कर परिसंपत्तियों को आमतौर पर, केवल उस सीमा तक मान्यता दी जाती है जिस सीमा तक यह संभावना हो कि भावी करयोग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके प्रति परिसंपत्तियों का उपयोग किया जा सकता है।

III. आस्थगित कर परिसंपत्तियों की रखाव धनराशि की समीक्षा, प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में की जाती है और उस सीमा तक घटा दिया जाता है, जिस सीमा तक अब यह संभावना न हो कि संबंधित कर लाभ प्राप्त हो जाएंगे।

2.6 प्रति शेयर अर्जन

उस अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से इक्विटी शेयरधारकों से संबंधित शुद्ध लाभ या हानि को विभाजित करके प्रति शेयर मूल आय की गणना की जाती है। कंपनी के इक्विटी धारकों के कारण लाभ को वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या, साथ ही इक्विटी शेयरों की उस भारित औसत संख्या जो मूल कंपनी के इक्विटी शेयरों में सभी संभावित इक्विटी शेयरों के रूपांतरण पर जारी की जाएगी, से विभाजित करके प्रति शेयर नकदी आय की गणना की जाती।

2.7 नकदी और नकदी समतुल्य

नकदी में, हस्तगत नकदी, हस्तगत चेक/ड्राफ्ट, बैंकों में मांग जमा राशियाँ आदि शामिल होती हैं। कम्पनी, नकदी समतुल्य को, सभी अल्पावधि शेषों अत्याधिक अस्थिर निवेशों,

जो नकदी की ज्ञात धनराशियों में तत्काल परिवर्तित हैं और जो मूल्य परिवर्तनों के नगण्य जोखिम के अधीन हों, के रूप में मानती है।

2.8 नकदी प्रवाह विवरण

"नकदी प्रवाह विवरण", भारतीय लेखांकन मानक–7 नकदी प्रवाह विवरण में यथाविनिर्धारित अप्रत्यक्ष पद्धति का उपयोग करके, रिपोर्ट किए जाते हैं।

2.9 प्रावधान और आकस्मिक देयताएँ

2.9.1 प्रावधान

किसी प्रावधान को उस समय मान्यता दी जाती है, जब किसी पिछली घटना के परिणामस्वरूप कम्पनी का कोई वर्तमान दायित्व (विधिक या रचनात्मक) हो, यह संभव है कि आर्थिक लाभों को शामिल करने वाले संसाधनो बहिर्वाह के लिए इस दायित्व का निपटान करना आवश्यक होगा और दायित्व की धनराशि का एक विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता हो। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर इन अनुमानों की समीक्षा की जाती है और वर्तमान सर्वोत्तम अनुमानों को दर्शाने के लिए इन्हें नियोजित किया जाता है।

2.9.2 आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां

I. एक आकस्मिक दायित्व एक संभावित दायित्व है जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होता है जिसका अस्तित्व कंपनी के नियंत्रण अथवा किसी ऐसे वर्तमान दायित्व जिसका महत्व नहीं है, से परे भविष्य की एक या अधिक अनिश्चित घटनाओं अथवा घटना के बिना पुष्टि की जाएगी क्योंकि इस बात की संभावना नहीं है कि दायित्वों को निपटाने के लिए संसाधनों के बहिर्वाह (आउटफ्लो) की आवश्यकता होगी। आकस्मिक दायित्व भी अत्यंत दुर्लभ मामलों में उत्पन्न होता है, जहाँ ऐसी देयता होती है जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि इसे विश्वसनीय रूप से नहीं मापा जा सकता है। कंपनी आकस्मिक दायित्व को स्वीकार नहीं करती है, लेकिन वित्तीय स्थिति में इसके अस्तित्व का खुलासा करती है जब तक कि संसाधनों के बहिर्वाह की बहुत कम संभावना हो।

II. वित्तीय विवरणों में आकस्मिक परिसंपत्तियों को मान्यता नहीं दी जाती है। यदि आर्थिक लाभ का अंतर्वाह संभावित है, तो वित्तीय विवरणों में इसका खुलासा किया जाता है।

III. प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर प्रावधानों, आकस्मिक देयताओं, आकस्मिक परिसंपत्तियों और प्रतिबद्धताओं की समीक्षा की जाती है।

2.10 वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेख, एक ऐसा अनुबंध है, जिससे किसी कम्पनी की वित्तीय संपत्ति और किसी अन्य कम्पनी की वित्तीय देयता या इक्विटी विलेख उत्पन्न होता है।

2.10.1 आरंभिक मान्यता और मापन

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं को आरंभ में उचित मूल्य पर मापा जाता है, सिवाय व्यापार प्राप्यों के मामले में, जिसमें इन्हें लेन–देन के मूल्य पर मापा जाता है। लेन–देन लागतें, जो प्रत्यक्ष वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं (लाभ एवं हानि के जरिए उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्ति के अलावा) के अर्जन या निर्गमन के कारण होती हैं, आरंभिक मान्यता पर, वित्तीय परिसंपत्तियों या वित्तीय देयताओं, जैसा भी उपयुक्त हो, के उचित मूल्य में जोड़ दी जाती हैं या उनमें से घटा दी जाती हैं। एफवीटीपीएल पर वित्तीय परिसंपत्ति के अर्जन के कारण प्रत्यक्षत लेन–देन लागतों को लाभ एवं हानि विवरण में तुरंत मान्यता दी जाती है।

2.10.2 वित्तीय परिसंपत्तियाँ

I. उत्तरवर्ती मापन

वित्तीय संपत्तियों में नकद और नकद समकक्ष, नकद और नकद समकक्षों के अलावा बैंक शेष, ऋण और अग्रिम, प्राप्य निवेश और अर्जित ब्याज लेकिन देय

नहीं हो आदि शामिल हैं। मापन, उस उद्देश्य, जिसके लिए ये परिसंपत्तियां अर्जित की गई थीं, पर निर्भर करते हुए आरंभिक मान्यता पर किसी परिसंपत्ति का वर्गीकरण निर्धारित करता है।

उत्तरवर्ती मापन के उद्देश्य के लिए, वित्तीय परिसंपत्तियाँ, आरंभिक मान्यता पर निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत की जाती हैं:

- प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) का उपयोग करके परिशोधित लागत पर
- लाभ या हानि के जरिए उचित मूल्य (एफवीटीपीएल) पर
- अन्य व्यापक आय के जरिए उचित मूल्य (एफवीओसीआई) पर

एफवीटीपीएल पर परिसंपत्तियों के अलावा, अन्य सभी वित्तीय परिसंपत्तियां, कम से कम प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर हानिकरण हेतु समीक्षा के अधीन हैं।

क. परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ – कोई वित्तीय परिसंपत्ति, परिशोधित लागत पर मापी जाएगी, यदि निम्नलिखित शर्तों में से दोनों शर्तें पूरी की गई हों:

क) वित्तीय परिसंपत्ति किसी ऐसे व्यवसाय मॉडल के अंदर रखी गई हो, जिसका उद्देश्य संविदात्मक नकदी प्रवाह प्राप्त करने की दृष्टि से वित्तीय परिसंपत्तियाँ रखना है।

ख) वित्तीय परिसंपत्तियों की संविदात्मक शर्तें, विशेष तिथि को ऐसे नकदी प्रवाह उत्पन्न करना है, जो अनन्य रूप से मूलधन और मूलधन की बकाया धनराशि पर ब्याज के भुगतान हों।

आरंभिक मापन के पश्चात, ये वित्तीय परिसंपतियाँ बाद में प्रभावी व्याज दर (ईआईआर) पद्धति का उपयोग करके परिशोधित लागत पर मापी जाती हैं। यह (ईआईआर) पद्धति किसी वित्तीय परिसंपति की लागत का परिकलन करने और सुसंगत अवधि में आप आबंटित करने की एक पद्धति है। प्रभावी ब्याज दर वह दर है जो वित्तीय परिसंपत्ति के प्रत्याशित जीवनकाल के जरिए या जहाँ उपयुक्त हो आरंभिक मान्यता पर निवल रखरखाव धनराशि की अपेक्षाकृत अवधि की प्रत्याशित भावी नकदी प्राप्तियों (भुगतान की गई या प्राप्त की गई सभी शुल्कों सहित, जो प्रभावी ब्याज दर, लेन–देन लागते और अन्य प्रीमियमों और छूट का एक अभिन्न अंग है) में सही–सही बट्टाकृत करती है।

कंपनी की नकदी और नकदी समतुल्य, तथा नकदी से भिन्न दूसरे बैंक बैलेंस तथा नकदी समतुल्य वित्तीय विलेखों की इस श्रेणी में आते हैं।

ख. अन्य व्यापक आय के जरिए उचित मूल्य पर (एफवीटीओसीआई) – कोई वित्तीय परिसंपति अन्य व्यापक आय के जरिए उचित मूल्य पर मापी जाएगी, यदि निम्नलिखित दोनों शर्तें पूरी की गई हैं:

क) व्यवसाय मॉडल का उद्देश्य, संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करके और वित्तीय परिसंपत्तियाँ बेचकर प्राप्त किया गया हो।

ख) परिसंपत्तियों की संविदात्मक शर्तें, विशिष्ट तिथि को ऐसे नकदी प्रवाह उत्पन्न करना है, जो अनन्य रूप से मूलधन और मूलधन की बकाया धनराशि पर ब्याज के भुगतान (एसपीपीआई) हैं।

ग) उचित मूल्य संचालनों को ओसीआई में मान्यता दी जाती है और आरक्षित में संचित किया जाता है। वर्तमान में, एफवीटीओसीआई वर्गीकृत करने के लिए कोई विलेख नहीं है।

ग. **लाभ या हानि के जरिए उचित मूल्य (एफवीटीपीएल) –** कोई वित्तीय परिसंपत्ति, एफवीटीपीएल पर मापी जाती है, जब तक यह लाभ एवं हानि विवरण में माने गए उचित मूल्य में सभी परिवर्तनों के साथ परिशोधित लागत या एफवीटीओसीआई पर न मापी गई हो।

II. वित्तीय परिसंपत्तियों में हानिकरण

प्रत्येक रिपोर्टिंग वर्ष के अंत में कम्पनी साक्ष्य या सूचना, जो अनुचित लागत या प्रयास के बिना उपलब्ध हो, के आधार पर हानिकरण के लिए वित्तीय परिसंपत्तियों या वित्तीय परिसंपत्तियों के समूह (लाभ या हानि के जरिए उचित मूल्य पर रखी गई वित्तीय परिसंपत्तियों के अलावा) की जांच करता है। प्रत्याशित क्रेडिट हानि (ईसीएल) का मूल्यांकन किया जाता है और हानिकरण क्षति को मान्यता दी जाती है, यदि वित्तीय परिसंपत्ति के क्रेडिट जोखिम में पर्याप्त वृद्धि हो जाती है।

हानिकरण क्षतियों और प्रत्यावर्तनों को लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी जाती है।

भारतीय लेखांकन मानक 109 के अंतर्गत हानिकरण मॉडल, वित्तीय विलेखों पर लागू होता है, जो नीचे सूचीबद्ध हैं:

- वित्तीय परिसंपत्तियां, जो ऋण विलेख हैं, परिशोधित लागत पर मापी जाती है। जैसे बैंक शेष।

III. वित्तीय परिसंपत्तियों की विमान्यताकरण

वित्तीय परिसंपत्तियों का विमान्यताकरण तब किया जाता है जब वित्तीय परिसंपत्तियों से नकदी प्रवाह प्राप्त करने का संविदात्मक अधिकार समाप्त हो जाता है या परिसंपत्तियों से नकदी प्रवाह प्राप्त करने के संविदात्मक अधिकार अंतरित कर दिए जाते हैं।

पूरी तरह किसी वित्तीय परिसंपत्ति के विमान्यकरण पर परिसंपत्ति की रखाव धनराशि और प्राप्त हुए या प्राप्तियोग्य प्रतिफल तथा संचयी लाभ या हानि, जिसे अन्य व्यापक आय और इक्विटी में संचित के रूप में मान्यता दी गई थी, की रकम के बीच के अंतर को लाभ एवं हानि के रूप में मान्यता दी जाती है, यदि ऐसे लाभ या हानि को उस वित्तीय परिसंपत्ति के निपटान पर लाभ एवं हानि विवरण में अन्यथा मान्यता दी गई हो।

2.10.3 वित्तीय देयताएं और इक्विटी विलेख

2.10.3.1 इक्विटी विलेख

इक्विटी विलेख ऐसा अनुबंध है जो किसी प्रतिष्ठान की सभी देनदारियों को हटाने के बाद उसकी परिसंपत्तियों में अवशिष्ट हित का प्रमाण देता है। प्रतिष्ठान द्वारा जारी किए गए इक्विटी विलेखों को प्राप्त आय पर, प्रत्यक्ष निर्गम लागतों के निवल पर मान्यता दी जाती है।

2.10.3.2 वित्तीय देयताएं

कम्पनी की वित्तीय देयताओं में व्यापार तथा अन्य भुगतानयोग्य सांविधिक बकाया शामिल होता है। सभी वित्तीय देयताओं को आरंभतः उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है।

I. उत्तरवर्ती मापन

क. **परिशोधित लागतों पर वित्तीय देयताएँ–** आरंभिक मापन के पश्चात ये वित्तीय परिसंपत्तियाँ बाद में प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) पद्धति का उपयोग करके परिशोधित लागत पर मापी जाती हैं। लाभ और हानियों को लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी जाती है जब ये देयताएं विमान्यताकृत कर दी गई हों और इन्हें ईआईआर परिशोधन की प्रक्रिया के जरिए मान्यता दी जाती है। परिशोधित लागत, किसी अधिग्रहण पर किसी बड़े या प्रीमियम और ऐसे शुल्कों या लागतों, जो ईआईआर का अभिन्न अंग है, को ध्यान में रखते हुए परिकलित की जाती है। ईआईआर परिशोधन को लाभ

एवं हानि विवरण में वित्तपोषण लागत के रूप में शामिल किया जाता है। यह श्रेणी आमतौर पर उधारों भुगतानयोग्य राशियों और अन्य संविदात्मक देयताओं पर लागू होती है।

ख. **लाभ एवं हानि विवरण के जरिए उचित मूल्य पर वित्तीय देयताओं** में ट्रेडिंग के लिए रखी गई वित्तीय देयताएं और लाभ एवं हानि विवरण के जरिए उचित मूल्य पर आरंभिक मान्यता पर नामजद वित्तीय देयताएं शामिल हैं। उन वित्तीय देयताओं, जिनका निपटान 12 महीनों के अंदर किया जाना हो, के अग्रेनीत मूल्य को उसका उचित मूल्य माना जाता है।

II. वित्तीय देयताओं का विमान्यकरण

किसी वित्तीय देयता को उस समय विमान्यताकृत किया जाता है जब देयता के अंतर्गत दायित्व का निर्वहन कर दिया गया हो या रद्द कर दिया गया हो या उसकी अवधि समाप्त हो गई हो। जब कोई वर्तमान वित्तीय देयता उत्तरवर्ती भिन्न शर्तों या किसी वर्तमान देयता की शर्तों पर उसी ऋणदाता से अन्य ऋणदाता द्वारा प्रतिस्थापित कर दी जाती है तो उसे बाद में संशोधित कर दिया जाता है और इस प्रकार की अदला–बदली या संशोधन को मूल देयता का विमान्यकरण और नई देयता की मान्यता माना जाता है। संबंधित रखाव धनराशियों में आए अंतर को लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी जाती है।

2.11 पट्टे

पट्टाकर्ता के रूप में कम्पनी

वर्तमान में, कंपनी के साथ पट्टेदार के रूप में कोई लीज (ऑपरेटिंग या फाइनेंस लीज) करार नहीं किया गया है।

पट्टेदार के रूप में कंपनी

कंपनी ने लीज पर ऑफिस स्पेस ले लिया है जिसके लिए लीज रेंटल भुगतान किया जाता है। ये पट्टा व्यवस्था आमतौर पर पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर नवीकरणीय होती है। भारतीय लेखा मानक–116 द्वारा निर्धारित पट्टेदार द्वारा लेखांकन निम्नानुसार है:

कंपनी परिसंपत्तियों को उपयोग करने के अधिकार और सभी पट्टा व्यवस्थाओं के लिए तदनुरूप पट्टा देयता को स्वीकार करती है, जिसमें इन्हें पट्टे पर दिया जाता है। लेकिन बारह महीने या कम (अल्पकालिक पट्टों) की अवधि के संबंध में यह पट्टा स्वीकार नहीं किया जाता है, क्योंकि बिना लिखित करार और कम मूल्य वाली परिसंपत्तियों के पट्टे को स्वीकार नहीं किया जाता है।

अल्पकालिक पट्टे बारह महीने या बारह महीने से अधिक के पट्टा करारों से कम के संबंध में यह पट्टा करार लागू नहीं होता है, क्योंकि कुछ नोटिस अवधि देकर किसी भी समय इन्हें रद्द किया जा सकता है।

मानक में कम मूल्य की परिसंपत्तियों की कोई सीमा नहीं बताई गई है, लेकिन इसमें टेबलेट्स, पर्सनल कंप्यूटर / लैपटॉप और पीपीई की छोटी मदें आदि जैसी कम मूल्य की परिसंपत्तियाँ शामिल होती हैं।

अल्पकालिक और कम मूल्य वाली परिसंपत्तियों के संबंध में कंपनी पट्टे की अदायगी को पट्टे की अवधि के संबंध में स्ट्रेट लाइन आधार पर प्रचालन व्यय के रूप में स्वीकार करती है।

परिसंपत्तियों के प्रयोग के अधिकार को प्रारंभ में लागत पर स्वीकार किया जाता है, जिसमें पट्टा देयता की आरंभिक राशि शामिल होती है, जो ऐसे पट्टे भुगतान के संबंध में समायोजित की जाती है। जो किसी पट्टा प्रोत्साहन की प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत से कम और पट्टे की तिथि से या उससे पहले अदा की जाती है। इनका मापन बाद में ऐसी कम लागत पर किया जाता है, जिसमें संचित मूल्यह्रास/ परिशोधन और हानियाँ शामिल होती हैं। परिसंपत्तियों के उपयोग का आधार भारतीय लेखांकन मानक 16–संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) के अनुसार कम किया जाएगा।

शुरू में पट्टे के दायित्व को भावी पट्टा भुगतान के वर्तमान मूल्य पर मापा जाता है। पट्टे के भुगतान पर बट्टा दिया जाता है। जिसमें पट्टे पर लागू ब्याज की दर या यदि ब्याज दर तत्काल सुनिश्चित न की जा सके, तो बढ़ोत्तरी वाली उधार की दर का प्रयोग करके तय की जाती है।

एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड

("एनएसआईसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी")
पंजीकृत कार्यालयः एनएसआईसी भवन, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, फेज–III, नई दिल्ली–110020
(सीआईएन नंबरः यू65990डीएल2020जीओआई368828)

31.03.2023 के यथास्थिति तुलन–पत्र

(लाख रू. में)

क्र. सं.	विवरण	नोट संख्या	31.03.2022 को यथास्थिति		31.03.2021 को यथास्थिति	
	परिसंपत्तियां					
I	**वित्तीय परिसंपत्तियां**					
	(क) नकदी एवं नकदी समतुल्य	3	352.79		329.48	
	(ख) नकदी और नकदी के अलावा बैंक शेष	4	328.39		433.82	
	(ग) ऋण और अग्रिम	5	0.00		0.00	
	(घ) प्राप्य					
	(I) व्यापार प्राप्तियां – बिल नहीं की गई	6	0.19		1.25	
	(ङ) प्राप्य	7	28.36		8.91	
	(च) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	8	621.09	1330.82	116.80	890.26
II	**गैर–वित्तीय परिसंपत्तियां**					
	वर्तमान कर संपत्ति (शुद्ध)	9	61.11		0.00	
	(क) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध)	10	11.28		11.80	
	(ख) संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर	11	3.45		0.68	
	(ग) अन्य अमूर्त परिसंपत्तियां	11	0.00		0.00	
	(घ) विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	-	0.00		0.00	
	(ङ) अन्य गैर–वित्तीय परिसंपत्तियां	12	0.00	75.84	0.83	13.31
	कुल परिसंपत्तियां			**1406.66**		**903.57**
	देयताएं और इक्विटी					
	देयताएं					
I	**वित्तीय देयताएं**					
	(क) **देय**	13				
	(I) व्यापार देय					
	(i) सूक्ष्म और लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि		0.00		0.00	
	(ii) सूक्ष्म और लघु उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों की कुल बकाया राशि		0.00		0.00	
	(ख) अन्य वित्तीय देयताएं	14	429.04	429.04	121.49	121.49
II	**गैर–वित्तीय देयताएं**					
	(क) वर्तमान कर देयताएं (निवल)	15	0.00		52.91	**52.91**
	(ख) वर्तमान कर देनदारियां (शुद्ध)	16	1.87	1.87		
	कुल देयताएं					**174.40**
III	**इक्विटी**					
	(क) इक्विटी शेयर पूंजी	17	600.00		600.00	
	(ख) **अन्य इक्विटी**	18	375.75	975.75	129.17	729.17
	कुल इक्विटी					
	कुल देयताएं और इक्विटी			**1406.66**		**903.57**
कॉर्पोरेट जानकारी का विवरण नोट 1 लेखांकन नीति नोट 2 संलग्न नोट वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा हैं		**1 से 39**				

इसी तारीख को हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
देवन्द्र कुमार जैन एण्ड एसोसिएट्स के लिए
सनदी लेखाकार
आईसीएआई फर्म पंजीकरण सं.: 007799एन

ह./–
डी के जैन
साझेदार
{सदस्यता सं.: 083417}
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.08.2023
यूडीआईएन : 23083417बीजीएक्सएचसीजे2856

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से
एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड

ह./–
विपुल गोयल
अध्यक्ष
{डीआईएन नं.: 10229523}

ह./–
सरवण कुमार अनणथन
निदेशक एण्ड सीईओ
{डीआईएन नं.: 09769378}

ह./–
राजेश मदान
महाप्रबंधक

ह./–
आदर्श कुमार कंसल
मुख्य प्रबंधक (लेखा)

ह./–
निष्ठा गोयल
कंपनी सचिव
{सदस्यता सं.: ए22768}

एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड

("एनएसआईसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी")
पंजीकृत कार्यालयः एनएसआईसी भवन, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, फेज–III, नई दिल्ली–110020
(सीआईएन नंबरः यू65990डीएल2020जीओआई368828)

01.04.2022 से 31.03.2023 तक की अवधि के लिए लाभ और हानि का विवरण

(लाख रू. में)

क्र. सं.	विवरण	नोट संख्या	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
I	**प्रचालनों से राजस्व**	19	413.12	201.60
	प्रचालनों से कुल राजस्व		**413.12**	**201.60**
II	अन्य आय	20	39.78	69.37
III	**कुल आय (I+II)**		**452.90**	**270.97**
IV	**व्यय**			
	कर्मचारी लाभ व्यय	21	30.22	0.00
	मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय	22	0.51	0.32
	अन्य व्यय	23	16.54	39.71
	कुल व्यय (IV)		**47.27**	**40.03**
V	**लाभ/(हानि) कर से पहले (III-IV)**		**405.63**	**230.94**
VI	**कर व्यय**			
	वर्तमान कर	24	102.00	55.25
	आस्थगित कर		0.53	-11.80
	पूर्व वर्ष कर		-0.56	-2.78
	कुल कर व्यय (VI)		**101.97**	**40.67**
VII	**वर्ष के लिए लाभ/(कर) (V-VI)**		**303.66**	**190.27**
VIII	**अन्य व्यापक आय**			
(क)	मदें, जिन्हें लाभ अथवा हानि के लिए वर्गीकृत नहीं किया जाएगा		0.00	0.00
(ख)	**मदें, जिन्हें लाभ अथवा हानि के लिए वर्गीकृत किया जाएगा**		0.00	0.00
	कुल अन्य व्यापक आय (क + ख)		**0.00**	**0.00**
IX	**इस अवधि के लिए कुल व्यापक आय इस अवधि के लिए (VII + VIII) (सम्मिलित लाभ/हानि) और अन्य व्यापक आय**		**303.66**	**190.27**
X	**प्रति इक्विटी शेयर आय/(हानि)**	25		
	मूल (रु.)		50.61	31.71
	तनुकृत (रु.)		50.61	31.71
	संलग्न नोट वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा हैं	**1 से 39**		

इसी तारीख को हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
देवन्द्र कुमार जैन एण्ड एसोसिएट्स के लिए
सनदी लेखाकार
आईसीएआई फर्म पंजीकरण सं.: 007799एन

ह./–
डी के जैन
साझेदार
{ सदस्यता सं.: 083417}
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.08.2023
यूडीआईएन : 23083417बीजीएक्सएचसीजे2856

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से
एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड

ह./–
विपुल गोयल
अध्यक्ष
{ डीआईएन नं.: 10229523}

ह./–
सरवण कुमार अनणथन
निदेशक एण्ड सीईओ
{ डीआईएन नं.: 09769378}

ह./–
राजेश मदान
महाप्रबंधक

ह./–
आदर्श कुमार कंसल
मुख्य प्रबंधक (लेखा)

ह./–
निष्ठा गोयल
कंपनी सचिव
{ सदस्यता सं.: ए22768}

टिप्पणी – 3 : नकदी एवं नकदी समतुल्य

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
बैंक में शेष:		
चालू खाते में (एसआरआई फंड की ओर से प्राप्त राशि को छोड़कर)	352.79	327.70
हाथ में चेक, ड्राफ्ट	0.00	1.78
कुल	**352.79**	**329.48**

3.1 उपर्युक्त रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक रोकड़ और रोकड़ समतुल्यों के संदर्भ में प्रत्यावर्तन पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

टिप्पणी – 4 : नकदी और नकदी समतुल्यों के अलावा बैंक शेष

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
सावधि जमा	328.39	433.82
कुल	**328.39**	**433.82**

टिप्पणी: सावधि जमा राशि रु. 328.39 लाख (पीवाय रु. 433.82 लाख) 1 वर्ष से अधिक की परिपक्वता के लिए हैं (नोट संख्या 7 देखें – निवेश)

4.1 जमा खातों में बैंकों के साथ शेष राशि पर एक दिन से लेकर 365 दिनों तक की अवधि के लिए दैनिक बैंक जमा दरों के आधार पर निश्चित दर पर ब्याज मिलता है।

टिप्पणी – 5 : प्राप्य

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
व्यापार प्राप्य		
गैर–जमानती, विचारार्थ माल	0.00	-
कुल	**0.00**	**-**

5.1 व्यापार प्राप्य निधि से देय है जिसमें अध्यक्ष और निदेशक और सीईओ एक निवेश समिति के सदस्य हैं।

5.2 व्यापार प्राप्तियां काल प्रभावन अनुसूची

भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया

क्र. सं.	विवरण	6 महीने से कम	6 महीने – 1 वर्ष	1 से 2 वर्ष	2 से 3 वर्ष	कुल
1	अविवादित व्यापार प्राप्तियां – विचारार्थ माल		0.00	-	-	-
			(-)	(-)	(-)	(-)
2	अविवादित व्यापार प्राप्तियां – क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि		0.00	-	-	-
			(-)	(-)	(-)	(-)
3	अविवादित व्यापार प्राप्तियां – क्रेडिट क्षीणता		0.00	-	-	-
			(-)	(-)	(-)	(-)
4	विवादित व्यापार प्राप्तियां – विचारार्थ माल		0.00	-	-	-
			(-)	(-)	(-)	(-)

क्र. सं.	विवरण	6 महीने से कम	6 महीने – 1 वर्ष	1 से 2 वर्ष	2 से 3 वर्ष	कुल
5	विवादित व्यापार प्राप्तियां – क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि		0.00	-	-	-
			(-)	(-)	(-)	(-)
6	विवादित व्यापार प्राप्तियां – क्रेडिट क्षीणता		0.00	-	-	-
			(-)	(-)	(-)	(-)
7	बिल नहीं किए गए व्यापार प्राप्तियां					-
						(-)
	कुल		**0.00**	-	-	-
			(-)	(-)	(-)	(-)

पिछली अवधि की राशियों को (कोष्ठक) में दर्शाया गया है

टिप्पणी: व्यापार प्राप्य को फिर से समूहीकृत किया गया है और पिछले वर्ष, वित्त वर्ष 2021–22 की शेष राशि रू. 109.42 लाख को अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों में पुनर्समूहित किया गया है

टिप्पणी – 6 : ऋण और अग्रिम

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
संबंधित पार्टियों / प्रमोटरों / निदेशकों / केएमपी के लिए		
आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड के लिए अग्रिम	0.00	**1.25**
कंपनी के निदेशक	0.12	-
अन्य		
अन्य कर्मचारी	0.07	-
कुल	**0.19**	**1.25**

टिप्पणी – 7 : निवेश

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
परिशोधन लागत पर	0.00	0.00
एसआरआई निधि में निवेश (देखें टिप्पणी 35)	28.36	8.91
कुल	**28.36**	**8.91**

7.1 निधि दस्तावेज के अनुसार एआईएफ फंड में निवेश, जिसमें निदेशक और सीईओ एक निवेश समिति के सदस्य हैं।

7.2. 313.82 लाख रुपये की सावधि जमा राशि को नकद और नकद समकक्षों के अलावा बैंक शेष के साथ पुनः संयोजित किया गया है

टिप्पणी – 8 : अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
सावधि जमा पर अर्जित ब्याज	7.41	7.38
आत्मनिर्भर भारत निधि से वसूली योग्य	613.68	109.42
कुल	**621.09**	**116.80**

टिप्पणी – 9 : वर्तमान कर संपत्ति (शुद्ध)

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
अग्रिम कर	110.00	0
जोड़ें: टीडीएस	53.11	0
घटाएं: प्रोव. टैक्स के लिए	102.00	0
वर्तमान कर संपत्ति (शुद्ध)	**61.11**	**0**

टिप्पणी – 10 : वर्तमान कर देयताएं (निवल)

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
आस्थगित कर परिसंपत्तियां		
– आयकर प्रावधानों के अनुसार परिशोधित व्यय	10.53	11.81
वित्तीय पुस्तकों में प्रावधान कर में लंबित भत्ता	0.77	
सकल आस्थगित कर परिसंपत्तियां (क)	11.30	
आस्थगित कर देयताएं		
– मूल्यह्रास और परिशोधन	0.02	0.01
सकल आस्थगित कर देयताएं (ख)	0.02	0.01
मान्यता प्राप्त निवल आस्थगित कर परिसंपत्ति (क–ख)		
कुल	**11.28**	**11.80**

टिप्पणी – 11 : सम्पत्ति, संयत्र तथा उपकरण

(लाख रू. में)

विवरण	कम्प्यूटर, लैपाटाप एवं प्रोसेसिंग यूनिट	मोबाइल	कार्यालय उपकरण	फर्नीचर और स्थिरता	कुल
31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए					
सकल वहन राशि					
आरंभिक शेष	0.88	0.13	-	0.00	1.01
वर्ष के दौरान परिवर्धन	0.95	0.61	0.93	0.79	3.28
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	0.00	-
31 मार्च, 2023 को यथास्थिति के अनुसार सकल वहन राशि	**1.83**	**0.74**	**0.93**	**0.79**	**4.29**
संचित मूल्यह्रास और हानि					
आरंभिक शेष	0.28	0.05	-	0.00	0.33
वर्ष के लिए मूल्यह्रास व्यय	0.39	0.10	-	0.02	0.51
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	0.00	-
31 मार्च, 2023 को यथास्थिति के अनुसार संचित मूल्यह्रास और हानि	**0.67**	**0.15**	**0.01**	**0.02**	**0.84**
31 मार्च, 2023 को यथास्थिति के अनुसार कुल वहन राशि	**1.16**	**0.59**	**0.92**	**0.77**	**3.45**

(लाख रू. में)

विवरण	कम्प्यूटर, लैपाटाप एवं प्रोसेसिंग यूनिट	मोबाइल	कुल
31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए			
सकल वहन राशि			
आरंभिक शेष	0.88	0.14	1.01
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-
31 मार्च, 2022 को यथास्थिति के अनुसार सकल वहन राशि	**0.88**	**0.14**	**1.01**
संचित मूल्यह्रास और हानि			
आरंभिक शेष	-	0.01	0.01
वर्ष के लिए मूल्यह्रास व्यय	0.28	0.04	0.29
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-
31 मार्च, 2022 को यथास्थिति के अनुसार संचित मूल्यह्रास और हानि	**0.28**	**0.05**	**0.33**
31 मार्च, 2022 को यथास्थिति के अनुसार कुल वहन राशि	**0.59**	**0.08**	**0.68**

टिप्पणी – 11 : अन्य अमूर्त परिसंपत्तियां

(लाख रू. में)

विवरण	फर्नीचर और स्थिरता	कुल
31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए		
सकल वहन राशि		
आरंभिक शेष	-	-
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-
31 मार्च, 2023 को यथास्थिति के अनुसार सकल वहन राशि	**-**	**-**
संचित मूल्यह्रास और हानि		
आरंभिक शेष	**-**	**-**
वर्ष के लिए ऋणमुक्ति व्यय	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-
31 मार्च, 2023 को यथास्थिति के अनुसार संचित मूल्यह्रास और हानि	**-**	**-**
31 मार्च, 2023 को यथास्थिति के अनुसार कुल वहन राशि	**-**	**-**

(लाख रू. में)

विवरण	व्यवसाय लाइसेंस	कुल
31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए		
सकल वहन राशि		
आरंभिक शेष	-	-
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-
31 मार्च, 2021 को यथास्थिति के अनुसार सकल वहन राशि	-	-
संचित मूल्यह्रास और हानि		
आरंभिक शेष	-	-
वर्ष के लिए ऋणमुक्ति व्यय	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-
31 मार्च, 2023 को यथास्थिति के अनुसार संचित मूल्यह्रास और हानि	-	-
31 मार्च, 2021 को यथास्थिति के अनुसार कुल वहन राशि	-	-

टिप्पणी – 12 : अन्य गैर वित्तीय परिसंपत्तियां

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
सरकारी प्राधिकरणों में शेष	0.00	0.83
कुल	**0.00**	**0.83**

टिप्पणी – 13 : देय

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
देय व्यापार		
(i) सूक्ष्म और लघु उद्यमों की बकाया कुल देयताएं	0.00	0.00
(ii) सूक्ष्म और लघु उद्यमों के अलावा लेनदारों की बकाया कुल देयताएं	0.00	0.00
कुल	**0.00**	**0.00**

टिप्पणी: ऐसा कोई भी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम नहीं है, जिसके लिए कंपनी की बकाया राशि वर्ष के दौरान 45 दिनों से अधिक के लिए बकाया हो। ऐसी सूचना, जिसे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अंतर्गत प्रकट करने की आवश्यकता हो, आपूर्तिकर्ता की स्थिति के बारे में कंपनी के पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर इस तरह की पार्टियों की पहचान की गई है। इसके अतिरिक्त, इस प्रकार की किसी भी पार्टी के भुगतान करने के लिए कोई भी ब्याज बकाया नहीं है। सांविधिक लेखा–परीक्षा शुल्क के प्रावधान के सूक्ष्म, और लघु उद्यम के बकाया के रूप में वर्गीकृत किया गया है, क्योंकि लेखा फर्म एक सूक्ष्म उद्यम हैं, तथापि, कोई भी बकाया देय नहीं है चूंकि वास्तविक भुगतान लेखा परीक्षा को पूरा होने पर चालान जारी करने पर देय हो जाएगा।

13.1 व्यापार देय काल प्रभावन

भुगतान की नियत तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया

क्र.सं.	विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति	6 महीने – 1 वर्ष	1 से 2 वर्ष	2 से 3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	कुल
1	एमएसएमई	**0.00**	0.00	-	-	-	-	-
		0.00	0.00	(-)	(-)	(-)	(-)	(-)
2	अन्य	0.00	0.00	-	-	-	-	-
		0.00	0.00	(-)	(-)	(-)	(-)	(-)
3	विवादित देय बकाया – एमएसएमई	0.00	0.00	-	-	-	-	-
		0.00	0.00	(-)	(-)	(-)	(-)	(-)
4	विवादित देय बकाया – अन्य	0.00	0.00	-	-	-	-	-
		0.00	0.00	(-)	(-)	(-)	(-)	(-)
5	बिल नहीं किए गए बकाया – एमएसएमई	0.00	0.00					-
		0.00	0.00					-
6	बिल नहीं किए गए बकाया – अन्य	0.00	0.00					-
		0.00	0.00					-
	कुल	**0.00**	**0.00**	-	-	-	-	-
		0.00	**0.00**	**(-)**	**(-)**	**(-)**	**(-)**	**(-)**

पिछली अवधि की रकम (कोष्ठक) में बताई गई है

देय व्यापार को फिर से समूहीकृत किया गया है और पिछले वर्ष 2021–22 की शेष राशि –78.41 लाख रुपये को खर्चों के लिए वर्तमान देयता में फिर से समूहीकृत किया गया है।

टिप्पणी – 14 : अन्य वित्तीय देयताएं

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
सांविधिक बकाया देय	97.36	43.08
अन्य देय – कर्मचारी	1.19	0.00
व्ययों के लिए वर्तमान देनदारियाँ	322.52	78.41
अन्य देय – पीआरपी (कर्मचारी – निदेशक)	7.97	0.00
कुल	**429.04**	**121.49**

टिप्पणी – 15 : वर्तमान कर देयताएं (निवल)

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
टीडीएस काटा गया	0.00	0.00
आय कर के लिए प्रावधान	0.00	55.25
घटाएं: भुगतान किया गया आयकर	0.00	-2.34
कुल	**0.00**	**52.91**

टिप्पणी – 16 : प्रावधान

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
ग्रेच्युटी के लिए	0.53	0.00
अवकाश नकदीकरण के लिए	1.06	0.00
अर्ध वेतन अवकाश के लिए	0.28	0.00
टीए के लिए	0.00	0.00
कुल	**1.87**	**0.00**

टिप्पणी – 17 : इक्विटी शेयर पूंजी

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
(क) प्राधिकृत शेयर पूंजी		
रू. 100 प्रति का 10,000,000 इक्विटी शेयर	1000.00	1000.00
कुल	**1000.00**	**1000.00**
(ख) जारी, सब्सक्राइब और भुगतान की गई शेयर पूंजी		
रू. 100 प्रति का 6,00,000 इक्विटी शेयर	600.00	600.00
कुल	**600.00**	**600.00**

(ग) वर्ष के आरंभ में अंत में बकाया शेयरों की संख्या का मिलानः

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति		31.03.2022 को यथास्थिति	
	शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
वर्ष के आरंभ में शेष राशि	600000	600.00	600000	600.00
जोड़/(घटाएँ) : वर्ष के दौरान जारी	-	-	-	-
वर्ष के अंत में शेष राशि	**600000**	**600.00**	**600000**	**600.00**

(घ) 5 प्रतिशत से अधिक शेयर रखने वाले प्रत्येक शेयरधारक के पास कंपनी में इक्विटी शेयर और धारित इक्विटी शेयरों की संख्या निम्नानुसार हैः

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति		31.03.2022 को यथास्थिति	
	शेयरों की संख्या	कुल प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कुल प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी प्रतिशत
राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एनएसआईसी)	600000*	100	600000*	100
कुल	**600000**	**100**	**600000**	**100**

* कंपनी के नामित व्यक्ति के रूप में अन्य लोगों दवारा रखे गए 6 शेयर इसमें शामिल है।

(ङ) होल्डिंग कंपनी द्वारा रखे गए शेयरों की संख्या

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एनएसआईसी)	600000*	600000*
कुल	**600000**	**600000**

* कंपनी के नामित व्यक्ति के रूप में अन्य लोगों दवारा रखे गए 6 शेयर इसमें शामिल है।

(ङ) होल्डिंग कंपनी द्वारा रखे गए शेयरों की संख्या :

कंपनी के पास इक्विटी शेयरों का केवल एक वर्ग है, जिसमें प्रतिशेयर 100 रू. का है। इक्विटी शेयरों का प्रत्येक शेयर धारक एक वोट का हकदार है।

कंपनी के परिसमापन की स्थिति में, इक्विटी शेयर धारक सभी अधिमान्य राशियों के वितरण के बाद कंपनी की शेष संपत्ति प्राप्त करने के हकदार होंगे। वितरण शेयरधारकों द्वारा रखे गए इक्विटी शेयरों की संख्या के अनुपात में होगा।

(च) बोनस शेयर :

स्थापना के बाद से काई भी बोनस शेयर जारी नहीं किया गया है।

(छ) प्रमोटर और प्रमोटर समूह का विवरण :

वर्ष के अंत में प्रमोटर और प्रमोटर समूह द्वारा धारित शेयर

प्रमोटर और प्रमोटर समूह का नाम	31.03.2023 को यथास्थिति		31.03.2022 को यथास्थिति		31.03.2021 को यथास्थिति	इस अवधि के दौरान परिवर्तन का प्रतिशत
	शेयरों की संख्या	कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	
राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एनएसआईसी)	600,000	100%	600,000	100%	600,000	**0%**
कुल	**600,000**	**100%**	**600,000**	**100%**	**600,000**	**0%**

टिप्पणी – 18 : अन्य इक्विटी

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
प्रतिधारित आय/संचित हानि		
अवधि के आरम्भ में शेष	129.17	-61.10
अवधि के लिए लाभ/(हानि)	303.66	190.27
वर्ष 2020–21 के लिए लाभांश भुगतान	-57.08	-
अवधि के अंत में शेष राशि	**375.75**	**129.17**

टिप्पणी – 19 : प्रचालनों से राजस्व

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
एसआरआई निधि से प्रबंधन शुल्क	386.66	178.24
ब्याज आय	26.46	23.36
कुल	**413.12**	**201.60**

टिप्पणी – 20 : अन्य आय

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
बैंक में जमा सावधि जमा पर अर्जित ब्याज	0.00	0.00
एसआरआई निधि की ओर से किए गए खर्चों की प्रतिपूर्ति रू. 39.71 लाख एमओएमएसएमई से प्राप्त और टैक्स से रिफंड के रूप में 0.07 लाख रू.	39.78	69.37
कुल	**39.78**	**69.37**

टिप्पणी – 21 : कर्मचारी लाभ व्यय

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
निदेशक:		
वेतन एवं भत्ते	17.38	0.00
को योगदान:–		
भविष्य निधि	1.44	0.00
सेवानिवृत्ति योजना	1.19	0.00
ग्रेच्युटी	0.53	0.00
कुल	**20.54**	**0.00**
अन्य लाभ:–		
नकदीकरण छोड़े	1.06	0.00
अर्ध वेतन अवकाश	0.28	0.00
चिकित्सा	0.37	0.00
प्रदर्शन संबंधी वेतन (पीआरपी)	7.97	0.00
कुल अन्य लाभ:–	**9.68**	**0.00**
कुल	**30.22**	**0.00**

टिप्पणी – 22 : अवमूल्यन और परिशोधन

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को समाप्त अवधि के लिए	31.03.2022 को समाप्त अवधि के लिए
पर मूल्यह्रास		
सम्पत्ति, संयत्र तथा उपकरण	0.51	0.32
लाभ एवं हानि विवरण के अनुसार	**0.51**	**0.32**

टिप्पणी – 23 : अन्य व्यय

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को समाप्त अवधि के लिए	31.03.2022 को समाप्त अवधि के लिए
जनशक्ति समर्थन लागत #	0.00	31.32
भर्ती व्यय	0.47	4.21
ब्याज/शुल्क/दंड/वैधानिक बकाया के लिए	7.03	0.00
विधिक और व्यावसायिक शुल्क	1.98	1.20
यात्रा, वाहन और वाहन प्रभार #	0.27	0.77
लेखा परीक्षकों को भुगतान – सांविधिक लेखा परीक्षा व्यय*	0.50	0.51
मनोरंजन #	1.10	0.50
मुद्रण और लेखन सामग्री पर व्यय #	0.87	0.46
वेबसाइट और वेब पोर्टल पर व्यय	0.00	0.29
किराया भुगतान #	0.00	0.14
संचार व्यय #	0.05	0.11
विविध व्यय	0.69	0.20
कम्प्यूटरों की मरम्मत एवं रख–रखाव	1.04	0.00
निदेशक अन्य व्यय	2.54	0.00
कुल	**16.54**	**39.71**

*** वैधानिक लेखापरीक्षा शुल्क के अलावा वैधानिक लेखापरीक्षक को कोई अन्य भुगतान नहीं किया गया**

संदर्भ संख्या 29

टिप्पणी – 24 : कर व्यय

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को समाप्त अवधि के लिए	31.03.2022 को समाप्त अवधि के लिए
वर्तमान कर		
इस अवधि की कर योग्य राशि पर वर्तमान कर	102.00	55.25
कुल वर्तमान कर	**102.00**	**55.25**
पिछले वर्ष के करों का समायोजन		
आयकर का पुनर्लिखित अतिरिक्त प्रावधान	-0.56	-2.78
कुल पूर्व वर्षों के कर	**-0.56**	**-2.78**
आस्थगित कर क्रेडिट		
अस्थायी विसंगतियों की उत्पत्ति	0.00	0.00
कुल आस्थगित कर क्रेडिट	**0.53**	**-11.80**
कुल	**101.97**	**40.67**

आयकर में वर्तमान कर और आस्थिगत कर शामिल है। वर्तमान कर को आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार वर्ष के लिए देय आय के संबंध में भुगतान की जाने वाली अपेक्षित राशि पर मापा जाता है और यदि को अधिकता अथवा कमी होती है तो, उसे परिसंपत्तियों को अतिम रूप देते समय समायोजित कर लिया जाता है। देशी कंपनियों को कम कर्पोरेट कर दर का लाभ देने के लिए आयकर अधिनियम, 1961 में धारा 115बीएए को जोड़ा गया है।

अनुबंध – 24.1 : लाभ और हानि के विवरण में रिपोर्ट किए गए आयकर व्यय हेतु सांविधिक दर पर अनुमानित कर व्यय का समायोजन

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को समाप्त अवधि के लिए	31.03.2022 को समाप्त अवधि के लिए
कर से पहले लाभ / (हानि)	405.63	230.94
भारत में कंपनियों पर लागू होने वाली अधिनिगमित आय कर दर	25.17%	25.17%
परिकलित कर व्यय	102.09	58.12
लागूकरः		
कर योग्य लाभ निर्धारित करने में कटौती योग्य व्यय	-3.65	-3.05
कर योग्य लाभ निर्धारित करने में कटौती न करने योग्य व्यय	3.56	0.17
चालू का प्रावधान	102.00	55.25
आयकर का पुनर्लिखित अतिरिक्त प्रावधान	-0.56	-2.78
आस्थगित कर क्रेडिट	0.53	-11.80
लाभ और हानि विवरण में मान्यता प्राप्त कर व्यय	**101.97**	**40.67**

टिप्पणी – 25 : प्रतिशेयर आय

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को समाप्त अवधि के लिए	31.03.2022 को समाप्त अवधि के लिए
(क) इक्विटी शेयर धारको के कारण शुद्ध लाभ/(हानि)	303.66	190.27
(ख) प्रति शेयर मूल कमाई के लिए इक्विटी शेयर की भारित औसत संख्या	600000.00	600000.00
तनुकृत की प्रभाव*		
(ग) तनुकृत आय प्रति शेयर के लिए इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	600000.00	600000.00
प्रति शेयर आय (मूल) (रू.) (क/ख)	50.61	31.71
प्रति शेयर आय (तनुकृत) (रू.) (क/ग)	50.61	31.71

* प्रतिवेदन अवधि के दौरान कंपनी के पास कोई संभावित रूप से कमजोर प्रतिभूतियां नहीं थीं

टिप्पणी – 26 : खंड रिपोर्टिंग

कंपनी को वित्तीय और निवेश गतिविधियों के लिए स्थापित किया गया है और वर्तमान में एक ही व्यवसाय और भौगोलिक खंड में काम करती है।

टिप्पणी – 27 : आकस्मिक देयताएँ और प्रतिबद्धताएँ

(क) 31 मार्च 2023 को यथास्थिति कंपनी की कोई आकस्मिक देयता नहीं है।

(ख) भविष्य की अवधि के लिए विधि सलाहकार व्यय के प्रति प्रतिबद्धताएं 120.66 लाख रु. है। 31.03.2022 तक यही प्रतिबद्धता 175.89 लाख. रू. थी।

टिप्पणी – 28 : रिपोर्टिंग तिथि के बाद के कार्य

रिपोर्टिंग तिथि के बाद ऐसा कोई कार्य नहीं किया गया जिसके लिए इन वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण की आवश्यकता हो।

टिप्पणी – 29 : संबंधित पार्टियों का विवरण

क. संबंधित पार्टियों के नाम और उनसे संबंधों की प्रकृतिः	
संबंध का विवरण	**संबंधित पार्टी का नाम**
होल्डिंग कंपनी	राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड
एनवीसीएफएल की पहली एआईएफ योजना	आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) निधि
मुख्य प्रबंधन कार्मिक (केएमपी)	श्रीमती मर्सी एपाओ (अध्यक्ष) (02.01.2023 से 31.03.2023 तक)
	श्री गौरांग दीक्षित (01.04.2022 से 31.12.2022 तक)
	श्री सरवण कुमार अनणथन (निदेशक और सीईओ)
	श्रीमती निष्ठा गोयल (कंपनी सचिव)

वर्ष के दौरान कंपनी के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों के साथ लेनदेन

(लाख रू. में)

क्र. सं.	लेन–देन की प्रकृति	प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक	
		2022–23	**2021–22**
1.	**व्ययः**		
क)	वेतन एवं भत्ते	17.38	लागू नहीं
ख)	अवकाश/एलटीसी नकदीकरण	-	लागू नहीं
ग)	भविष्य निधि अंशदान	1.43	लागू नहीं
घ)	पेंशन योजना में योगदान	1.19	लागू नहीं
ड़)	अन्य खर्चों	2.54	लागू नहीं
च)	चिकित्सा के खर्चे	0.37	लागू नहीं
छ)	सेवांत लाभ के लिए प्रावधान	1.87	लागू नहीं
2.	**बकाया राशिः**		**लागू नहीं**
क)	ऋण एवं ब्याज बकाया	0.12	लागू नहीं
ख)	यात्रा अग्रिम		
ग)	बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार अंतिम लाभ का प्रावधान	1.87	लागू नहीं
3.	**अन्य भुगतानः**	–	**लागू नहीं**

टिप्पणीः–

1. एनवीसीएफएल के सीईओ और निदेशक श्री सरवण कुमार अनणथन को वेतन और अन्य भत्ते का भुगतान किया गया है।
2. किसी अन्य प्रमुख प्रबंधन कार्मिक को किसी भी प्रकार का कोई भुगतान नहीं किया गया है।
3. श्री सरवण कुमार अनणथन सीईओ एवं निदेशक 17.10.2022 को कंपनी में शामिल हुए।

ख. वर्ष के दौरान संबंधित पार्टियों के नाम और लेनदेन की प्रकृतिः			
			(लाख रू. में)
संबंधित पार्टी का नाम	**लेन–देन की प्रकृति**	**31 मार्च, 2023 को समाप्त अवधि**	**31 मार्च, 2022 को समाप्त अवधि**
होल्डिंग कंपनी	कंपनी की ओर से संबंधित पार्टी द्वारा किए गए व्यय के किए की गई प्रतिपूर्ति		
	जनशक्ति समर्थन लागत	60.26	28.57
	भुगतान किया गया किराया	5.93	0.12
	यात्रा, वाहन और वाहन शुल्क	3.83	0.05
	संबंधित पार्टी की ओर से कंपनी द्वारा किए गए भुगतान के लिए प्राप्त प्रतिपूर्ति	0	1.78

(लाख रू. में)

संबंधित पार्टी का नाम	लेन–देन की प्रकृति	31 मार्च, 2023 को समाप्त अवधि	31 मार्च, 2022 को समाप्त अवधि
एसआरआई निधि	लिया गया अग्रिम	0.00	1.25
	प्राप्त निधि/प्रतिपूर्ति की ओर से किया गया व्यय	551.53	304.39
	निवेश किया गया	19.45	8.91
	प्रबंधन शुल्क लिया गया	386.66	178.24

ग. संबंधित पार्टी लेनदेन के लिए बकाया राशि का विवरण:

(लाख रू. में)

संबंधित पार्टी का नाम	लेन–देन की प्रकृति	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
होल्डिंग कंपनी	अन्य वित्तीय दायित्व	80.24	33.33
	इक्विटी में योगदान	600	600
एसआरआई निधि	अग्रिम लाभ उठाया गया	0.00	1.25
	निवेश	28.36	8.91
	अन्य वित्तीय परिसंपत्ति	613.68	109.42

घ. संबंधित पार्टियों के साथ लेन–देन उन शर्तों के बराबर किया जाता है जो सामान्यतः लेनदेन में प्रचलित होते हैं। उपरोक्त सभी मूल्य (टिप्पणी संख्या 29 [ख]) जहाँ लागू हो, जीएसटी के बिना हैं।

ड. संबंधित पार्टियों के लेनदेन के प्रमुख नियम और शर्तें:

1. **प्रमुख प्रबंधन व्यक्ति का पारिश्रमिक सेवा नियमों के अनुरूप है।**
2. **रुपये की राशि. श्री सरवण कुमार अनणथन – सीईओ और निदेशक के नाम पर 0.12 लाख रुपये बकाया है, जो 0.19 लाख रुपये के कुल ऋण और अग्रिम का 63% है।**

टिप्पणी – 30 : पट्टे

भारतीय लेखांकन मानक–116 के अनुसार, पट्टों के अनुसार, अल्पकालिक पट्टे और कम मूल्य की संपत्ति के मामले में मानक में निर्धारित मुख्य सिद्धांतों को लागू करना वैकल्पिक है। चूंकि कंपनी का एकमात्र पट्टा अनुबंध 12 महीने से कम की अवधि के लिए है और महत्वहीन मूल्य का है, कंपनी ने भारतीय लेखांकन मानक–116 में बताए अनुसार मुख्य सिद्धांतों को लागू नहीं करने का विकल्प चुना है।

लाभ और हानि विवरण में मान्यता प्राप्त राशि

31.03.2023 को समाप्त अवधि के दौरान, लाभ और हानि के विवरण में परिचालन पट्टे की प्रकृति में शून्य (करों को छोड़कर) के पट्टा किराए को मान्यता दी गई है। 31.03.2022 को समाप्त अवधि के लिए, पट्टा किराया लाभ और हानि के विवरण में 0.14 लाख (कर को छोड़कर) को मान्यता दी गई थी। 11 महीने की अवधि के बाद कोई संविदात्मक पट्टा भुगतान प्रतिबद्धता नहीं है।

टिप्पणी – 31 : वित्तीय विलेख – उचित मूल्य

I. पूंजी प्रबंधन

कंपनी के पूंजी प्रबंधन के उद्देश्य के लिए, पूंजी में कंपनी के इक्विटी धारकों के कारण जारी इक्विटी पूंजी और अन्य सभी इक्विटी रिजर्व शामिल किए जाते हैं। कंपनी के पूंजी प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य शेयर पूंजी की सुरक्षा और रक्षा और शेयरधारक के धन में वृद्धि करना। कंपनी अपनी पूंजी संरचना का प्रबंधन करती है और आर्थिक स्थितियों में बदलाव और वित्तीय अनुबंधों की आवश्यकताओं के आलोक में समायोजन करती है। समय–समय पर, कंपनी शेयरधारकों को पूंजी पर वापसी के लिए पूंजी संरचना की समीक्षा करती है। 31 मार्च 2023 की यथास्थिति के अनुसार कंपनी पर कोई ऋण नहीं है।

II. वित्तीय जोखिम प्रबंधन

कंपनी की प्रमुख वित्तीय देनदारियों में व्यापार देय और अन्य वित्तीय देनदारियां शामिल हैं। इन वित्तीय देनदारियों का मुख्य उद्देश्य है कंपनी के संचालन को वित्तपोषित करना और इसके परिचालनों में सहयोग हेतु गारंटी प्रदान करना। कंपनी की प्रमुख वित्तीय संपत्तियों में नकदी एवं नकदी समतुल्य, अन्य बैंक शेष, ऋण और अग्रिम, व्यापार प्राप्य, निवेश और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ शामिल हैं जो सीधे इसके संचालन से प्राप्त होती हैं।

कंपनी बाजार जोखिम, ऋण जोखिम और चलनिधि जोखिम का सामना करती है। विदेशों में कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन इन जोखिमों का प्रबंधन करते हैं। कंपनी की वित्तीय जोखिम गतिविधियों पर प्रबंधन द्वारा निरंतर निगरानी रखी जाती है और वित्तीय जोखिम की पहचान, मापन किया जाता है और वरिष्ठ प्रबंधन निर्णयों और नीतियों के अनुसार इनका प्रबंधन किया जाता है।

क) बाजार जोखिम

बाजार जोखिम वह जोखिम होता है जिसमें बाजार की कीमतों में बदलाव के कारण किसी वित्तीय साधन के भावी नकदी प्रवाह के उचित मूल्य में उतार–चढ़ाव आएगा। बाजार जोखिम में तीन प्रकार के जोखिम मुद्रा जोखिम, ब्याज दर जोखिम और इक्विटी मूल्य जोखिम शामिल हैं। इक्विटी मूल्य जोखिम का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। कंपनी के पास कोई उधार और विदेशी मुद्रा लेनदेन नहीं है, इसलिए ब्याज जोखिम के साथ ही मुद्रा जोखिम का सामना नहीं करना पड़ा।

ख) क्रेडिट जोखिम प्रबंधन

क्रेडिट जोखिम वह जोखिम है जिसके अंतर्गत यदि कोई भी कंपनी वित्तीय साधनों और ग्राहक अनुबंध के तहत अपने दायित्वों को पूरा नहीं कर सकेगी, तो उसे वित्तीय नुकसान होगा। कंपनी अपनी परिचालन गतिविधियों, मुख्य रूप से व्यापार प्राप्य, निवेश, बैंकों के साथ अन्य शेष और अग्रिमों से ऋण जोखिम के संपर्क में है। व्यापार प्राप्यों और अग्रिमों से उत्पन्न होने वाले ऋण जोखिम की और पिछले अनुभव और इतिहास के आधार पर भी समय–समय पर समीक्षा की जाती है। क्रेडिट जोखिम निवेश से उत्पन्न होता है और बैंकों के साथ अन्य शेष राशि सीमित होती है और इनके खिलाफ कोई संपार्श्विक नहीं होता है काउंटर पार्टियां क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा सौंपी गई उच्च क्रेडिट रेटिंग वाले बैंक हैं और कंपनी के पास समीक्षा निवेश के लिए जोखिम प्रबंधन नीति भी है। कंपनी ने किसी भी क्रेडिट खराब करने वाली परिसंपत्ति का अधिग्रहण नहीं किया। किसी भी वित्तीय परिसंपत्ति में कोई संशोधन नहीं है।

ग) चलनिधि जोखिम प्रबंधन

कंपनी बैंकिंग सुविधाओं और आरक्षित उधार सुविधाओं को बनाए रखते हुए, पूर्वानुमान और वास्तविक नकदी प्रवाह की निरंतर निगरानी और वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताओं की परिपक्वता प्रोफाइल का मिलान करके चलनिधि जोखिम का प्रबंधन करती है। कंपनी के पास वित्त पोषण के पर्याप्त स्रोत है।

टिप्पणी – 32 : रिपोर्टिंग तिथि पर वित्तीय देनदारियों की शेष संविदात्मक परिपक्वता निम्नानुसार है। यह राशि सकल राशि है और बिना रियायत के भुगतान की गई है।

(लाख रू. में)

वित्तीय देनदारियों की संविदात्मक परिपक्वता 31.03.2023	1 वर्ष या उससे कम	1–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
उधारी	0.00	0.00	0.00	0.00
व्यापार देयताएं	0.00	0.00	0.00	0.00
अन्य वित्तीय देयताएं	429.04	0.00	0.00	429.04

वित्तीय परिसंप्पतियों की संविदात्मक परिपक्वता 31.03.2023	1 वर्ष या उससे कम	1–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
नकदी और नकदी समतुल्य	352.79	0.00	0.00	352.79
नकदी और नकदी समतुल्य के	328.39	0.00	0.00	328.39
अलावा अन्य बैंक शेष	0.19	0.00	0.00	0.19
ऋण एवं अग्रिम	0.00	0.00	0.00	0.00
व्यापार प्राप्य	0.00	0.00	28.36	28.36

(लाख रू. में)

वित्तीय परिसंप्पतियों की संविदात्मक परिपक्वता 31.03.2023	1 वर्ष या उससे कम	1–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
निवेश	621.09	0.00	0.00	621.09
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	621.09	0.00	0.00	621.09

(लाख रू. में)

वित्तीय देयताओं की संविदात्मक परिपक्वता 31.03.2022	1 वर्ष या उससे कम	1–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
अन्य वित्तीय देनदारियों	121.49	0.00	0.00	121.49

वित्तीय परिसंपत्तियों की संविदात्मक परिपक्वता 31.03.2022	1 वर्ष या उससे कम	1–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
नकदी और नकदी समतुल्य	329.48	0.00	0.00	329.48
नकदी और नकदी समतुल्य के अलावा अन्य बैंक शेष	433.82	0.00	0.00	433.82
ऋण एवं अग्रिम	1.25	0.00	0.00	1.25
व्यापार प्राप्य	0	0.00	0.00	0
निवेश	0.00	0	8.91	8.91
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	116.80	0.00	0.00	116.80

टिप्पणी – 33 : वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों का वर्गीकरण

निम्नलिखित तालिका में वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों को उचित मूल्य पदानुक्रम में शामिल उनके स्तर की वहन राशि और उचित मूल्य को दर्शाया गया है। यदि वहन राशि उचित मूल्य का उचित अनुमान है, इसे उचित मूल्य पर मापा नहीं गया है, इसमें वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों के लिए उचित मूल्य की जानकारी शामिल नहीं है।

(लाख रू. में)

31 मार्च, 2023 को वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देयताएं	नोट सं.	वहन राशि			कुल
		लाभ और हानि खाते के माध्यम से उचित मूल्य	अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य	परिशोधित लागत	
वित्तीय परिसंपत्तियाँ					
नकदी और नकदी समतुल्य	3	-	-	352.79	352.79
नकदी और नकदी समतुल्य के अलावा अन्य बैंक शेष	4	-	-	328.39	328.39
ऋण एवं अग्रिम	6	-	-	0.19	0.19
व्यापार प्राप्य		-	-	0.00	0.00
निवेश	7	-	-	28.36	28.36
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	8	-	-	621.09	621.09
वित्तीय देयताएँ					
देय					
देय व्यापार		-	-	0	0
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	14	-	-	429.04	429.04

(लाख रू. में)

31 मार्च, 2022 को वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देयताएं	नोट सं.	वहन राशि			कुल
		लाभ और हानि खाते के माध्यम से उचित मूल्य	अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य	परिशोधित लागत	
वित्तीय परिसंपत्तियाँ					
नकदी और नकदी समतुल्य	3	-	-	329.48	329.48
नकदी और नकदी समतुल्य के अलावा अन्य बैंक शेष	4	-	-	433.82	433.82
ऋण एवं अग्रिम	5	-	-	1.25	1.25
व्यापार प्राप्य	6	-	-	0	0
निवेश	7	-	-	8.91	8.91
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	8	-	-	116.80	116.80
वित्तीय देयताएँ					
देय					
देय व्यापार	13	-	-	0	0
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	14	-	-	121.49	121.49

(लाख रू. में)

31 मार्च, 2023 को वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देयताएं	नोट सं.	उचित मूल्य			कुल
		स्तर – 1	स्तर – 2	स्तर – 3	
वित्तीय परिसंपत्तियाँ					
नकदी और नकदी समतुल्य	3	-	-	352.79	352.79
नकदी और नकदी समतुल्य के अलावा अन्य बैंक शेष	4	-	-	328.39	328.39
ऋण एवं अग्रिम	6			0.19	0.19
व्यापार प्राप्य				0.00	0.00
निवेश	7			28.36	28.36
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	8	-	-	621.09	621.09
वित्तीय देयताएँ					
देय					
देय व्यापार		-	-	0	0
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	14			429.04	429.04

(लाख रू. में)

31 मार्च, 2023 को वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देयताएं	नोट सं.	उचित मूल्य			कुल
		स्तर – 1	स्तर – 2	स्तर – 3	
वित्तीय परिसंपत्तियाँ					
नकदी और नकदी समतुल्य	3	-	-	329.48	329.48
नकदी और नकदी समतुल्य के अलावा अन्य बैंक शेष	4	-	-	433.82	433.82
ऋण एवं अग्रिम	5			1.25	1.25
व्यापार प्राप्य	6			0	0
निवेश	7			8.91	8.91
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	8	-	-	116.80	116.80

(लाख रू. में)

31 मार्च, 2023 को वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देयताएं	नोट सं.	उचित मूल्य			कुल
		स्तर – 1	स्तर – 2	स्तर – 3	
वित्तीय देयताएँ					
देय					
देय व्यापार	13	-	-	0	0
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	14			121.49	121.49

क. उचित मूल्य पदानुक्रम

कंपनी निम्नलिखित उचित मूल्य पदानुक्रम का उपयोग करके उचित मूल्य को मापती है, जो माप बनाने में उपयोग किए गए इनपुट के महत्व को दर्शाती है।

स्तर – 1 : इनपुट जिनमें समान संपत्ति या देयताओं के लिए सक्रिय बाजारों में बाजार मूल्य (असमायोजित) उद्धृत किए जाते हैं।

स्तर – 2 : उचित मूल्य मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके सक्रिय बाजारों में कारोबार नहीं किए जाने वाले वित्तीय साधनों का मूल्य निर्धारित किया जाता है, जिससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अवलोकन योग्य बाजार डेटा के उपयोग को अधिकतम किया जाता है, जैसे कि सक्रिय बाजारों में समान संपत्ति और देनदारियों के लिए उद्धृत मूल्य, काफी हद तक वित्तीय साधन की पूरी अवधि के लिए होते हैं लेकिन स्तर 1 इनपुट के रूप में योग्य नहीं है। यदि एक उपकरण के उचित मूल्य के लिए आवश्यक सभी महत्वपूर्ण इनपुट देखे जा सकते हैं, तो उपकरण को स्तर 2 में शामिल किया जाता है।

स्तर – 3 : यदि एक या अधिक महत्वपूर्ण इनपुट अवलोकन योग्य बाजार डेटा पर आधारित नहीं हैं, तो उपकरण स्तर 3 में शामिल किए जाते हैं। इस लिए, जोखिम के बारे में बाजार सहभागियों की धारणाएं और उस जोखिम को सहन करने के लिए बाजार सहभागियों द्वारा आवश्यक जोखिम प्रीमियम स्तर 3 इनपुट में शामिल किए जाते हैं। कंपनी परिस्थितियों में उपलब्ध सर्वोत्तम जानकारी के आधार पर स्तर 3 इनपुट विकसित करती है।

ख. वहनीय मूल्य पर वित्तीय विलेखों का मूल्य वहन

अन्य चालू बैंक शेष, अन्य प्राप्य और व्यापार और अन्य देय सहित अन्य वित्तीय देनदारियों सहित नकद समकक्ष की अग्रणी राशि को उनके, वर्तमान और इस तरह के शेष की कम समय अवधि की प्रकृति के कारण इन्हें उचित मूल्यों के समान माना जाता है।

टिप्पणी – 34 : बिक्री के लिए धारित गैर चालू संपत्तियाँ

भारतीय लेखांकन मानक–105 के अनुसार कोई भी परिसम्पत्ति बिक्री के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत नहीं की गई हैं।

टिप्पणी – 35 : एसआरआई फंड की स्थापना

कंपनी को एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए भारत सरकार की योजना – सेल्फ रिलाएंट इंडिया (एसआरआई) फंड के कार्यान्वयन हेतु स्थापित किया गया है। चूंकि कंपनी ने सेबी से श्रेणी–II वैकल्पिक निवेश कोष के रूप में अनुमोदन प्राप्त किया था, एसआरआई फंड हमेशा एक ऐसी योजना के रूप में था, जिसे केवल कंपनी द्वारा प्रशासित किया जाए, लेकिन इसकी अपनी एक अलग पहचान थी। अपने कानूनी सलाहकारों के साथ विचार–विमर्श के उपरांत, कंपनी को आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार एसआरआई फंड को 'एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स' (व्यक्तियों का संघ) के रूप में स्थापित करने की सलाह दी गई, जिससे निधि में योगदानकर्ता अर्थात भारत सरकार, एनएसआईसी और कंपनी, दिनांक 12 अक्टूबर 2021 के योगदान समझौते की शर्तों के अनुसार सदस्य होंगे।

पिछले वर्ष, वित्त वर्ष 2021–22 में कंपनी इस नियामक संरचना को क्रियान्वित करने की प्रक्रिया में थी, भारत सरकार ने 31 मार्च 2022 (पिछले वर्ष शून्य) को समाप्त वर्ष के दौरान रु. 18,034.58 लाख (राशि रु. 2500.00 लाख के पारगमन में प्रेषण सहित) की एक अलग राशि कंपनी द्वारा एसआरआई फंड के लिए अनुरक्षित एक अलग बैंक खाते में एसआरआई फंड में उनके योगदान के रूप में हस्तांतरित की। इसी प्रकार, राशि रु. 1.78 लाख (पिछले वर्ष शून्य) और राशि रु. 8.91 लाख (पिछले वर्ष शून्य) को भी एनएसआईसी और कंपनी द्वारा ऐसे अलग बैंक खाते में स्थानांतरित किया गया था, जो एसआरआई फंड में उनके संबंधित योगदान के रूप में था। चूंकि राशि कंपनी के बैंक खाते में प्राप्त हुई है, लेकिन केवल एसआरआई फंड के लिए अभिप्रेत है, जो एक अलग इकाई है, रु. 15,234.37 लाख की शेष राशि (एसआरआई फंड के व्यय के समायोजन के बाद) को एसआरआई फंड की ओर से कंपनी द्वारा ट्रस्ट में धारित माना गया है। तदनुसार, एसआरआई फंड की ओर से ट्रस्ट में रखी गई निधियों को कंपनी के नकद और नकद समकक्षों के विरुद्ध समायोजित कर दिया गया है और एक अलग देयता के रूप में प्रस्तुत नहीं किया गया है। एक बार ऐसा खाता स्थापित हो जाने पर, कंपनी संपूर्ण शेष राशि को एसआरआई फंड के एक अलग बैंक खाते में स्थानांतरित करने का इरादा रखती है।

वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए एनवीसीएफएल का ऑडिट करते समय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक ने एसआरआई फंड संरचना के संबंध

में कुछ प्रश्न उठाए थे। संरचना मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगने के लिए 24.11.2022 को मुंबई में सेबी अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी जिसमें एनवीसीएफएल को लिखित रूप में मामले का प्रतिनिधित्व करने का निर्देश दिया गया था। तदनुसार, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को एक पत्र संख्या एनवीसीएफएल/2022–23/295 दिनांक 05.01.2023 लिखा गया है जिसमें "यह उल्लेख किया गया है कि एक कॉर्पोरेट संरचना के तहत आयोजित किए जाने वाले एसआरआई फंड की संरचना अनिवार्य थी।" भारत सरकार (जीओआई) द्वारा कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधान के अनुसार एसआरआई फंड के संचालन में बेहतर प्रशासन और अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दृष्टि से एक विशिष्ट ट्रस्ट संरचना के बजाय एक कॉर्पोरेट संरचना के तहत कार्यान्वित किया जाएगा। स्पष्ट रूप से एक कॉर्पोरेट संरचना एआईएफ के लिए एक सामान्य संरचना नहीं है, एआईएफ विनियमन एक कॉर्पोरेट संरचना को एआईएफ पंजीकरण के लिए पात्र मानता है। उपरोक्त संरचना के आधार पर, एनवीसीएफएल ने सेबी के साथ एआईएफ के रूप में पंजीकरण के लिए आवेदन किया था और एनवीसीएफएल की पहली योजना के रूप में एसआरआई फंड का निजी प्लेसमेंट ज्ञापन (पीपीएम) जमा किया था और इसे सेबी द्वारा अनुमोदित किया गया था और एआईएफ पंजीकरण एनवीसीएफएल को दिया गया था। एसआरआई फंड इसकी पहली योजना है।

इस संबंध में, एनवीसीएफएल अपने मेल दिनांक 7.03.2023, 20–03–2023, 30–05–2023 और 1–08–2023 के माध्यम से सेबी के साथ लगातार संपर्क कर रहा है, लेकिन आज तक जवाब का इंतजार है।

वर्ष वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान, सावधि जमा पर ब्याज, जिसमें से 76.89 लाख रु. 50.43 लाख एसआरआई फंड से संबंधित है और इसका हिसाब एसआरआई फंड की पुस्तकों में किया गया है। वित्तीय वर्ष 2021–22 में वैधानिक लेखा परीक्षकों द्वारा एसरआरआई फंड को अलग से ऑडिट किया गया था, वित्तीय वर्ष 2022–23 में भी अलग से ऑडिट किया जाएगा।

टिप्पणी –36 : परिसंपत्ति और देनदारियों के तहत प्रत्येक पंक्ति वस्तु के लिए 12 महीने और उसके बाद वसूली/निपटान की जाने वाली अपेक्षित राशि:

(लाख रू. में)

विवरण		31 मार्च, 2023 तक			31 मार्च, 2023 तक		
		12 महीने के भीतर	12 महीने से अधिक	कुल	12 महीने के भीतर	12 महीने से अधिक	कुल
परिसंपत्तियां							
1	वित्तीय परिसंपत्तियां						
क	नकदी एवं नकदी समतुल्य	352.79	0	352.79	329.48	0	329.48
ख	नकदी एवं नकदी समतुल्य के अलावा बैंक शेष	328.39	0	328.39	433.82	0	433.82
ग	व्यापार प्राप्य	0	0	0	0	0	0
घ	ऋण एवं अग्रिम	0.19	0	0.19	1.25	0	1.25
ड़	निवेश	0	28.36	28.36	0	8.91	8.91
च	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	621.09	0	621.09	116.80	0	116.80
कुल वित्तीय संपत्ति (1)		**1302.46**	**28.36**	**1330.82**	**881.35**	**8.91**	**890.26**
2	**गैर–वित्तीय परिसंपत्तियां**						
क	माल–सूचियां	0	0	0	0	0	0
ख	वर्तमान कर परिसंपत्तियां (निवल)	61.11	0	61.11	0	0	0
ग	आस्थगित कर परिसंपत्तियां (निवल)	0	11.28	11.28	0	11.80	11.80
घ	संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर	0	3.45	3.45	0	0.68	0.68
ड़	चालू पूंजीगत कार्य	0	0	0	0	0	0
च	विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	0	0	0	0	0	0
छ	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियां	0	0	0	0	0	0
ज	उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियां	0	0	0	0	0	0
झ	बिक्री के लिए वर्गीकृत परिसंपत्तियां	0	0	0	0	0	0
ञ	अन्य गैर–वित्तीय परिसंपत्तियां	0	0	0	0.83	0	0.83
कुल गैर वित्तीय संपत्ति (2)		**61.11**	**14.73**	**103.58**	**0.83**	**12.48**	**13.31**
कुल संपत्ति (1+2)		**1363.57**	**43.09**	**1406.66**	**882.18**	**21.39**	**903.57**

(लाख रू. में)

विवरण		31 मार्च, 2023 तक			31 मार्च, 2023 तक		
		12 महीने के भीतर	12 महीने से अधिक	कुल	12 महीने के भीतर	12 महीने से अधिक	कुल
देयताएं							
1	वत्तीय देनदारियाँ						
क	व्यापार देयताएं	0	0	0	0	0	0
ख	उधारी	0	0	0	0	0	0
ग	बिक्री के लिए रखी गई संपत्तियों से जुड़ी देनदारियां	0	0	0	0	0	0
घ	अन्य वित्तीय देनदारियाँ	429.04	0	429.04	121.49	0	121.49
कुल वित्तीय देनदारियाँ (1)		**429.04**	**0**	**429.04**	**121.49**	**0**	**121.49**
2	गैर–वित्तीय देयताएं						
(क)	वर्तमान कर देयताएं (निवल)	0	0	0	52.91	0	52.91
(ख)	प्रावधान	0	1.87	1.87	0	0	0
(ग)	आस्थगित कर देयताएं (निवल)	0	0	0	0	0	0
(घ)	अन्य गैर–वित्तीय देयताएं	0	0	0	0	0	0
कुल गैर–वित्तीय देयताएं (2)		**0**	**1.87**	**1.87**	**52.91**	**0**	**52.91**
कुल देयताएं (1+2)		**429.04**	**1.87**	**430.91**	**174.40**	**0**	**174.40**

टिप्पणी – 37 : प्रस्तावित लाभांश

विवरण	31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए
100 रू. प्रत्येक के इक्विटी शेयरों पर		
प्रस्तावित लाभांश की राशि (रू. लाख में)	91.10	57.08
लाभांश की दर (%)	30%	30%
प्रति इक्विटी शेयर लाभांश (रू.)	15.18	9.51

एनवीसीएफएल द्वारा प्रस्तावित लाभांश कर के बाद मुनाफे पर आधारित हैं जैसा कि निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) द्वारा जारी वित्तीय विवरणों और दिशानिर्देशों में बताया गया है। एनवीसीएफएल के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2022–23 के लिए रू. 91.10 लाख (वित्त वर्ष 2021–22 के लिए वार्षिक रू. 57.08 लाख) के अंतिम लाभांश का प्रस्ताव रखा।

टिप्पणी – 38 : प्रदर्शन संबंधित वेतन (पीआरपी)

सार्वजनिक उद्यम विभाग के दिशानिर्देशों के अनुसार, वित्त वर्ष 2022–23 के लिए प्रदर्शन संबंधित वेतन (पीआरपी) के लिए रू. 7.97 लाख (वित्त वर्ष 2021–22 – शून्य) की राशि का प्रावधान किया गया है।

टिप्पणी –39 : अतिरिक्त खुलासे

इरादतन चूककर्ता

कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या सरकार या किसी सरकारी प्राधिकरण द्वारा जानबूझकर चूककर्ता घोषित नहीं किया गया है।

समाप्त की गई कंपनियों से संबंध

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 या कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 के तहत हटाई गई कंपनियों के साथ कंपनी का कोई लेनदेन नहीं है।

धारित बेनामी संपत्ति का विवरण

बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (1988 का 45) और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत बेनामी संपत्ति रखने के लिए कंपनी पर कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है या लंबित है।

कंपनियों की परतों की संख्या का अनुपालन

कंपनी भारत सरकार की कंपनी के रूप में पंजीकृत है और कंपनी (परतों की संख्या पर प्रतिबंध) नियम, 2017 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 के खंड (87) के तहत परतों की संख्या पर प्रतिबंध से संबंधित प्रावधान लागू नहीं हैं।

व्यवस्थाओं की अनुमोदित योजना (योजनाओं) का अनुपालन

कंपनी ने ऐसी किसी भी व्यवस्था की योजना में प्रवेश नहीं किया है जिसका चालू या पिछले वित्तीय वर्ष पर लेखांकन प्रभाव पड़ता हो।

उधार ली गई धनराशि और शेयर प्रीमियम का उपयोग

(क) वर्ष के दौरान, कंपनी ने विदेशी संस्थाओं सहित किसी भी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (ओं) को अग्रिम या उधार या निवेशित धनराशि (या तो उधार ली गई धनराशि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या प्रकार की धनराशि) नहीं दी है। मध्यस्थ) इस समझ के साथ (चाहे लिखित रूप में या अन्यथा दर्ज किया गया हो) कि मध्यस्थ यह करेगा:

(i) कंपनी (अंतिम लाभार्थी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उधार देना या निवेश करनाय या

(ii) अंतिम लाभार्थियों को या उनकी ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या ऐसी ही कोई गारंटी प्रदान करना।

(ख) वर्ष के दौरान, कंपनी को विदेशी संस्थाओं (फंडिंग पार्टी) सहित किसी भी व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (ओं) से कोई फंड प्राप्त नहीं हुआ है (चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा) कि कंपनी:

(i) फंडिंग पार्टी (अंतिम लाभार्थियों) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उधार देना या निवेश करनाय या

(ii) अंतिम लाभार्थियों को या उनकी ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या ऐसी ही कोई गारंटी प्रदान करना।

अघोषित आय

आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कर निर्धारण में चालू या पिछले वर्ष के दौरान आय के रूप में सरेंडर या खुलासा की गई कोई आय नहीं है, जिसे खाते की किताबों में दर्ज नहीं किया गया है।

क्रिप्टो करेंसी या आभासी मुद्रा का विवरण

कंपनी ने चालू या पिछले वर्ष के दौरान क्रिप्टो करेंसी या आभासी मुद्रा में व्यापार या निवेश नहीं किया है।

पीपी एंड ई, अमूर्त संपत्ति और निवेश संपत्ति का मूल्यांकन

कंपनी ने चालू या पिछले वर्ष के दौरान अपनी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (उपयोग के अधिकार वाली संपत्तियों सहित) या अमूर्त संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।

कंपनी रजिस्ट्रार के पास शुल्कों का पंजीकरण या संतुष्टि

ऐसा कोई शुल्क या संतुष्टि नहीं है जिसे वैधानिक अवधि के बाद कंपनी रजिस्ट्रार के पास पंजीकृत किया जाना बाकी है।

विश्लेषणात्मक अनुपात

वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) को दी गई विशिष्ट नियामक छूट के कारण कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी एनबीएफसी नियमों की प्रयोज्यता से छूट दी गई है। सीआरएआर और तरलता कवरेज अनुपात कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड

("एनएसआईसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी")
पंजीकृत कार्यालयः एनएसआईसी भवन, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, फेज–III, नई दिल्ली–110020
(सीआईएन नंबरः यू65990डीएल2020जीओआई368828)

01.04.2022 से 31.03.2023 तक की अवधि के लिए नकदी प्रवाह का विवरण

(लाख रू. में)

क्र. सं.	विवरण	31.03.2023 को समाप्त अवधि के लिए	31.03.2022 को समाप्त अवधि के लिए
	प्रचालन कार्यों से प्राप्त नकदी प्रवाहः		
	कर पूर्व लाभ/(हानि) ।	405.63	**230.94**
	समायोजन से पहले शुद्ध हानिः		
	मूल्यह्रास	0.51	**0.32**
	पिछले वर्ष के लिए वसूली योग्य आयकर की मान्यता	0.00	**0.83**
	कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पहले परिचालन हानि	406.14	232.09
	कार्यशील पूंजी में परिवर्तन		
	ऋण एवं अग्रिम में (वृद्धि)/कमी	1.06	**-1.25**
	व्यापार प्राप्य में (वृद्धि)/कमी	0.00	-109.42
	(वृद्धि)/वर्तमान परिसंपत्तियों में कमी	-163.11	0.00
	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों में (वृद्धि)/कमी	-504.29	2.31
	अन्य गैर–वित्तीय परिसंपत्तियों में (वृद्धि)/कमी	0.83	4.07
	व्यापार देय में वृद्धि/(कमी) ।	0.00	77.85
	अन्य वित्तीय देनदारियों में वृद्धि/(कमी) ।	307.55	41.47
	प्रावधान में वृद्धि/कमी	1.87	0.00
	परिचालन से नकदी (उपयोग)/उत्पन्न	-356.09	**247.12**
	भुगतान किया गया आयकर	-52.35	**-2.34**
I	**परिचालन गतिविधियों से उत्पन्न/(इसमें उपयोग किया गया) शुद्ध नकदी**	**-408.44**	**244.78**
	निवेश गतिविधियों से नकदी प्रवाहः		
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की खरीद	-3.28	0.00
	विकासाधीन अमूर्त संपत्तियों के लिए प्रतिपूर्ति की गई राशि	0.00	16.93
	सावधि जमा में निवेश – (परिपक्वता 3 महीने से अधिक लेकिन 1 वर्ष से अधिक नहीं)		-70.00
	सावधि जमा में निवेश – (1 वर्ष से अधिक की परिपक्वता)	105.42	136.18
	एआईएफ – एसआरआई निधि में निवेश	-19.45	-8.91
II	**निवेश गतिविधियों से/(में प्रयुक्त) से उत्पन्न निवल नकदी**	**82.69**	**74.20**
	वित्तीय गतिविधियों से नकदी प्रवाहः		
	वित्त वर्ष 2021–22 के लिए लाभांश का भुगतान	-57.08	0.00
	शुद्ध नकदी (इसमें उपयोग किया गया)/ वित्तपोषण गतिविधियों से उत्पन्न	**-57.08**	**0.00**
III	**नकद एवं नकद समतुल्यों में निवल (कमी)/वृद्धि (I+II+III)**	**23.31**	**318.98**
	अवधि के आरंभ में नकदी और नकदी समतुल्य	**329.48**	**10.50**
	अवधि के अंत में नकदी और नकदी समतुल्य	**352.79**	**329.48**

संलग्न नोट वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा हैं

इसी तारीख को हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
देवन्द्र कुमार जैन एण्ड एसोसिएट्स के लिए
सनदी लेखाकार
आईसीएआई फर्म पंजीकरण सं.: 007799एन

ह./–
डी के जैन
साझेदार
{ सदस्यता सं.: 083417}
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.08.2023
यूडीआईएन : 23083417बीजीएक्सएचसीजे2856

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से
एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड

ह./–
विपुल गोयल
अध्यक्ष
{ डीआईएन नं.: 10229523}

ह./–
सरवण कुमार अनणथन
निदेशक एण्ड सीईओ
{ डीआईएन नं.: 09769378}

ह./–
राजेश मदान
महाप्रबंधक

ह./–
आदर्श कुमार कंसल
मुख्य प्रबंधक (लेखा)

ह./–
निष्ठा गोयल
कंपनी सचिव
{ सदस्यता सं.: ए22768}

एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड

("एनएसआईसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी")
पंजीकृत कार्यालयः एनएसआईसी भवन, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, फेज–III, नई दिल्ली–110020
(सीआईएन नंबरः यू65990डीएल2020जीओआई368828)

01.04.2022 से 31.03.2023 तक की अवधि के लिए इक्विटी में परिवर्तन का विवरण

I. इक्विटी शेयर कैपीटल

(लाख रू. में)

विवरण	31.03.2023 को यथास्थिति	31.03.2022 को यथास्थिति
अंकित मूल्य रू. 100/– वाले शेयर		
अवधि के शुरूआत में संतुलन	600.00	600.00
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	0	0
अवधि के अंत में शेष	**600.00**	**600.00**

II. अन्य इक्विटी

(लाख रू. में)

विवरण	प्रतिधारित आय	अन्य व्यापक आय	कुल
01.04.2022 को अवधि की शुरुआत में शेष राशि	129.17	0.00	129.17
अवधि के लिए लाभ/(हानि)	303.66	0.00	303.66
अवधि के लिए व्यापक आय	0.00	0.00	0.00
लाभांश भुगतान	-57.08		-57.08
31 मार्च, 2023 को यथास्थिति	**375.75**	**0.00**	**375.75**
01.04.2021 को अवधि की शुरुआत में शेष राशि	-61.10	0.00	-61.10
अवधि के लिए लाभ/(हानि)	190.27	0.00	190.27
अवधि के लिए व्यापक आय	0.00	0.00	0.00
31 मार्च, 2022 को यथास्थिति	**129.17**	**0.00**	**129.17**

देवन्द्र कुमार जैन एण्ड एसोसिएट्स के लिए
सनदी लेखाकार
आईसीएआई फर्म पंजीकरण सं.: 007799एन

ह./–
डी के जैन
साझेदार
{सदस्यता सं.: 083417}
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.08.2023
यूडीआईएन : 23083417बीजीएक्सएचसीजे2856

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से
एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड

ह./–
विपुल गोयल
अध्यक्ष
{डीआईएन नं.: 10229523}

ह./–
सरवण कुमार अनणथन
निदेशक एण्ड सीईओ
{डीआईएन नं.: 09769378}

ह./–
राजेश मदान
महाप्रबंधक

ह./–
आदर्श कुमार कंसल
मुख्य प्रबंधक (लेखा)

ह./–
निष्ठा गोयल
कंपनी सचिव
{सदस्यता सं.: ए22768}

एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए वार्षिक वित्तीय खातों की अंतिम टिप्पणियों के उत्तर

क्र. सं.	टिप्पणियाँ	प्रबंधन का उत्तर
1	**31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड के वित्तीय विवरणों पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6)(ख) के अधीन भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ** कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के अधीन निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अनुसार 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड के वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। उक्त अधिनियम की धारा 139(5) के अधीन भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखापरीक्षक उक्त अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन निर्धारित लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखापरीक्षा पर आधारित अधिनियम की धारा 143 के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए उत्तरदायी है। उनकी दिनांक 28 जुलाई 2023 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के जरिए बताया गया है। मैंने, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की ओर से, कंपनी अधिनियम की धारा 143(6)(क) के अधीन एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड के दिनांक 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरणों की अनुपूरक लेखापरीक्षा की है। यह अनुपूरक लेखा परीक्षा सांविधिक लेखापरीक्षकों के कार्यशील दस्तावेजों को प्राप्त किए बिना स्वतंत्र रूप से की गई है और यह मुख्य रूप से सांविधिक लेखापरीक्षकों और कंपनी के कार्मिकों की पूछताछ और कुछ लेखाकंन रिकार्डों की चयनात्मक जांच तक सीमित है। मेरे अनुपूरक लेखापरीक्षा के आधार पर, इसके अलावा, मैं अधिनियम की धारा 143(6)(ख) के तहत निम्नलिखित महत्वपूर्ण मामलों को रेखांकित करना चाहता हूँ जो मेरे ध्यान में आए हैं और जो मेरे विचार में वित्तीय विवरण और संबंधित लेखापरीक्षा रिपोर्ट की बेहतर समझ पैदा करने के लिए आवश्यक हैं।	**तथ्य का विवरण**

क्र. सं.	टिप्पणियाँ	प्रबंधन का उत्तर
2	कंपनी का गठन एमएसएमई क्षेत्र को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड[1] के नाम पर एमएसएमई फंड स्थापित करने के निर्णय के अनुसरण में किया गया था। एसआरआई फंड के लिए योजना संबंधी दिशानिर्देश में, अन्य बातों के साथ–साथ यह प्रावधान किया गया है कि (i) मदर फंड (एसआरआई फंड) को एनएसआईसी से 100 प्रतिशत इक्विटी प्राप्त करने वाले एसपीवी द्वारा एंकर किया जाएगा (ii) एसपीवी मदर फंड को श्रेणी I अथवा II वैकल्पिक निवेश फंड के रूप में पंजीकृत करने के लिए सेबी को आवेदन करेगा, (iii) एसपीवी को 1 प्रतिशत के प्रबंधन शुल्क की अनुमति दी जा सकती है जो वास्तव में मदर फंड के अधिकार में रखे गए संचय निधि के संबंध में देय होगा। इस प्रकार, एसपीवी (एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड) को एसआरआई फंड को सेबी के साथ वैकल्पिक निवेश फंड के रूप में पंजीकृत कराना था और इसका प्रबंधन करना था, जिसके लिए इसे प्रबंधन शुल्क प्राप्त होना था। हालांकि, एसआरआई फंड को पंजीकृत करने की बजाय, एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड ने स्वयं को सेबी के साथ श्रेणी–II वैकल्पिक निवेश फंड के रूप में पंजीकृत कराया है। एसआरआई फंड इस प्रकार पंजीकृत वैकल्पिक निवेश फंड की एक योजना है।	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MoMSME) द्वारा आत्मनिर्भर भारत निधि पर 17 अगस्त 2021 को जारी परिचालन दिशानिर्देश निम्नलिखित कहते हैं:– क) मदर फंड को एसपीवी द्वारा संचालित किया जाएगा (एनएसआईसी से 100% इक्विटी होगी जिसे एक अलग कानूनी इकाई के रूप में शामिल किया जाएगा। ख) एसपीवी मदर फंड को श्रेणी I या II वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) के रूप में पंजीकृत करने के लिए सेबी को आवेदन करेगा। पंजीकरण के समय, उच्च प्रशासन, ट्रस्ट या एलएलपी की तुलना में कंपनी पर लागू मानकों के कारण एआईएफ को एक कंपनी के रूप में स्थापित करना विवेकपूर्ण माना गया और प्रत्येक बाद की योजना के अलग पंजीकरण से बचने के लिए, एनवीसीएफएल को पंजीकृत करने का निर्णय लिया गया। एआईएफ के रूप में। इसके अलावा, भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) (एआईएफ) विनियम 2012 का विनियम 12 (1), एआईएफ को विभिन्न योजनाएं शुरू करने का अधिकार देता है। तदनुसार, एनवीसीएफएल ने भारत सरकार (जीओआई) द्वारा निर्धारित उद्देश्यों को पूरा करने की दृष्टि से एओपी संरचना के तहत आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड के नाम से अपनी पहली योजना शुरू की। एमएसएमई मंत्रालय को एआईएफ और एसआरआई फंड के रूप में एनवीसीएफएल की पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में पता था क्योंकि एनवीसीएफएल की पहली योजना दिनांक 12 अक्टूबर 2021 को योगदान समझौते पर थी, जिस पर एमओएमएसएमई के अधिकारियों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। इस प्रकार इसे MoMSME की मंजूरी माना जाता है और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MoMSME) द्वारा जारी परिचालन दिशानिर्देशों का कोई उल्लंघन नहीं है। उपरोक्त संरचना भी सेबी विनियमन के अनुपालन में थी और सेबी द्वारा अनुमोदित थी, (जो एआईएफ के पंजीकरण के लिए शीर्ष निकाय है, जिसे वर्ष 1992 में एक वैधानिक निकाय के रूप में

1. विकास पूंजी हासिल करने में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों द्वारा सामना की जा रही गंभीर कमी को दूर करने के लिए फंड ऑफ फंड्स (FoF) बनाया गया। फंड की मुख्य निवेशक भारत सरकार है।

क्र. सं.	टिप्पणियाँ	प्रबंधन का उत्तर
		स्थापित किया गया था और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम के प्रावधान थे, 1992 (1992 का 15) लाइसेंस दिए जाने के समय 30 जनवरी 1992 को लागू हुआ। यह ध्यान दिया जा सकता है कि सेबी, जो एआईएफ उद्योग के लिए नियामक संस्था है, ने एसआरआई फंड के पीपीएम को स्वीकार कर लिया है और एनवीसीएफएल को श्रेणी II एआईएफ और एसआरआई को एनवीसीएफएल की पहली योजना के रूप में पंजीकृत किया है।
3	**क. वित्तीय स्थिति पर टिप्पणी करें** चूंकि एसआरआई फंड एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड (एनवीसीएफएल, कंपनी) की एक योजना है और उपरोक्त तथ्यों के मद्देनजर एक अलग इकाई नहीं है, इसलिए एसआरआई फंड से संबंधित सभी लेनदेन को एनवीसीएफएल के वित्तीय विवरणों में शामिल किया जाना आवश्यक था। हालाँकि, कंपनी ने एनवीसीएफएल और एसआरआई फंड को अलग–अलग संस्थाएँ मानते हुए अपने वित्तीय विवरणों में एसआरआई फंड से संबंधित लेनदेन को शामिल नहीं किया। एनवीसीएफएल की पुस्तकों में एसआरआई फंड से संबंधित लेनदेन को शामिल न करने के परिणामस्वरूप परिसंपत्तियों और देनदारियों को ₹56,227.42 लाख (₹57,634.08 लाख[2] घटा ₹1,406.66 लाख) प्रत्येक से कम बताया गया और वर्ष के लिए मुनाफे को ₹711.17 लाख[3] से अधिक बताया गया।	एओपी के रूप में एसआरआई फंड का निगमन और पंजीकृत एआईएफ के रूप में एनवीसीएफएल का पंजीकरण दो अलग–अलग संस्थाएं हैं। समय–समय पर संशोधित सेबी अधिनियम के एआईएफ विनियमन 20(16) के अनुसार, खातों की अलग–अलग पुस्तकों के रखरखाव के संबंध में, "प्रबंधक और या तो ट्रस्टी या ट्रस्टी कंपनी या निदेशक मंडल या नामित भागीदार एआईएफ, जैसा भी मामला हो, यह सुनिश्चित करेगा कि एआईएफ की प्रत्येक योजना की परिसंपत्तियों और देनदारियों को वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) की अन्य योजनाओं से अलग और घेरा गया है, और प्रत्येक योजना के बैंक खाते और प्रतिभूति खाते को अलग किया गया है। और रिंग–फेंस्ड।" यह अनिवार्य है कि प्रत्येक योजना की परिसंपत्ति और देनदारियों को अलग किया जाना चाहिए और अलग से हिसाब लगाया जाना चाहिए क्योंकि योजना की इन परिसंपत्तियों का लाभार्थी स्वयं एआईएफ नहीं है बल्कि योजना के योगदानकर्ता हैं। इस प्रकार एसआरआई फंड के लिए एनवीसीएफएल से अलग खाते रखना अनिवार्य है, जो एनएसआईसी की सहायक कंपनी है।

2. एनवीसीएफएल का कुल बैलेंस शीटः ₹1,406.66 लाख प्लस एसआरआई फंड का बैलेंस शीट कुलः ₹56,869.46 लाख घटा अंतर–यूनिट समायोजन ₹642.04 लाख यानी एसआरआई फंड में एनवीसीएफएल का निवेशः ₹28.36 लाख और एसआरआई फंड से प्राप्तियांः ₹613.68 लाख (तदनुसार) एसआरआई फंड की पुस्तकों में देनदारियों के रूप में दिखाया गया है)।

3. एनवीसीएफएल और एसआरआई फंड का कुल राजस्व ₹872.92 लाख है और ₹39.71 लाख के अंतर–यूनिट लेनदेन को समाप्त करने के बाद कुल खर्च ₹1,280.43 लाख है। इससे एनवीसीएफएल की पुस्तकों में दर्शाया गया ₹303.66 लाख का लाभ ₹407.51 लाख के घाटे में बदल जाएगा।

क्र. सं.	टिप्पणियाँ	प्रबंधन का उत्तर
		एसआरआई फंड की संपत्तियों को एनवीसीएफएल की संपत्ति के रूप में प्रतिबिंबित करना स्पष्ट रूप से गलत होगा, क्योंकि यह कानूनी नहीं है या इन संपत्तियों का लाभार्थी मालिक नहीं है। इसके अलावा, जैसा कि एसआरआई फंड दिशानिर्देशों में बताया गया है, एसपीवी यानी एनवीसीएफएल ड्रॉडाउन राशि पर 1% का प्रबंधन शुल्क लेता है, यदि पुस्तकों का विलय कर दिया जाता है तो आय और व्यय के रूप में प्रबंधन शुल्क का प्रभाव समाप्त हो जाएगा, जो निष्पक्षता को प्रतिबिंबित नहीं करेगा। खातों की पुस्तकों का दृश्य. इसके अलावा, एनवीसीएफएल एक कंपनी है और एसआरआई फंड अलग–अलग पैन और टैन के साथ एक एओपी है, जिसका विलय नहीं किया जा सकता है। विलय के लिए, इकाई को अन्य इकाई की सहायक कंपनी होनी चाहिए, एसआरआई फंड एनवीसीएफएल की सहायक कंपनी नहीं है। इसलिए, एसआरआई फंड और एनवीसीएफएल के खातों की पुस्तकों का विलय या समेकन संभव नहीं है। उपरोक्त के मद्देनजर, एनवीसीएफएल और एसआरआई फंड की संपत्तियों और देनदारियों के विलय के आंकड़े खातों की किताबों के सही और निष्पक्ष दृश्य को प्रतिबिंबित नहीं करेंगे और एसआरआई फंड को अव्यवहारिक बनाने के साथ–साथ सेबी दिशानिर्देशों का उल्लंघन भी होगा। कंपनी ने वही लेखांकन पद्धति अपनाई है जो पिछले वर्ष वित्त वर्ष 2021–22 में अपनाई गई थी। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, परिसंपत्तियों और देनदारियों को ₹56,227.42 लाख (₹57,634.08 लाख[4] घटाकर ₹1,406.66 लाख) प्रत्येक की सीमा तक कम नहीं बताया गया है और परिसंपत्तियों को शामिल न करने के कारण वर्ष के लिए लाभ को ₹711.17 लाख से अधिक नहीं बताया गया है। और एनवीसीएफएल के वित्तीय विवरण में एसआरआई फंड की देनदारियां।

4. एनवीसीएफएल का कुल बैलेंस शीटः ₹1,406.66 लाख प्लस एसआरआई फंड का बैलेंस शीट कुलः ₹56,869.46 लाख घटा अंतर–यूनिट समायोजन ₹642.04 लाख यानी एसआरआई फंड में एनवीसीएफएल का निवेशः ₹28.36 लाख और एसआरआई फंड से प्राप्तियांः ₹613.68 लाख (तदनुसार) एसआरआई फंड की पुस्तकों में देनदारियों के रूप में दिखाया गया है)।

क्र. सं.	टिप्पणियाँ	प्रबंधन का उत्तर
4	**ख. स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट पर टिप्पणी करें** **स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट दिनांक 28 अगस्त 2023** कंपनी के लाभ और हानि के विवरण में दर्शाए अनुसार ₹303.66 लाख के लाभ पर उपरोक्त टिप्पणी का प्रभाव 234.20 प्रतिशत (711.17 / 303.66*100) बनता है और इससे लाभ हानि राशि में बदल जाएगा। से ₹407.51 लाख। इसके अलावा, संपत्तिध्देनदारियां ₹56,227.42 लाख तक कम बताई गई हैं जो लगभग है। कंपनी की बैलेंस शीट में दर्शाई गई संपत्ति / देनदारियों की राशि का चार हजार प्रतिशत (56,227.42 / 1,406.66*100)। इसलिए, कंपनी के वित्तीय विवरण "सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण" प्रस्तुत नहीं करते हैं और स्वतंत्र लेखा परीक्षक की ओर से यह आश्वासन देना उचित नहीं था कि वित्तीय विवरण "सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण" प्रस्तुत करते हैं।	एनवीसीएफएल और एसआरआई फंड को दो अलग–अलग संस्थाओं के रूप में माना जाना आवश्यक है और उनकी संबंधित संपत्तियों, देनदारियों, आय और व्यय का अलग–अलग हिसाब लगाया जाना चाहिए। एसआरआई फंड कंपनी की एक योजना है, एनवीसीएफएल एक अलग बैंक खाते के साथ और कर उद्देश्यों के लिए आयकर विभाग द्वारा व्यक्तियों के एक विशिष्ट संघ के रूप में मान्यता प्राप्त है। सेबी एआईएफ विनियम एआईएफ को कंपनी, एलएलपी या ट्रस्ट के रूप में आयोजित करने की अनुमति देता है। इसके अलावा, एआईएफ विनियम सेबी के साथ पंजीकृत एआईएफ को योजनाएं शुरू करने की भी अनुमति देते हैं (चाहे उनका संविधान कुछ भी हो)। तदनुसार, एनवीसीएफएल एसआरआई फंड का संचालन कर रहा है जो एआईएफ विनियमों के प्रावधान के अनुसार शुरू की गई एआईएफ की एक योजना है। यह संरचना सरकार द्वारा अधिदेशित है और सेबी विनियमों के अनुपालन में है। यह ध्यान दिया जा सकता है कि यह संरचना एनवीसीएफएल द्वारा पिछले वर्ष कई सलाहकारों से लिखित पेशेवर राय पर लागू की गई थी, जिसे कंपनी ने वित्त वर्ष 2021–22 की ऑडिट प्रक्रिया के दौरान सीएजी के साथ भी साझा किया था। वित्त वर्ष 2022–23 के लिए अपनाया गया लेखांकन उपचार पिछले वर्ष वित्त वर्ष 2021–22 के अनुरूप है। एक बार एसआरआई फंड को एक योजना के रूप में लॉन्च किया गया है, सेबी विनियमों के अनुसार यह अनिवार्य है कि प्रत्येक योजना की संपत्तियों को अलग किया जाना चाहिए और अलग से हिसाब लगाया जाना चाहिए क्योंकि किसी योजना की इन संपत्तियों का लाभार्थी एआईएफ नहीं बल्कि योजना में योगदानकर्ता है। इस प्रकार, एसआरआई फंड खातों को एनवीसीएफएल से अलग बनाए रखना अनिवार्य है जो एनएसआईसी की सहायक कंपनी है। एसआरआई फंड की संपत्तियों को एनवीसीएफएल की संपत्तियों के रूप में प्रतिबिंबित करना स्पष्ट रूप से गलत होगा क्योंकि यह इन संपत्तियों का कानूनी या लाभकारी मालिक नहीं है। हां, यह केवल एसआरआई फंड में इसके योगदान की सीमा तक लाभकारी ब्याज धारक है जो एसआरआई फंड में इसके द्वारा रखी गई इकाइयों के माध्यम से परिलक्षित होता है।

क्र. सं.	टिप्पणियाँ	प्रबंधन का उत्तर
		इसलिए, कंपनी के वित्तीय विवरण ''सच्चे और निष्पक्ष दृष्टिकोण'' का प्रतिनिधित्व करते हैं इसके अलावा, उपरोक्त के संबंध में, यह कहा गया है कि मामला लंबित है क्योंकि सेबी से स्पष्टीकरण मांगा गया है। फंड की संरचना, दिनांक 07.03.2023, 20.03.2023, 30.05.2023, 01.08.2023 को ईमेल के माध्यम से सेबी के साथ निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई की जा रही है और 01.09.2023 को सेबी के साथ बैठक हुई, जिसके बाद फिर से एक अनुस्मारक पत्र दिया गया। दिनांक 05.09.2023, 05.10.2023 और 14.11.2023, सेबी के उत्तर का आज तक इंतजार है।
	भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए और की ओर से **ह./–** **(संजय के झा)** प्रधान लेखापरीक्षा निदेशक (उद्योग और कार्पोरेट मामले) स्थान : नई दिल्ली दिनांक : 09 नवंबर, 2023	एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड के लिए और की ओर से **ह./–** **विपुल गोयल** (अध्यक्ष) स्थान : नई दिल्ली दिनांक : 11 दिसंबर, 2023

एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड

(एनएसआईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
सीआईएनः यू65990डीएल2020जीओआई368828
एनएसआईसी भवन, ओखला औद्योगिक एस्टेट
नई दिल्ली–110020
वेबसाइटः www.nvcfl.co.in

सं. SIC/SEC/NVCFL/3rd AGM/2023 दिनांकः 11 दिसंबर, 2023

सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड (एनवीसीएफएल या "कंपनी")की तीसरी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) दिनांक 11 दिसंबर, 2023 को दोपहर 3.00 बजे कंपनी के पंजीकृत कार्यालय एनएसआईसी भवन, ओखला औद्योगिक एस्टेट नई दिल्ली–110020 में निम्नलिखित कार्य करने के लिए आयोजित की जाएगी:

साधारण कार्य

1. दिनांक 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण और उन पर निदेशक मंडल, लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के साथ–साथ भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों, को प्राप्त करना, पर विचार करना और उन्हें अंगीकृत करना।

2. 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए लाभांश घोषित करना।

3. वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 142 के प्रावधानों के अनुसार कंपनी के निदेशक मंडल को कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक निर्धारित करने के लिए प्राधिकृत करना और साधारण संकल्प के रूप में निम्नलिखित संकल्प को पारित करना।

"संकल्प किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त किए गए कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक निश्चित और निर्धारित करने के लिए कंपनी के निदेशक मंडल को प्राधिकृत किया जाए और एतद्द्वारा प्राधिकृत किया जाता है।"

विशेष कार्य

निम्नलिखित पर विचार करना, तथा यथोचित पाए जाने पर, साधारण संकल्प(पों) के रूप में पारित करना:

4. **कंपनी के निदेशक के रूप में अतिरिक्त निदेशक, श्री विपुल गोयल (डीआईएन– 10229523) का नियमितीकरण**

"संकल्प लिया गया कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 161 के प्रावधानों और अन्य लागू प्रावधानों, यदि कोई हो, के अनुसार श्री विपुल गोयल (डीआईएन– 10229523) जिन्हें 6 जुलाई, 2023 से अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था, एतद् द्वारा कंपनी के निदेशक होने और कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।"

5. **कंपनी के निदेशक के रूप में अतिरिक्त निदेशक, श्री गौरव गुलाटी (डीआईएन सं. 10144109) का नियमितीकरण**

"संकल्प लिया गया कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 161 के प्रावधानों और अन्य लागू प्रावधानों, यदि कोई हो, के अनुसार श्री गौरव गुलाटी (डीआईएन सं. 10144109 जिन्हें 14 जून, 2023 से अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था, एतद् द्वारा कंपनी के निदेशक होने और कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।"

निदेशक मंडल के आदेश द्वारा

ह/–
(निष्ठा गोयल)
कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 11 दिसंबर, 2023

टिप्पणियाँ:

कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 102 के अनुसार संलग्न सूचना के मद संख्या 4 और 5 के तहत कार्यवाही से संबंधित भौतिक तथ्यों को निर्धारित करते हुए, व्याख्यात्मक विवरण इसके साथ संलग्न किया गया है।

1. वार्षिक आम बैठक में भाग लेने और मतदान करने का हकदार कोई सदस्य, अपने बदले बैठक में भाग लेने और मतदान करने के लिए कोई प्रतिनिधि नियुक्त करने का हकदार है और प्रतिनिधि का कंपनी का सदस्य होना आवश्यक नहीं है।

2. यदि कोई सदस्य इस बैठक के कारोबार की किसी मद (मदों) के संबंध में सूचना प्राप्त करना चाहें, तो उनसे अनुरोध है कि वे वार्षिक आम बैठक की तारीख को पहले कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में कंपनी सचिव को अपने प्रदत्त भेजें, ताकि अपेक्षित सूचना बैठक के समय उपलब्ध करवाई जा सकें।

3. कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार रखा जाने वाला सांविधिक रजिस्टर कंपनी की वार्षिक आम बैठक के स्थान और समय पर कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में सदस्यों द्वारा निरीक्षण करने के लिए उपलब्ध रहेगा।

4. खाली प्रोक्सी फार्म इसके साथ भेजा जा रहा है।

5. विधिवत मुहर लगा हुआ और भरा हस्ताक्षरित प्रोक्सी नियुक्त करने संबंधी लिखत, बैठक शुरू होने से कम से कम 48 घंटे पहले, कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में जमा किया जाना चाहिए।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 102 के अनुसार आम बैठकों पर सचिवीय मानक (एसएस–2) के साथ पठित व्याख्यात्मक विवरण

मद संख्या 4

एमएसएमई मंत्रालय द्वारा अनुमोदित आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड (अर्थात एनवीसीएफएल की पहली योजना) के दिशानिर्देशों के अनुसार, कंपनी के पास एक स्वतंत्र बोर्ड होगा जिसमें एनवीसीएफएल के अध्यक्ष के रूप में सीएमडी, एनएसआईसी शामिल होंगे। भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय ने पत्र के–01/13/2021 – एसएमई दिनांक 30 जून, 2023 के माध्यम से श्री विपुल गोयल, संयुक्त सचिव (एम/वो एमएसएमई) को एनएसआईसी के अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

तदनुसार, श्री विपुल गोयल को आपकी कंपनी के निदेशक बोर्ड में कंपनी अधिनियम, 2013 के धारा 161(1) के प्रावधानों और अन्य लागू प्रावधानों के अनुसार 6 जुलाई 2023 से इस वार्षिक आम बैठक की तिथि तक अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। तदनुसार, निदेशक के रूप में श्री विपुल गोयल की नियुक्ति पर इस वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों द्वारा विचार किया जा सकता है।

आपकी कंपनी का निदेशक बोर्ड कंपनी के शेयरधारकों द्वारा अनुमोदन हेतु निदेशक के रूप में उनकी नियुक्ति की सिफारिश करता है।

श्री विपुल गोयल को छोड़कर कोई भी निदेशक, प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक और/अथवा उनके रिश्तेदार उक्त प्रस्ताव को पारित करने में इच्छुक अथवा सम्मिलित, वित्तीय अथवा अन्यथा नहीं हैं, जैसा कि नोटिस के मद संख्या 4 में निर्धारित किया गया है।

बैठक की तिथि तक सभी कार्य दिवसों/समय पर कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में सदस्यों द्वारा उक्त मद के संबंध में संबंधित दस्तावेज निरीक्षण के लिए खुले हैं।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, नोटिस के मद संख्या 4 में साधारण संकल्प बाबत निर्धारित किया गया है, सहमति प्रदान करने का अनुरोध किया जाता है।

मद संख्या 5

एमएसएमई मंत्रालय द्वारा अनुमोदित आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड (यानी एनवीसीएफएल की पहली योजना) के दिशानिर्देशों के अनुसार, कंपनी के पास एक एनएसआईसी नामित निदेशक के साथ एक स्वतंत्र बोर्ड होगा। एनएसआईसी ने श्री गौरव गुलाटी को एनवीसीएफएल के निदेशक के रूप में नामित किया है। तदनुसार, उन्हें दिनांक 14 जून, 2023 से अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। इस वार्षिक आम बैठक की तारीख तक आपकी कंपनी के निदेशक मंडल पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 161(1) के

प्रावधानों और अन्य लागू प्रावधानों के अनुसार। तदनुसार, इस एजीएम में शेयरधारकों द्वारा निदेशक के रूप में श्री गौरव गुलाटी की नियुक्ति पर विचार किया जा सकता है।

श्री गौरव गुलाटी को छोड़कर कोई भी निदेशक, प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक और/अथवा उनके रिश्तेदार उक्त प्रस्ताव को पारित करने में इच्छुक अथवा सम्मिलित, वित्तीय अथवा अन्यथा नहीं हैं, जैसा कि नोटिस के मद संख्या 5 में निर्धारित किया गया है।

श्री गौरव गुलाटी, निदेशक के रूप में अपनी नियुक्ति की सीमा तक इस संकल्प में रुचि रखते हैं।

बैठक की तिथि तक सभी कार्य दिवसों/समय पर कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में सदस्यों द्वारा उक्त मद के संबंध में प्रासंगिक दस्तावेज निरीक्षण के लिए खुले हैं।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, नोटिस के मद संख्या 5 में साधारण संकल्प बाबत निर्धारित किया गया है, सहमति प्रदान करने का अनुरोध किया जाता है।